ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 19 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-200

भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए हम सीएम के इस्तीफे तक लड़ेंगे : विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो पाक आतंकी ढेर

श्रीनगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इलाके में घुसपैठ की खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। तलाशी अभियान के दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये, मारे गये आतंकवादियों की शिनाख्त नहीं की जा सकी है। अभियान समाचार लिखे जाने तक जारी है तथा इलाके में कुछ और आतकंवादियों के छिपे होने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा, घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने चुनौती दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है, हालांकि उनके शव अभी बरामद नहीं किए जा सके हैं।

उधर, डोडा में भी दो जगह

डोडा में भी मुठभेड़ जारी, दो जवान घायल

इनकाउंटर चल रहा है। गुरुवार तड़के आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि कास्तीगढ़ इलाके के जद्दन बाटा गांव में बुधवार देर रात स्कूल में बने अस्थायी सुरक्षा शिविर पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इसमें दो जवान घायल हुए। सेना ने फायरिंग की तो आतंकी जंगल की ओर भागे, वहां सेना ने उन्हें घेर रखा है। यहां सेना और आतंकियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। वहीं, जिले में एक अन्य जगह भी एनकाउंटर जारी है। जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आतंकियों का सफाया किया जाएगा। रामबन-डोडा रेंज के डीआइजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है। जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा।

डोडा में ही 15 जुलाई को आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए थे। 16 जुलाई को डोडा के डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में रात 10:45 बजे और पंचान भाटा इलाके में रात 2 बजे फिर फायरिंग हुई थी।

इन्हीं घटनाओं के बाद सर्च ऑपरेशन चलाने के लिए सेना ने जद्दन बाटा गांव के सरकारी स्कूल में अस्थायी सुरक्षा शिविर बनाया था। डोडा जिले को 2005 में आतंकवाद मुक्त घोषित कर दिया गया था। 12 जून के बाद से से लगातार हो रहे हमलों में 5 जवान शहीद हुए, 9 सुरक्षाकर्मी घायल हुए। जबकि तीन आतंकवादी मारे गए। जम्मू रीजन में पिछले 84 दिन में 10 आतंकी हमलों में 12 जवानों की शहादत के बाद सेना ने अब सबसे बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है।

▶10 पर

नक्सलियों के विस्फोट में दो जवान शहीद

बीजापुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बुधवार देर रात तर्रेम थाना क्षेत्र के मंडिमरका के जंगलों में नक्सलियों ने आईडीडी विस्फोट किया जिसकी चपेट में आने से दो जवान शहीद हो गए एवं चार घायल हो गए।

घायल जवानों का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए हेलिकॉप्टर के जरिए रायपुर रेफर किए जाने की तैयारी चल रही है।

जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन से लौटते वक्त पाइप बम में विस्फोट किया गया। विस्फोट में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के प्रधान आरक्षक भरत लाल साहू और आरक्षक सतेर सिंह शहीद हो गए। घायल जवानों में पुरषोत्तम नाग, कोमल यादव, सियाराम सोरी और संजय कुमार हैं। नक्सल विरोधी अभियान में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कोबरा, सीएएफ , जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) एसटीएफ के जवान शामिल थे।

विपक्षी गठबंधन टूटा, हरियाणा में अपने बूते चुनाव लड़ेगी आपा

मान ने विधान सभा की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का किया ऐलान

चंडीगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अक्टूबर में हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी (आपा) अकेले चुनाव लड़ेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी घोषणा की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी एक नेशनल पार्टी बन चुकी है। जब से हमने गुजरात में 14 फीसदी वोट हासिल किए हैं, तब से आधिकारिक रूप से चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को नेशनल पार्टी बना दिया है। उन्होंने कहा कि आपा सिर्फ दस सालों में राष्ट्रीय पार्टी बनी है। दो राज्यों में हमारी सरकार है और विभिन्न राज्यों में विधायक हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकार है। आधा हरियाणा पंजाब से टच करता है और आधा दिल्ली से। जब हमने रोहतक, जींद जैसी जगहों पर विजिट किया तब देखा कि जनता बदलाव लाना चाहती है। उनका मानना है कि हरियाणा में उनके साथ किसी ने वफा नहीं की, जो भी आया उसने लूटा। लेकिन अब जनता बदलाव चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि केजरीवाल हरियाणा के हैं। लोग आशा कर रहे हैं कि जब केजरीवाल ने देश की राजनीति बदल दी है तो हरियाणा में बदलाव क्यों नहीं। इस बीच भगवंत मान ने एक स्लोगन भी दिया बदलेंगे हरियाणा का हाल, अब लाएंगे केजरीवाल

आम चुनाव में हरियाणा में इंडी गठबंधन ने एक साथ चुनाव लड़ा था। प्रदेश की 10 सीटों पर नौ पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे थे, जबकि एक सीट कुरुक्षेत्र से आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवार के रूप में सुशील गुप्ता को चुनावी मैदान में उतारा था। प्रदेश में कांग्रेस ने पांच सीटों पर कब्जा जमाया था, जबकि अन्य सीटों पर भाजपा ने बाजी मारी। कुरुक्षेत्र से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सुशील गुप्ता को भाजपा के नवीन जिंदल से शिकस्त का सामना करना पड़ा। हरियाणा में आम आदमी पार्टी को हार मिली। इसे लेकर हरियाणा आपा के उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कांग्रेस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुछ ताकतों ने प्रयास किया है कि आम आदमी पार्टी की भ्रूण हत्या कर दी जाए। जिसके बाद दिल्ली में कांग्रेस नेताओं ने भी ऐलान किया था कि आपा के साथ सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही उसका गठबंधन था।

मान ने कहा कि केजरीवाल भी हरियाणा से हैं। पंजाब, दिल्ली और हरियाणा की संस्कृति मिलती है। कुछ लोगों को दिल्ली के काम पता हैं। कुछ को पंजाब के काम पता हैं। मान ने कहा कि हमने अभी जालंधर उपचुनाव में शानदार जीत दर्ज की। पंजाब के मुख्यमंत्री के तौर पर मेरी जहां भी ड्यूटी लगेगी। हम वहां जाएंगे और टीम बनाकर लड़ेंगे।

वहीं आपा सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि पिछले 10 साल से भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। 10 साल में इस सरकार ने हरियाणा को क्या दिया। हरियाणा फिरौती का गढ़ बन गया है। सड़कों पर लाठियां चल रही है। किसानों को रौंदा गया। हरियाणा में बहुत से घर शहीदों के मिल जाएंगे और आप अग्निवीर लेकर आ रहे हो। चार साल की ठेके की नौकरी दे रहे हो। अग्निवीर योजना वापस होनी चाहिए। किसानों और बेरोजगारी का बहुत बड़ा मुद्दा है। अपराध बढ़ता जा रहा है।

▶10 पर

वाईएसआरसीपी नेता की बीच सड़क पर हत्या

विजयवाड़ा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के विनुकोंडा शहर में बुधवार की रात वाईएसआरसीपी की युवा शाखा के एक सदस्य राशिद की हत्या कर दी गई। मामले को लेकर पलनाडु जिले के पुलिस अधीक्षक कांचे श्रीनिवास ने कहा कि शेख जिलानी नाम के एक व्यक्ति ने राशिद पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना में कोई राजनीतिक कोण नहीं है। फिलहाल आरोपी की जांच चल रही है। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों को सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। वहीं, वाईएसआरसीपी का कहना है कि राशिद उनकी पार्टी का कार्यकर्ता था, जिसकी हत्या टीडीपी कार्यकर्ताओं ने की है। वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने कहा, मैं राशिद के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिनकी विनुकोंडा में टीडीपी कार्यकर्ताओं ने हत्या कर दी। सरकार विपक्ष को दबाने के लिए जघन्य कृत्यों में लिप्त है। मैं चंद्रबाबू नायडू को चेतावनी देना चाहता हूं कि सत्ता स्थायी नहीं है और उन्हें अपने हिंसक तरीकों को छोड़ देना चाहिए। रेड्डी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर ध्यान देने का आग्रह करता हूं।

जगन ने टीडीपी पर लगाए हिंसा के आरोप, पुलिस बोली- राजनीतिक कोण नहीं

पलनाडु के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) के. श्रीनिवास ने कहा, इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक कोण नहीं है। विनुकोंडा में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। वाईएसआरसीपी नेता कासु महेश रेड्डी ने कहा, कल टीडीपी ने वाईएसआरसीपी के मुस्लिम अल्पसंख्यक नेता पर हमला किया और विनुकोंडा में उनकी हत्या कर दी। हम केंद्र सरकार से तत्काल दखल देने का अनुरोध करते हैं। वहीं, टीडीपी के एमएलसी जी. दीपक रेड्डी ने कहा, वाईएसआरसीपी का कहना है कि कल पलनाडु में हत्या टीडीपी कार्यकर्ताओं द्वारा की गई है। यह झूठ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद दो दोस्तों का था और दोनों वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ता था। वाईएसआरसीपी, टीडीपी पर झूठा आरोप लगा रही है।

चार दिन बाद फिर खोला गया जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी,18 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार गुरुवार को फिर खोला गया है। इसके भीतर से कीमती सामान और आभूषण सरकार द्वारा निर्धारित एसअ-ोपी के अनुसार अस्थायी रत्न भंडार में

कीमती सामान स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट होगा

स्थानांतरित कर किए जा रहे हैं। इस दौरान भक्तों के मंदिर में प्रवेश पर रोक रहेगी। पुरी में 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के प्रतिष्ठित खजाने रत्न भंडार को गुरुवार को एक सप्ताह में दूसरी बार फिर से खोल दिया गया ताकि कीमती सामान को अस्थायी स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किया जा सके। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के समक्ष प्रार्थना करने के बाद, रत्न भंडार से कीमती सामान को स्थानांतरित करने के लिए ओड़ीशा सरकार द्वारा गठित एक पर्यवेक्षी समिति के सदस्य सुबह करीब 9 बजे मंदिर में

▶10 पर

नीट-यूजी में धांधली को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सभी परीक्षा केंद्रों के अलग-अलग परिणाम घोषित करे एनटीए

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह अपनी वेबसाइट पर नीट-यूजी परीक्षा में छात्रों को मिले अंकों को प्रकाशित करे। छात्रों की पहचान गुप्त रखी जाए और परिणाम शहर और केंद्र के हिसाब से अलग-अलग घोषित किए जाने जाएं। उच्चतम न्यायालय ने एनटीए को 20 जुलाई दोपहर 12 बजे तक परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तारीख तय की गई है।

परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि परीक्षा को फिर से यानी नए सिरे से आयोजित करने के किसी भी आदेश का ठोस निष्कर्ष यह होना चाहिए कि पूरी प्रक्रिया की पवित्रता प्रभावित हुई है। दिन भर चली सुनवाई के दौरान पीठ ने उम्मीदवारों के वकील से परीक्षा आयोजित करने में व्यापक अनियमितताओं के बारे में अपना दावा साबित करने के लिए कहा। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि प्रश्नपत्र लीक की घटना पटना और हजारीबाग तक ही सीमित थी। गुजरात के गोधरा में इस तरह की

परीक्षा की काउंसलिंग पर रोक लगाने की गुहार ठुकराई

कोई घटना नहीं हुई है। पटना और हजारीबाग में प्रश्नपत्र कथित रूप से लीक हुए, जबकि गोधरा में दावा किया गया कि परीक्षा आयोजित करने वाले एक व्यक्ति ने कुछ अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट भरने के लिए पैसे लिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र लीक होने के दावों पर सवाल उठाते हुए पीठ ने कहा कि आपको यह ध्यान में रखना होगा कि किसी शख्स ने ऐसा राष्ट्रीय स्तर पर तमाशा खड़ा करने के लिए नहीं किया। लोगों ने पैसे के लिए ऐसा किया। इसलिए यह परीक्षा को बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि पैसे कमाने के लिए किया गया। यह अब स्पष्ट है। बड़े पैमाने पर लीक होने के लिए उस स्तर पर भी संपर्क की आवश्यकता होती है,

▶10 पर

पंजाब में बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के मॉड्यूल को तोड़ा है। खुफिया जानकारी के

हथियार बरामद टारगेट किलिंग की प्लानिंग थी

आधार पर पुलिस ने टारगेट किलिंग की योजना बना रहे आतंकी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से हथियार भी बरामद किए हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरुवार को यहां बताया कि इस मॉड्यूल को अमेरिका में रहने वाला वांछित आतंकवादी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियन संचालित कर रहा है। यह आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा का करीबी सहयोगी है। साथ ही, यह इटली में रहने वाले उसके सहयोगी रेशम सिंह के साथ

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

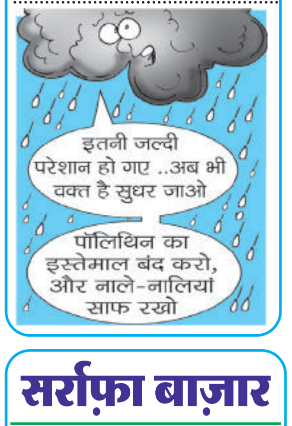

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,420/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,106/- (प्रति किलोग्राम)

पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा करेगा भारत का के-9 डॉग स्क्वॉड

फ्रांस ने भारत से मांगी थी मदद, पेरिस पहुंचने पर डॉग स्क्वॉड का हुआ गर्मजोशी से स्वागत

डॉग स्क्वॉड के साथ 17 हैंडलर भी फ्रांस गए, जी-20 शिखर सम्मेलन में किया था शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 का शुभारंभ 26 जुलाई को होने जा रहा है। पेरिस ओलंपिक में दुनियाभर के 10 हजार से भी अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। जिनमें भारतीय दल के 117 एथलीट भी शामिल होंगे। पेरिस ओलंपिक की व्यापकता को देखते हुए फ्रांस ने भारत सरकार से भी मदद मांगी है। इसके लिए सीआरपीएफ के दो बेल्जियन मैलिनोइस के-9 जिनमें पांच साल का वास्त और तीन साल का डेन्बी शामिल हैं, उन्हें पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के लिए भेजा है। ये दोनों एलीट डॉग स्क्वॉड के-9 का हिस्सा होंगे। पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के लिए फ्रांस सरकार ने भारत सरकार से मदद मांगी है। सीआरपीएफ, एनए-सजी, एसएसबी, आईटीबीपी सहित विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 10 कुत्ते 12 अगस्त तक एक महीने के लिए पेरिस में रहेंगे। इन्हें 10 जुलाई को पेरिस रवाना किया गया। जहां वे सभी ओलंपिक स्थलों और आयोजनों की सुरक्षा संभालने वाले फ्रांसीसी अधिकारियों की निगरानी में

सूंघने और गश्त करने का काम करेंगे।

भारतीय के-9 दल में विभिन्न नस्लों के 10 कुत्ते शामिल हैं। इनमें 6 बेल्जियन मालिनोइस, 3 जर्मन शेफर्ड और 1 लैब्राडोर रिट्रीवर को पेरिस भेजा गया है। अभी तक के-9 डॉग स्क्वॉड को आपदा राहत जैसे कामों के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन यह पहली बार होगा जब केंद्रीय अर्धसैनिक बलों से डॉग स्क्वॉड को विदेश भेजा जा रहा है। के-9 डॉग स्क्वॉड ने भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन (2023) के दौरान अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, वास्त और डेनबी की तरह ही पेरिस ओलंपिक सुरक्षा दल के सभी कुत्तों को भी विदेश में काम करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं उनके प्रशिक्षकों को भी थोड़ी बहुत फ्रेंच भाषा भी सिखाई गई है। वास्त और डेनबी को बेंगलुरु के पास तरालू में सीआरपीएफ के डॉग ब्रीडिंग और ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षित किया गया था। के-9 डॉग स्क्वॉड के साथ 17 हैंडलर भी फ्रांस गए हैं। वहीं, के-9 डॉग स्क्वॉड के फ्रांस पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। फ्रांस और मोनाको में भारतीय राजदूत जावेद अशरफ ने उनका स्वागत करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, भारत से

▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,343.46
+626.91 +0.78% ↑

एनएसई :24,800.85
187.85 (0.76%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 20^0

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

फिर मिलने के वादे के साथ दी इनर स्टोरी का हुआ समापन

तीन दिनों में सौ करोड़ से अधिक का व्यवसाय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में पैलेस मैदान के गायत्री विहार में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेला दी इनर स्टोरी का गुरुवार को रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर व्यापारियों ने अगले वर्ष नए अंदाज में नए जोश के साथ मिलने का वादा कर विदाई ली। तीन दिवसीय मेले के दौरान प्रदेश के 6 हजार से अधिक व्यापारियों ने नए अनुबंध किए और लोगों ने खरीदारी की। मेले के अंतिम दिन सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध किए गए। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि व्यापार अनुबंध की दृष्टि से मेक इन इंडिया पर आधारित मेले में सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध किए गए हैं। गत वर्ष ये आंकड़ा करीब 90 करोड़ रुपए का था।

उन्होंने बताया कि आगामी सीजन के दृष्टिगत माल की बुकिंग की गई है। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए किया की पूरी टीम गत एक माह से रात दिन लगी हुई थी। यह उसी का सकारात्मक परिणाम है कि व्यापार अनुबंध सौ करोड़ को पार कर सका है। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य पांच हजार व्यापारियों को मेले तक लाने का था।

यह लक्ष्य किया ने दो दिन में ही पूर्ण कर लिया। बुधवार को सभी प्रतिभागियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मेला उनके लिए सुखद रहा है। इस बार गत वर्षों की तुलना में अधिक व्यापार हुआ है। व्यापारियों ने अगले मेले के लिए अभी से अपनी सहमति जता दी। उन्होंने कहा कि व्यापारी इस मेले को एक दिन और बढ़ाने का आग्रह कर रह थे, लेकिन समय की मर्यादा है इसलिए आगे नहीं बढ़ाया जा सका। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि किया का यह मेला पूरी तरह मेक इन इंडिया की थीम पर आधारित था। मेला 16 जुलाई को शुरू हुआ था। राज्य के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने मेले का उद्घाटन किया था। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त यातायात कुलदीप जैन सहित अनेक अतिथियों ने इसमें भाग लिया। इस मेले में कुल 73 स्टॉल लगाई गई थी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में जनता का अपार समर्थन मिला है। इस मेले की खासियत यह रही कि जितने भी उत्पाद प्रदर्शित किए गए वे सभी भारतीय कंपनियों के थे। एसोसिएशन के सचिव रविन्द्र बम्बोरी ने कहा कि वीआईपी रिटेलर का खास आयोजन किया गया था। वीआईपी का पार्टिशिपेशन कई वितरकों ने मिलकर किया था। इसमें 30 टॉप रिटेलर का सलेक्शन हुआ था। सारे वीआईपी रिटेलर अपने फेयर में आए थे और सभी स्टॉल का भ्रमण भी किया। मेले में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर संयुक्त सचिव जिनेन्द्र कुमार, शैंकी एम जैन, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, आईपीपी रमेश चंद जैन, गौरव शर्मा, राजेश चौपड़ा, मनीष ए जैन, मूलसिंह राजपुरोहित, महेन्द्र जैन, महिपाल टी जैन, माधुराम खड़ाव भी उपस्थित थे।

बंधु त्रिपुटी मुनिराज का गदग में हुआ भव्य चातुर्मासिक प्रवेश

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में परम पूज्य आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सा-गरजी का भव्य प्रवेश स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर में बुधवार को हुआ। इस के पूर्व दादावाड़ी से बाजते गाजते गुजराती मंदिर के दर्शन करते हुए संघ के श्रावक श्राविका ने बंधु त्रिपुटी मुनिराज की आगवानी की। शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए भव्य वरघोड़ा स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर में पहुंचा, वहां पर महिला संगठनों द्वारा साम्बेला और भव्य रंगोली द्वारा जयकारों के साथ चातुर्मास प्रवेश करवाया गया। पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन कर वरघोड़ा धर्म सभा में परिवर्तित हुआ। संगीतकार अनिल राठौड़ ने भक्ति का रंग जमाया। मुनिराज ने मांगलिक प्रवचन में कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में ही जन्मता और

समाज में ही रहता, पनपता और अन्त तक उसी में रहता है। अपने परिवार, सम्बन्धियों और पास पड़ोस वालों तथा अपने कार्यक्षेत्र में वह विभिन्न प्रकार के स्वभाव वाले व्यक्तियों के सम्पर्क में आता है। निरन्तर सम्पर्क के कारण एक-दूसरे का प्रभाव एक-दूसरे के विचारों और व्यवहार पर पड़ते रहना स्वाभाविक है। सत्संगति का अर्थ है अच्छे आदमियों की संगति, गुणी जनों का साथ। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी दलिचंद कवाड़, जितेन्द्र शाह, निर्भयलाल हुंडिया, गौतमचंद कवाड़, जवाहरलाल बंदा, संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य हरीश शाह, मदन ओसवाल, धीरज बाफना, निर्मल पारेख, विनोद फोलामुथा, राजेश श्रीश्रीमाल, राजेंद्र कोठारी, बाबूलाल खिवेंसरा, महेंद्र बंदा, सचिन जैन समेत अन्य लोग मौजूद थे।

साध्वी विपुलदर्शना का श्रीरामपुरम में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रसंत आचार्य आनंदऋषिजी की आज्ञानुवर्तिनी प्रमोदसुधा व किरणप्रभा की सुशिष्याएं साध्वी विपुलदर्शना का श्रीरामपुरम स्थानक में चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। राजाजीनगर स्थानक से प्रारंभ मंगल प्रवेश यात्रा में विरेंद्रमुनी व पंकजमुनी के सानिध्य में सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने जयकारों व शुभ मंगल भावना के साथ साध्वी मंडल को श्रीरामपुरम स्थानक में प्रवेश कराया। शोभा यात्रा में बेंगलूरु के सभी उपनगरों के संघ-संस्थाओं के पदाधिकारियों, पूना-शोलापुर-पचौरा-नासिक-हुब्बल्ली आदि नगरों के अनुयायियों, श्रीरामपुरम संघ, महिला मंडल, बहु मंडल, नवयुवक मंडल, बाल मंडल, कन्या मंडल के सदस्यों के साथ अनेकों श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। श्रीरामपुरम स्थानक में प्रार्थना व जाप के साथ प्रवेश कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्वाध्यायी उत्तम गुगलिया ने

मंगलाचरण से सभी उपस्थितो का मन मोहा। श्रीरामपुरम संघ अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों-श्रावक श्राविकाओं का स्वागत किया तथा चातुर्मास प्रदान कराने में अथक प्रयास करने वाले हुब्बल्ली संघ को साधुवाद दिया। संघ मंत्री अशोक गुगलिया ने चातुर्मास काल के दौरान संघ द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, चारित्र आत्माओं की जन्म-जयंतियों, संवत्सरिक पर्व के आयोजनों, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा नित्यप्रति होने वाली प्रार्थना-व्याख्यान-धार्मिक क्लास-धार्मिक चर्चा का क्रमवार ब्योरा रखा। कर्नाटका राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए अत्यंत पुण्योदय से प्राप्त चातुर्मास जैसे इस पावन अवसर में आत्मोत्थान करने का अनुरोध किया। कर्नाटक स्वाध्याय संघ के शांतिलाल बोहरा ने कहा कि जिस प्रायोजन से आज यह आयोजन हुआ है इसका शुभ परिणाम निकलना ही चातुर्मास का असली मकसद है। महाराष्ट्र के साथ बेंगलूरु के अनेकों वक्ताओं ने धर्म सभा को संबोधित किया। श्रीरामपुरम संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि सेवा शिरोमणि विरेंद्रमुनि, भोले बाबा पंकजमुनि व विपुलदर्शना ने चातुर्मास के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया तथा चातुर्मास काल में धर्म आराधना व तप-त्याग की प्रेरणा दी।

धर्मसभा में श्रीरामपुरम के बहु मंडल चातुर्मासिक प्रवेश की सुंदर प्रस्तुति दी तथा कन्या मंडल की कनिष्का गादिया ने चातुर्मास के लाभों पर व्यक्तव्य दिया। जैन युवा संघठन के पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल ने भगवान महावीर के 2550 जन्मोत्सव पर होने वाले 25 करोड़ 50 लाख नवकार जाप के लक्ष्य का विवरण दिया। पूर्व अध्यक्ष दिनेश खींवेसरा ने नवकार जाप में भाग लेने का अनुरोध किया। सहमंत्री ने संचालन करते हुए एवंता बाल मंडल व श्री कन्या मंडल द्वारा 21 जुलाई को आयोजित होने वाले भिक्षु दया की जानकारी दी। विहार सेवा में सहयोग करने वाले शिव-महेंद्र-सौभाग्य विहार सेवा मंडल, श्रीरामपुरम के सभी सहयोगी मंडलों व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया गया।

महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही बनाई गई है जीतो महिला विंग : संगीता ललवानी

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ स्मृति चिन्ह से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो परिवार के सहयोग से दो दिवसीय जीतो महिला विंग समीक्षा 22-24 एवं अवार्ड सेरेमनी का आयोजन गोवा के ताज एक्सहोटिका में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जीतो महिला विंग बनाई गई है। यह एक ऐसा मंच है, जहां सभी महिलाएं एक दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हो रही है। उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक मंच विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हुई है। महामंत्री शीतल दुगड़ ने कहा कि इस मंच पर

महिलाओं को जागृत करते हुए, आपस में आत्मीयता और सौहार्द से समाज में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलता है। सभी प्रोजेक्ट कन्वीनर ने एपेक्स द्वारा दिए गए 14 विषयों पर विस्तार से चर्चा की। जिसमें बी टू बी, स्किल एंड डेवलपमेंट, सदस्यता ड्राइव, आर्थिक सुदृढ़ता के साथ महिला सशक्तिकरण पर किए गए कार्य विशेष चर्चित रहे। सभी जोन संयोजिकाओं द्वारा अपने-अपने विंग के कार्य की प्रभावी प्रस्तुति दी गई। महिला विंग मेंटर चित्रा बलदोटा, ललिता गुलेच्छा, सुमन बच्छावत ने सभी को बधाई दी। उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, नीता बुचरा, सहमंत्री संगीता जैन, संगीता लोढ़ा ने अन्य कार्यभार में सहयोग किया। कोषाध्यक्ष जयश्री भंडारी ने मंच संचालन किया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ को आर्थिक सुदृढ़ता एवं शिक्षा के लिए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से उल्लेखनीय अहिंसा रन कार्य हेतु स्मृति चिन्ह दिया गया। महिला विंग बेंगलूरु साउथ सदस्यों के साथ आपसी जुड़ाव एवं कार्यप्रणाली पर चर्चा में रहा। केकेजी जोन कन्वीनर यश्मा जैन द्वारा प्रस्तुत पीपीटी में विशेष बेंगलूरु महिला विंग साउथ के सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट की प्रस्तुति हुई। जिसमें बेंगलूरु साउथ के कार्यक्रमों को उल्लेखित किया गया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के अंतर्गत उड़ान के दो वृहद् आयोजन जोनल तौर पर पद्मश्री खादरवली द्वारा मिलेट सेमिनार, अल्पसंख्यक जागरूकता एवं वक्तृत्व कला प्रशिक्षण के आयोजन का उल्लेख हुआ। नेशनल स्पान्सरशिप संयोजिका एवं साउथ विंग महामंत्री मोनिका पिरगल बिनायकिया को प्रभावशाली कार्य प्रणाली हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जीतो एपेक्स के अध्यक्ष कांतिलाल ओसवाल, सचिव संजय जैन, जीतो महिला विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी एवं उनकी टीम द्वारा बेंगलूरु साउथ महिला विंग के कार्य की सराहना करते हुए अध्यक्ष सुनीता गांधी और महामंत्री मोनिका पिरगल को सम्मानित किया गया। इस सफलता के लिए साउथ चैप्टर दिनेश बोहरा, महामंत्री दीपक जैन, महिला विंग कन्वीनर संजय भंडारी एवं टीम, यूथ विंग अध्यक्ष पिंकेश जैन एवं टीम, सभी पास्ट चेयरपर्सन, विशेष जेएलडब्ल्यू साउथ महिला विंग की पूरी कार्यसमिति, सभी के सदस्य का विशेष सहयोग रहा।

भगवान भक्त से, भक्त भक्ति से और भक्ति विनय से बंधी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थानक में विराजित उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने भक्त, भक्ति और भगवान की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान भक्त से, भक्त भक्ति से और भक्ति विनय से बंधी हुई है। मनुष्य कितने ही नियम का पालन कर ले, सामायिक कर ले स्वाध्याय कर ले लेकिन मन साफ नहीं हुआ, मन में श्रद्धा भाव नहीं तो कुछ नहीं मिलेगा। विनय मानव जीवन का मूल है। इससे ही भगवान की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जो भक्ति करे वह भक्त कहलाता है, जो भक्त को भगवान बना दे उसे भक्ति कहते है और भक्त के भक्ति की परम अनुकाष्ठा को 'भगवान' कहते है। भक्त को भगवान से जोड़ने का मार्ग ही भक्ति है। जो एकमात्र लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित है, पूरी तरह से

समर्पित है, वही सच्चा भक्त है। जीवन में कुछ भी पाना है तो झुकना पड़ेगा। दुनिया में झुकता वही है जिसके अंदर विनय होता है, नम्रता होती है। भाव, भक्ति, तप, आराधना के कितने ही प्रकल्प कर लो, पर जीवन में यदि नमो शब्द नहीं आया तो कोई फल प्राप्त होने वाला नहीं है। ज्ञानियों ने प्रणाम, नमन के तीन लाभ बताये है। पहला हमारे ज्ञान को प्रकाशित करता है, दूसरा हमारे पापों की निर्जरा होती है और तीसरा हमारे जीवन के अंधकार को मिटाता है। इसके पूर्व रूपेशमुनि ने स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। चातुर्मास 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है और उस दिन 24 घंटे का नवकार महामंत्र का अखंड जाप का आयोजन रहेगा। राजाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सीएम, डीसीएम जैसे मंत्रियों को सरकार गिरने की चिंता सता रही

भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए हम सीएम के इस्तीफे तक लड़ेंगे : विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जैसे ही पता चला कि उन्होंने अनुसूचित जाति और जनजाति का पैसा चुराया है, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में गुरुवार को फ्रीडम पार्क के पास विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री के इस्तीफे और वाल्मीकि विकास निगम घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। पैसे का बंदरबांट बड़े लोगों ने किया है। सिद्धरामैया, डीके शिवकुमार और मंत्री चिंतित हैं कि पता नहीं सरकार कब गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि अब उन्हें नींद नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को यह चिंता सता रही है कि हिरासत में नागेंद्र नाम का खुलासा ना कर दें। एक ओर एसईपी, टीएसपी फंड को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। अनुसूचियों के विकास के लिए निर्धारित धनराशि हस्तांतरित कर दी गई है। वाल्मीकि विकास निगम का पैसा लूटा गया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि मैसूरु में हजारों करोड़ के मुडा घोटाले से सिद्धरामैया की पूंजी का खुलासा हुआ है। उन्होंने आपत्ति जताई कि गरीबों को दिए जाने वाले प्लाटों में से 14 प्लाट उनके परिवार को देकर लूट लिए गए। सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद पर बैठने की क्षमता और नैतिकता खो चुके हैं। अनुसूचित जाति और नस्ल का अभिशाप आपको अछूता नहीं छोड़ेगा। भाजपा राजनीति करने नहीं आयी है। हम अपना कर्तव्य निभा रहे हैं।

पुलिस से डरने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि विधानसौधा का घेराव कर ऐसी स्थिति बना देनी चाहिए कि मुख्यमंत्री विधानसौधा छोड़ कर भाग जाएं। यदि मुख्यमंत्री में जरा भी विवेक है तो उन्हें अब तक इस्तीफा दे देना चाहिए था। यह कोई पाखंडी लड़ाई नहीं है। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक भ्रष्ट कांग्रेस सरकार हट नहीं जाती और सीएम इस्तीफा नहीं दे देते तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

दलितों का पैसा हड़पने की ताकत केवल कांग्रेसियों में

क्या आपने दलितों का 25 हजार करोड़ से ज्यादा पैसा लूटा है? उन्होंने सिद्धरामैया से पूछा कि क्या उन्हें शर्म नहीं आती। यह लुटेरों की सरकार है। इसके खिलाफ राष्ट्रीय एसटी आयोग ने भी नोटिस दिया है। सिद्धरामैया अच्छी रणनीति बनाते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वह दलित समुदाय को खुश करने के लिए काम करते हैं। सीधे तौर पर दलितों का पैसा हड़पने की ताकत केवल कांग्रेसियों में है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा में इतनी ताकत नहीं है। सीधे तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया फंस गए हैं। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों के कल्याण पर दलितों के पैसे से पैसा खर्च किया गया। उन्होंने ऐलान किया कि दलित भी बड़ा संघर्ष करेंगे। सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पता चल जाएगा कि सिद्धरामैया कब इस्तीफा देंगे। विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार के नेतृत्व में नारा लगाया गया। उन्होंने लूट के 25,000 करोड़ रुपये वापस दो, विधान सौधा के ठगों पर ध्यान दो, आंखें बंद कर लो जैसे नारे लगाए।

हाथापाई, धक्का-मुक्की के बाद गिरफ्तार

जब नेता और कार्यकर्ता विधान सौधा का घेराव करने पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड लगा दिया। इस मामले में हाथापाई और धक्का-मुक्की भी हुई। बाद में सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं की चीखें ओह अन्याय, मुर्दाबाद' कहते हुए सुनाई दे रही थीं। कुछ कार्यकर्ताओं ने उस बस के ऊपर अवज्ञा के नारे लगाए जो उन्हें ले जाने के लिए तैयार थी। इस अवसर पर पूर्व डीसीएम और सांसद गोविंद करजोला, पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व बीबीएमपी सदस्य, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने कहा कि झूठे वादों के जरिए सत्ता में आई सिद्धरामैया की सरकार घोटालों की सरकार बन गई है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार पूर्व में देश को लूटने वाली कांग्रेस सरकार की तरह ही काम कर रही है। सिद्धरामैया अलीबाबा हैं। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी घोटालों की जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक सीएम सत्ता से हट नहीं जाते। सिद्धरामैया को कुर्सी से नहीं चिपके रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्तीफे की घो-षणा विधानसभा में ही की जानी चाहिए। विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने कई जनहितैषी कार्यक्रम दिये हैं। प्रलोभन के फर्जी आश्वासन देकर सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी आज दलितों के पैसों का बंदरबांट कर रही है। बजट में 56 हजार करोड़ गारंटी के लिए रखे जाने की बात कहने वाले कांग्रेसियों ने दलितों का पैसा दलितों को नहीं दिया।

किसान का अपमान करने के लिए बेंगलूरु मॉल सात दिन के लिए बंद रहेगा: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि बेंगलूरु के जिस मॉल में किसान का अपमान किया गया और उसे प्रवेश नहीं करने दिया गया, उसे सात दिन के लिए बंद रखा जाएगा। शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बैरती सुरेश ने सदन में यह घोषणा की। मंत्री सुरेश ने कहा सरकार के कानून के अनुसार, किसान को मॉल में प्रवेश न देने के लिए जीटी मॉल सात दिन के लिए बंद रहेगा। भाजपा ने बुधवार को इस मुद्दे को उठाया और संदेश देने के लिए मॉल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सरकार को बिना किसी देरी के कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा कि सरकार घटना की रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा किसी व्यक्ति की गरिमा और स्वाभिमान सबसे महत्वपूर्ण है। इसकी तुलना किसी भी चीज से नहीं की जा सकती। अशोक ने जोर देकर कहा कि रिपोर्ट का इंतजार करने के बजाय तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी ने हस्तक्षेप किया और सरकार से इस मामले में गोलमोल बातें न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे इस घटना के बारे में रिपोर्ट प्राप्त करेंगे। उन्होंने मांग की किसानों के लिए चिंता दिखाने का समय आ गया है। रिपोर्ट का इंतजार करने या समिति बनाने की कोई जरूरत नहीं है। नियम के अनुसार, मॉल का बिजली कनेक्शन सात दिनों के लिए काट दिया जाना चाहिए। मंगलवार की शाम को, हावेरी जिले के 70 वर्षीय किसान फकीरप्पा को उनके बेटे नागराज और पत्नी मल्लम्मा के साथ बेंगलूरु के मगदी रोड स्थित जीटी वर्ल्ड मॉल में प्रवेश करने से मना कर दिया गया। उन्हें उनके पहनावे के कारण प्रवेश नहीं दिया गया, क्योंकि वे धोती पहने हुए थे। इस घटना के बाद विवाद खड़ा हो गया और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मॉल के प्रबंधन ने माफी मांगी और सुरक्षा गार्ड ने भी घटना के लिए माफी मांगी। फकीरप्पा के परिवार ने एक कन्नड़ फिल्म के लिए टिकट बुक किए थे और टिकट होने के बावजूद उनके परिवार को प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा गार्ड ने कहा कि धोती पहने लोगों को मॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

मंत्री ने अवैध रूप से शराब बेचने वालों को दी चेतावनी

सख्त कार्रवाई का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुरा ने चेतावनी दी कि अगर राज्य के किसी भी हिस्से में अवैध शराब पाई गई तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सदस्य अनिलकुमार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई दस्तावेज यह दर्शाता है कि कोई ऐसी जगह पर अवैध रूप से शराब बेच रहा है, तो वे निश्चित रूप से कानूनी कार्रवाई करने से नहीं हिचकिचाएंगे। यह कहकर हवा में तीर न चलायें कि वहाँ क्या होता है, यहाँ क्या होता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि आप विशेष रूप से शिकायत करते हैं, तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई करेंगे। इससे पहले अनिल कुमार ने कहा कि कोलार, चिक्कबल्लापुर समेत कई जगहों पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। इससे युवा भटक गये हैं। उन्होंने सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि अवैध गतिविधियां एवं अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। कोलार में एफडी अधिकारी गोपी 14 साल से एक ही जगह पर काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि उनका तबादला क्यों नहीं किया जा रहा है। जिसके जवाब में उन्होंने कहा इस मामले में हम संबंधित अधिकारियों, मंत्री से जानकारी लेंगे और उन अधिकारियों का तबादला करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विभाग में पारदर्शिता लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधेयक पेश करें या कन्नड़ लोगों के गुस्से का सामना करें: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी कि अगर वह मौजूदा विधानसभा सत्र में स्थानीय लोगों के लिए नौकरी आरक्षण पर विधेयक पेश करने में विफल रही तो उसे कन्नड़ लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के राज्य प्रमुख बी वाई विजयेंद्र ने कहा कन्नड़ लोगों के लिए नौकरियों को आरक्षित करने वाला विधेयक, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों बेरोजगारों के लिए आशा की किरण जगाई थी, जो पात्र हैं लेकिन नौकरी के अवसरों से वंचित हैं, उसे मौजूदा सत्र में ही पेश किया जाना चाहिए, या कन्नड़ लोगों के गुस्से का सामना करने के लिए तैयार रहें। विजेंद्र ने आगे चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री, जो

वर्तमान में आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाले और मुडा घोटाले से हिल गए हैं, ने चर्चा और घोटालों की जांच को भटकाने और जनता को विचलित करने की साजिश के रूप में कन्नड़ लोगों के अनुकूल विधेयक को रोक दिया है, तो राज्य के लोग कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेंगे। विजयेंद्र ने कहा दिल्ली में बैठे बड़े हाथ, जो इंडी गठबंधन में दरार पड़ने से डरते हैं, ने मुख्यमंत्री के हाथ बांध दिए होंगे। अन्यथा, कन्नड़ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने वाले विधेयक को दरकिनार करने का कायरतापूर्ण निर्णय लेना कैसे संभव है? विजयेंद्र ने सवाल किया कि कन्नड़ लोगों को नौकरी देने वाला विधेयक क्यों पेश किया गया? इसे क्यों रोका गया? आप कन्नड़ लोगों के जीवन से क्यों खेलना चाहते हैं? क्या आपने कन्नड़ लोगों का अपमान किया? विजयेंद्र ने सवाल किया कि कर्नाटक के सभी लोगों की ओर से मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कायरतापूर्ण फैसले की निंदा करता हूं, जिसने कन्नड़ लोगों को नौकरी देने वाले विधेयक को अचानक रोककर कन्नड़, कन्नड़ लोगों और कर्नाटक का अपमान किया है। कन्नड़ सीखने वाले और इस भूमि पर रहने वाले सभी लोगों को कन्नड़ मानते हुए सरकार ने इस भूमि के बच्चों के नौकरी के अधिकारों की रक्षा के लिए कन्नड़ कार्यकर्ताओं द्वारा कई दिनों से की जा रही मांग को बरकरार रखने के लिए एक कदम उठाया था।

अचानक इसे वापस क्यों ले लिया

उन्होंने एक दिन के भीतर अचानक इसे वापस क्यों ले लिया? उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा अपने 'एक्स' अकाउंट पर यू-टर्न लेने के बाद, बिल को अभी पेश न करने का कायरता-पूर्ण निर्णय, कर्नाटक विरोधी ताकतों से प्रभावित प्रतीत होता है, जिन्होंने राज्य के स्वाभिमान, कन्नड़ लोगों के गौरव और कन्नड़ पहचान को कमजोर किया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा जिन मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने कुछ समय पहले ही मीडिया में बिल के बारे में गर्व से बात की थी, उन्होंने अब ऐतिहासिक बिल को वापस लेने के बाद कन्नड़ लोगों के सामने बोलने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

रामनाथ राय ने राहुल गांधी के भाषण पर जनता को गुमराह करने के लिए भाजपा की आलोचना की

गरीबों को जमीन देने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री रामनाथ राय ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संसदीय भाषण को लेकर जनता को गुमराह करने और उसका दुरुपयोग करने के लिए भाजपा की आलोचना की। यहां गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा गरीबों को जमीन देने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है और अगर आज गरीबों के पास जमीन है, तो यह कांग्रेस पार्टी की वजह से है। आजकल कांग्रेस पार्टी पर कई झूठे आरोप लग रहे हैं और भाजपा ने लोगों को गुमराह करने और नेहरू परिवार का नाम खराब करने के लिए राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों का दुरुपयोग करने की कोशिश की है। मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने इस देश के लिए अपनी जान दे दी। भाजपा आपातकाल लगाने के लिए इंदिरा गांधी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन आ-पातकाल के दौरान जिले में किसी भी नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचाया गया

और कई विकास कार्यक्रम शुरू किए गए। तीन साल बाद इंदिरा गांधी ने आपातकाल हटा लिया। उन्होंने आगे कहा उस समय आपातकाल की आवश्यकता थी और उस अवधि के दौरान भूमि सुधार लागू किए गए, जिससे कई परिवारों को मदद मिली। जब लोग भूखे और गरीब थे, तो उनके कर्ज माफ कर दिए गए। आपातकाल के दौरान, पूरे देश में बस सुविधाएं विकसित की गईं और लोगों को 5 सेंट की जमीन मिली।

हमारे बुजुर्ग इंदिरा गांधी का उतना ही सम्मान करते थे जितना वे अपनी मां का करते थे, लेकिन फिर भी भाजपा कांग्रेस पार्टी का मजाक उड़ाती है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदू धर्म में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन अब भाजपा के सदस्य विरोध कर रहे हैं। हम उन्हें अपना संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व सांसद श्रीनिवास माल्या ने कड़ी मेहनत की और सभी नेताओं ने दक्षिण कन्नड़ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भविष्य में हम तालुक पंचायत और जिला पंचायत दोनों चुनाव जीतेंगे, जो पिछले दो सालों से नहीं हुए हैं। हम पार्टी को मजबूत करने और अगला चुनाव जीतने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। भाजपा मंत्रियों के इस बयान पर कि कांग्रेस के सदस्य राहुल गांधी की निंदा करने के बारे में चुप हैं, क्योंकि वे पद की उम्मीद कर रहे हैं, रामनाथ राय ने जवाब दिया कि हमने अपनी बात कह दी है। राहुल गांधी ने जो कहा, वह मीडिया में है और जिसने भी उनका भाषण देखा है, वह प्रमाणित कर सकता है कि कोई आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल नहीं किया गया।

हम भाजपा के विश्वगुरु से प्रभावित नहीं

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म या सनातन धर्म में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के विरोध का बचाव क्यों नहीं कर रही है, रामनाथ राय ने कहा हमें उन लोगों की डिग्री की जांच करनी चाहिए जो विरोध कर रहे हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य ने खुद कहा है कि मीडिया सच्चाई का केवल एक पक्ष दिखा रहा है और लोगों को हमेशा सच बोलने की सलाह दी है। हम जगद्गुरु के शब्दों पर भरोसा करते हैं और विश्वास करते हैं, क्योंकि हम भाजपा के विश्वगुरु से प्रभावित नहीं हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य सरकार इसे उड़ता कर्नाटक नहीं बनने देगी : गृह मंत्री

तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधान परिषद में दो-हराया कि राज्य सरकार किसी भी कारण से राज्य को उड़ता कर्नाटक में तब्दील नहीं होने देगी। भाजपा सदस्य डॉ. धनंजय सरजी के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पहले कुछ सदस्यों ने चिंता व्यक्त की थी कि कर्नाटक पंजाब की तरह उत्तर कर्नाटक बन जाएगा। मैं गृह मंत्री के तौर पर जिम्मेदारी के पद पर हूं और यह बात मैं स्पष्ट रूप से कह रहा हूं। किसी भी हालत में कर्नाटक को पंजाब नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने सदन को बताया कि इसके लिए हर तरह के उपाय किये जायेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने नशा मुक्त कर्नाटक बनाने की घोषणा की है और हम इसे किसी भी कारण से उड़ता कर्नाटक नहीं बनने देंगे। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि क्या यह देखा गया है कि राज्य में कॉलेज के छात्र नशे की लत के शिकार हो रहे हैं, कितने मामले दर्ज किये गये हैं और कितने मामलों में सजा हुई है।

जिसके बाद उन्होंने कहा छात्रों को ड्रग्स सप्लाई करने वाले तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। हमने स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को नशीली दवाओं के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए हैं। पिछले साल 2023 में 2409 स्कूलों और कॉलेजों में 3.95 लाख छात्रों के लिए जागरूकता पैदा की गई थी। इस साल जून में हमने 3,600 स्कूलों और कॉलेजों में 5.50 लाख छात्रों को जागरूक किया।

हमारा उद्देश्य है कि किसी भी कारण से छात्रों के हाथ में नशा न पहुंचे। गृह मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया गया है ताकि अगर उन्हें जागरूक किया जाए तो वे नशा करने से झिझकेंगे।

2022 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 6406 मामले दर्ज किए गए और 6164 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट में 3881 मामले लंबित हैं, जिनमें से 2365 लोगों को दोषी ठहराया जा चुका है। 2023 में 6764 मामलों में से 2280 गिरफ्तारियां हुईं। 4187 मामले अदालत में लंबित हैं और 2280 अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया है। इस साल 10 जुलाई तक 1791 मामलों में 1179 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 884 मामले विच-ाराधीन हैं और 189 आरोपियों को दोषी ठहराया गया है। राज्य में 150 करोड़ के बहुमूल्य औषधियों को नष्ट कर दिया है। 10 टन गांजा, 250 किलो सिंथेटिक ड्रग्स जला दिए गए। नशे की लत से युवा परेशान हो रहे हैं। इसलिए नशे के खिलाफ लगातार लड़ाई छेड़ी जा रही है। वे छात्र वीजा पर विदेश से आ रहे हैं और व्यापार में लग रहे हैं। 150 विदेशियों की पहचान की गई, उन्हें गिरफ्तार किया गया और वापस भेज दिया गया। विदेशी युवाओं पर कड़ी निगरानी रखी जाती है।

मामले दर्ज कर कार्रवाई की जा रही

सीआईडी नारकोटिक्स डिवीजन को मजबूत करने के लिए एडीजीपी और आईजीपी एचडीयू बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 43 एसईएन (साइबर, नारकोटिक और इकोनॉमिक ईएनएस) स्थापित किये गये हैं और अलग-अलग मामले दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। विदेश से आने वाले पार्सल पर नजर रखी जाती है। ड्रग्स के बारे में लोगों को जानकारी मुहैया कराने के लिए एप्स मोबाइल एप्लिकेशन लाया गया है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से पुलिस को सूचना दी जायेगी तो त्वरित कार्रवाई की जायेगी। सदस्य डॉ. धनंजय सरजी ने कहा ड्रग्स डार्क क्लबों के जरिए आ रहा है। इस पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि कॉलेज छात्रों के ड्रग्स लेने और नशे में इधर-उधर भागने के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि अब तक हजारों मामले दर्ज किये गये हैं और कड़ी कार्रवाई की गयी है।

मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए नीट-पीजी परीक्षा को एक महीने के लिए करें रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा सदस्य इवान डिसूजा ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि यदि प्रश्न पत्र लीक होने के कारण छात्रों के बीच भ्रम की स्थिति है तो मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए नीट-पीजी परीक्षा को कम से कम एक महीने के लिए स्थगित कर दिया जाए। उन्होंने बीच में ही यह मामला उठाया और कहा कि ऐसा देखा गया है कि इस बार नीट परीक्षा में भारी अनियमितता हुई है। कई लोगों के शामिल होने के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इसलिए उन्होंने राज्य सरकार से इसे राज्य में कम से कम एक महीने के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया। नीट परीक्षा में गड़बड़ी से ग्रामीण सेवा के डॉक्टर परेशान हैं। वे परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। नीट-पीजी परीक्षाएं 11 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि ग्रामीण चिकित्सकों को कम से कम 30 दिन की छूट दी जाए।

हाथी के हमले में घायल व्यक्ति की मौत

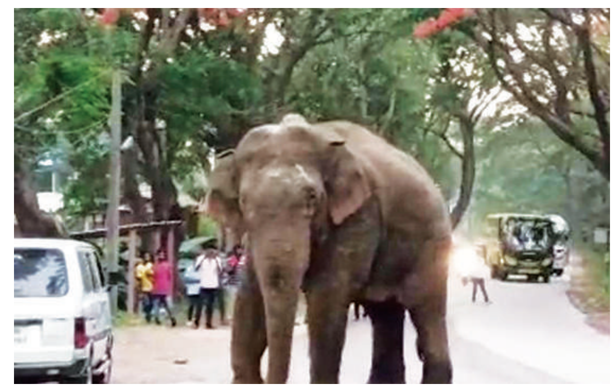

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले महीने हाथी के हमले में घायल हुए 62 वर्षीय किसान ने गुरुवार को बेंगलूरु के एक अस्प-ताल में दम तोड़ दिया।

दिवाकर शेट्टी पर 13 जून को कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर तालुक के वटेहल्ली में उनके खेत पर हाथी ने हमला किया था। हासन में प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए बेंगलूरु के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। हासन जिले के सकलेशपुर और अलूर तालुक पश्चिमी घाट का हिस्सा हैं जो जंगली हाथियों का घर है। पिछले 10 वर्षों में जिले में हाथियों के हमलों में 90 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी एवं गुरुवर्या श्री प्रिय स्वर्णजना श्री जी की पावन प्रेरणा से देवनहल्ली के विजयपुरा में स्थित पद्मावती प्राणिधाय गौशाला में जंगम युगप्रधान दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी की 870वीं स्वर्गारोहण पुण्य तिथि निमित्त गायों को हरी घास (चारा) खिलाया। परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने जीवदया प्रेमियों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। परिषद के मंत्री विकाश खटोड़ ने बताया जीवदया कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था प्रमोद गुलेच्छा एवं गिरीश राखेचा ने संभाली। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) द्वारा पैलेस मैदान में आयोजित तीन दिवसीय व्यापार मेले में ऑल कर्नाटक ट्रेडर्स एसोसिएशन के कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक को इनर स्टोरी 2024 के ट्रेड फेयर में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, शैंकी जैन, मनीष जैन, जितेंद्र जैन, सनी जैन, मूल सिंह राजपुरोहित और संजय जैन सहित अन्य उपस्थित थे।

सिंघी को किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिध्दारुढ़ मठ ट्रस्ट कमेटी द्वारा आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन समाजसेवी महेन्द्र सिंघी को सम्मानित किया।

सिंघी ने ट्रस्ट कमेटी के अपने कार्यकाल में अनेक कार्यो को किया। जिसमे हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन का नाम श्री सिध्दारुढ़ स्वामीजी रेलवे स्टेशन करवाने और सिध्दारुढ़ स्वामीजी का विशेष पोस्टल कवर बनाना आदि शामिल है। इस दौरान मठ ट्रस्ट के बसवराज कल्याण शेट्टर, बालू मग्जिकोंडी, श्यामनांद पुजेरी सहित अन्य उपस्थित थे।

सरकार गिराने की हो रही कोशिश

सरकार कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति घोटाले में गिरफ्तार लोगों पर सरकारी नेताओं के नाम उजागर करने का दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है और कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश कर रहा है। हम इससे नहीं डरते हैं। सरकार कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियंका खड़गे, श्रम मंत्री संतोष लाड, विधायक एएस पोन्नाना ने विधान सौधा हॉल में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने ईडी जांच के खिलाफ आक्रोश जताया और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को उखाड़ने की कोशिश की जा रही है। कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय हिरासत में लिए गए लोगों पर दबाव डाल रहा है और कहा जा रहा है कि अगर आप उन्हें सरकारी नेताओं के नाम बताएंगे तो हम आपकी रक्षा करेंगे। अन्यथा वे प्रवर्तन निदेशालय की ताकत दिखाने की धमकी दे रहे हैं। पिछले दस सालों से प्रवर्तन निदेशालय विपक्षी दलों पर निशाना साध रहा है। इससे पहले यूपीए सरकार के दौरान विपक्षी दलों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया गया था। 52 फीसदी मामले थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए और उसके सहयोगियों ने 47 प्रतिशत मामले दर्ज किए हैं। पिछले दस साल से देश की सत्ता पर काबिज भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में 95 फीसदी मामले विपक्षी दलों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा

और उसके सहयोगियों के खिलाफ सिर्फ 5 फीसदी केस दर्ज हुए हैं। टांडा विकास निगम, देवराजू अरासु ट्रक टर्मिनल समेत राज्य में कई घोटाले पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए। उन्होंने सवाल किया कि प्रवर्तन निदेशालय इसकी जांच क्यों नहीं कर रहा है। प्रियांक खड़गे ने कहा कि जब भी लोकतंत्र को झटका लगता है तो केंद्र सरकार राज्यों की भाजपा इकाइयों की मदद के लिए आगे आती है। प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर एजेंसियों का इस्तेमाल सरकारों को गैर-भाजपा सरकारों की ओर झुकाने के लिए किया गया है। 2019 में महाराष्ट्र, गोवा, मिजोरम, नागालैंड, असम समेत कई राज्यों में अलग-अलग मौकों पर सरकारें गिरीं, जिनमें राज्य की कांग्रेस सरकार भी शामिल है। आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत कई जगहों पर प्रयास किए गए हैं। जो लोग विपक्षी दलों में थे, उन पर हमला किया जा रहा है और उन्हें भाजपा की ओर खींचा जा रहा है और फिर उन्हें क्लीन शीट दे दी गई है। इस तरह 444 विधायक तैयार हो गए हैं। 60 से अधिक मामलों में 3,000 से अधिक हमले हुए हैं। 121 राजनीतिक नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से 115 कांग्रेस और विपक्षी नेता हैं। दिनेश गुंडूराव ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी ताकत का दुरुपयोग कर कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। घोटाले की जानकारी सामने आते ही हमारी सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच करायी। इसी बीच ईडी ने अचानक हस्तक्षेप किया और नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय अब केंद्रीय जांच एजेंसी नहीं रही। ये भाजपा की राज्य इकाई है। के.जे. जॉर्ज ने कहा कांग्रेसी ब्रिटिश बंदूक से नहीं डरते। उन्होंने आर-ोप लगाया कि केंद्र सरकार के आदेश पर राज्य में वाल्मीकि घोटाले में ईडी जांच शुरू हुई। संतोष लाड ने कहा कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट में कई भ्रष्टाचार सामने आये हैं। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपये का इलेक्ट्रोल घोटाला, लाभार्थियों को ऑनलाइन कैश ट्रांसफर घोटाला सहित कई उदाहरण हैं, लेकिन कोई भी छापेमारी नहीं हुई।

भूस्खलन त्रासदी मामला, दो और शव मिले

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कारवार के अंकोला तालुक में शिरूरू के पास मेंगलूरु-गोवा राजमार्ग पर अचानक भूस्खलन से गंगावली नदी में बह गए लोगों में से अंकिता (5) और टैंकर चालक मुरुगन के शव गुरुवार सुबह पाए गए।

फायर ब्रिगेड को टैंकर चालक मुरुगन और अंकिता के शव गोकर्ण सागर के तट पर तैरते हुए मिले। उस घटना के संबंध में अब तक छह शव पाए गए हैं। इस हिस्से में पिछले एक हफ्ते से भारी बारिश हो रही है और शिरूरू का लक्ष्मण नाइक परिवार चाय की दुकान और होटल चलाकर अपना गुजारा कर रहा था। मंगलवार की

सुबह जब पहाड़ी की मिट्टी अचानक ढह गयी तो इस इलाके के लोग अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग गये, देखते ही देखते लक्ष्मणनायक के घर और होटल पर मिट्टी गिर गयी। जिसके बाद टैंकर रोककर चाय पी रहे ड्राइवर और लक्ष्मणनायक के परिवार के पांच सदस्य लापता थे। बाद में जब एसडीआरएफ फायर ब्रिगेड और पुलिस ने खोजबीन की तो गोकर्ण समुद्र पुल के पास एक ही परिवार के चार शव मिले थे। गुरुवार को भी जेसीबी के जरिए हाईवे पर गिरी मिट्टी को साफ करने का काम जारी रहा और इस मार्ग पर यातायात को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

जिला प्रशासन ने टैंकर से गैस कैसे खाली की जाए, इसके लिए विशेषज्ञों की सलाह ली है। इस हिस्से में अचानक मिट्टी ढहने का कारण जानने के लिए भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण के विशेषज्ञों की एक टीम ने यहां का दौरा कर निरीक्षण किया। उस दिन भूस्खलन के कारण अचानक आए पानी के बहाव में गांव के चार घर बिना किसी निशान के बह गए। साथ ही पांच-छह घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी के लिए रेड अलर्ट घोषित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार तक दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी के जुड़वां जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तदनुसार रेड अलर्ट घोषित किया गया है।

बुधवार को भी दोनों जिलों में भारी बारिश जारी रही। आईएमडी ने पूर्वानुमान लगाया है कि अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश जारी रहेगी।

जिले में व्यापक भारी बारिश के कारण गुरुवार को डीके जिले के पुत्तूर, बंटवाल, बेल्टंगडी, सुलिया और कडाबा तालुकों में सभी आंगनवाड़ियों, सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी प्राथमिक, उच्च विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई थी।

मेंगलूरु, उल्लाल, मूडबिद्री और मुल्की क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों में कोई छुट्टी नहीं है। इसके अलावा, लगातार बारिश की संभावना के कारण बिंदूर और हेबरी तालुकों के तहसीलदारों ने गुरुवार को आंगनवाड़ी, प्राथमिक विद्यालय, हाई स्कूल और पीयू कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित कर दिया था।

हासन जिले में हेमावती बांध से कभी भी छोड़ा जा सकता है पानी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन तालुक के गोरुरु में हेमावती जलाशय के शिखर द्वार कभी भी खोले जा सकते हैं, ताकि पानी का प्रवाह बढ़ने के बाद अतिरिक्त पानी छोड़ा जा सके। गुरुवार को हेमावती परियोजना के अधीक्षक अभियंता जी.के. ज्योति ने जलाशय के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से कहा कि वे किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। गुरुवार सुबह तक जलाशय में पानी का स्तर 2912.55 फीट था, जो इसकी क्षमता 2922 फीट से 9.45 फीट कम है, जबकि प्रवाह 30,547 क्यूसेक था। जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है, और प्रवाह बढ़ सकता है। अधिकारी ने चेतावनी दी कि बांध से अतिरिक्त पानी कभी भी छोड़ा जा सकता है। प्रवाह को देखते हुए, नदी के रास्ते के करीब रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए।

रोटरी क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रोटरी क्लब बन्नूर के तत्व-ावधान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2024-25 के लिए नई कमेटी का गठन करते हुए अध्यक्ष पद पर वेंकटेश, सचिव सी.राजू तथा कोषाध्यक्ष शिवन्ना को जिला गवर्नर विक्रम दत्त ने पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई। इससे पूर्व दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की गई। वन्या कंवर व विराट सिंह राजप-ुरोहित ने स्तुति की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि रवि शंकर दाखुजी

रहे। अथिति के तौर पर विधान परिषद सदस्य के. विवेकानंद उपस्थित रहे। समारोह में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित को पब्लिक इमेज पदवी देकर सम्मानित किया गया। बाद में समाजसेवी राजपुरोहित ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिए। राजपुरोहित ने गामहल्ली स्थित कामधेनु गौशाला में संरक्षित गायों के पानी की समस्या दूर करते हुए नलकूप सुचारु हेतु नया पम्प सेट भेंट किया। इस मौके पर विवेकानंद शिक्षण संस्थान, बन्नूर के संस्थापक धर्मदर्शी प्रकाश, योगेंद्र, बीएन.सुरेश, हनुमंते गौड़ा, शिवकुमार स्वामी, माणीकचंद, कृष्ण गौड़ा, प्रसन्न, मुरली गोपाल, रामचंद्र, केम्पे गौड़ा, शिक्षक समूह व बड़ी संख्या में विधार्थी उपस्थित रहे।

संसद में व्यवधान राजनीतिक हथियार : धनखड़

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्रकारिता को पक्षपात से बचने और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि संसद में व्यवधान राजनीतिक हथियार बन गए हैं।

श्री धनखड़ ने संसद भवन में छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत करते हुए कहा कि मीडिया ऐसी घटनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिनका प्रभाव सीमित है। उन्होंने असंगत प्रचार पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह दीर्घकाल को प्रभावित करती हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सभा में लोकतांत्रिक आदर्शों का सम्मान किया जाता था और व्यवधानों को अनदेखा किया जाता था। उन्होंने संसदीय कार्यवाही में व्यवधान की बढ़ती

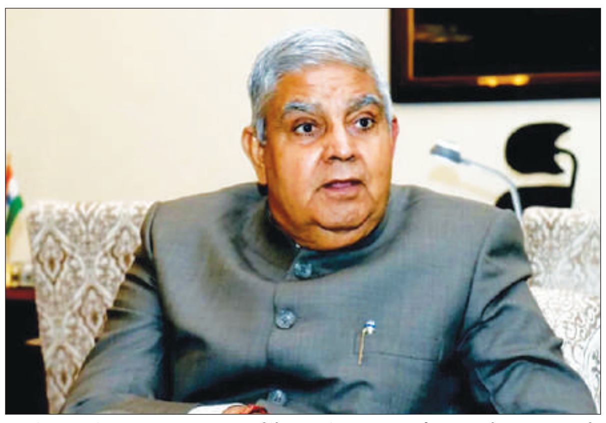

प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, संविधान सभा लोकतंत्र का मंदिर थी, जहां हर सत्र ने बिना किसी व्यवधान या गड़बड़ी के हमारे राष्ट्रवाद की नींव रखने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि व्यवधान और बाधा दुर्भाग्य से अपवाद के बजाय राजनीतिक उपकरण बन गए हैं।

श्री धनखड़ ने मीडिया से संसदीय कार्यवाही को कवर करने में अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब व्यवधान सुर्खियां बन जाते हैं और व्यवधान पैदा करने वालों को नायक के रूप में सम्मानित किया जाता है, तो पत्रकारिता लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के अपने कर्तव्य में विफल हो जाती है।

उन्होंने मीडिया से आत्मचिंतन का आह्वान किया और देश के विकास पर ध्यान देने की अपील की। मीडिया के व्यावसायीकरण और प्रभावित समाचारों पर दुख जताते हुए उन्होंने लोकतत्र को बनाए रखने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। श्री धनखड़ ने मीडिया से पक्षपातपूर्ण विचारों से ऊपर उठने और राजनीतिक एजेंडों या राष्ट्रीय हितों के खिलाफ ताकतों के साथ जुड़ने से बचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह आत्ममंथन का समय है। मैं मीडिया से पूरी विनम्रता और ईमानदारी से विकास में भागीदार बनने की अपील करता हूं। वे अच्छे कार्यों को उजागर करके और गलत स्थितियों और कमियों की आलोचना करके ऐसा कर सकते हैं।

मुंबई में भारी बारिश, लोगों ने की जलभराव की शिकायत

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

मुंबई में गुरुवार तड़के से जारी भारी बारिश के कारण शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया। स्थानीय लोगों ने गांधी मार्केट, दादर, हिंदमाता, परेल, अंधेरी सबवे और सायन जैसे निचले इलाकों में जलभराव की शिकायत की, जिससे यातायात धीमा पड़ गया। हालांकि, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रवक्ता ने कहा कि जलभराव की कोई सूचना नहीं है। पश्चिमी रेलवे और मध्य रेलवे ने कहा कि लोकल ट्रेन का संचालन सामान्य रूप से हो रहा है। लेकिन कुछ यात्रियों ने दावा किया कि मध्य रेलवे की ट्रेन सेवाएं 10 से 15 मिनट की देरी से चल रही हैं। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) के एक प्रवक्ता ने बताया कि बारिश के कारण शहर और उपनगरों में कहीं भी बस मार्ग में परिवर्तन नहीं किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई में मध्यम से भारी

बारिश होने का अनुमान जताया है। उन्होंने बताया कि अरब सागर में सुबह 10.03 बजे 3.78 मीटर और रात 9.35 बजे 3.23 मीटर ऊंची लहरें उठेंगी।

एक उपयोगकर्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, दादर स्टेशन, परेल, हिंदमाता में इस समय पानी भरा हुआ है। कृपया संभलकर यात्रा करें। पूर्व से पश्चिम (दादर, प्रभादेवी, लोअर परेल) मार्ग पर सभी पुल पर जाम लगा हुआ है। बोरीवली या ठाणे से मुंबई की यात्रा करने वाले लोग कृपया ध्यान रखें। पिछले दो-तीन दिन हल्की बारिश के बाद बुधवार शाम से बारिश तेज हो गई और उपनगरों की तुलना में मुंबई में अधिक पानी बरसा। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार सुबह आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में द्वीपीय शहर में औसतन 83 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि पूर्वी भागों में 45 मिलीमीटर और पश्चिमी क्षेत्रों में 39 मिलीमीटर पानी बरसा। आईएमडी ने गुरुवार सुबह आठ बजे से अगले 24 घंटे के लिए पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा, मुंबई और उपनगरों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

रूस की सेना पहन रही बिहार में बने सेफ्टी शूज

हाजीपुर के कारखाने में 70 फीसदी महिला कर्मचारी करती हैं तैयार

हाजीपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में बीते 10 सालों से जूते की एक ऐसी कंपनी काम कर रही है जिससे निर्मित ज्यादातर जूते रूस और यूरोपीय देश में बेचे जाते हैं। इनमें सबसे ज्यादा जूते की सप्लाई रूस की सेना को की जाती है, जिसमें सेफ्टी जूते शामिल हैं।

साल 2018 में जूते की इस कंपनी का रूसी आर्मी के साथ कॉन्ट्रैक्ट हुआ था। यह कंपनी अब भारत के बाजार में

भी सेफ्टी शूज उतारने की तैयारी में है। इस कंपनी में काम करने वाले 300 कर्मचारियों में से 70 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं।

कंपनी के मैनेजर मोहम्मद मजहर ने बताया कि हम सेफ्टी जूते बनाते हैं, जिन्हें रूस में निर्यात किया जाता है। 2018 में यह कंपनी शुरू की गई थी, कंपनी का उद्देश्य रोजगार पैदा करना था और यहां सेफ्टी जूते बनाए जा रहे थे। बाद में कंपनी का कांटेक्ट रूस से हुआ और रूस में कंपनी के जूते निर्यात किए जाने लगे। कई यूरोपीय देशों में भी जूते की सप्लाई होने की बात सामने आई है। जूते बहुत खास हैं बेहद हल्के होते हैं, जो फिसलन से बचाते हैं। - 40 डिग्री सेल्सियस जैसे ठंडे मौसम का सामना भी इन जूतों को पहनकर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कंपनी में 70 फीसदी महिलाएं काम करती हैं। कंपनी में जो नई बहाली भी की जा रही है उसमें भी ज्यादातर महिलाओं को तरजीह दी जा रही है। यहां काम करने वाली ज्यादातर महिलाएं वैशाली और आसपास के इलाकों से आती हैं। मजहर बताते हैं कि ये जूते बहुत ही हल्के होते हैं। रूस की आर्मी को जो जूते सप्लाई किए जाते हैं वह सेफ्टी शूज बूट हैं। इन्हें एक खास मटेरियल से बनाया जाता है, इसकी खासियत यह है कि ये स्लिप नहीं करता है। इससे पहाड़ों पर और जंगलों में आर्मी को काफी सुविधा होती है। यही कारण है कि लगातार यूरोपियन देशों में भी जूते की डिमांड बढ़ती जा रही है।

पीएम मोदी के लिए विपक्ष जिस तरह के शब्दों का प्रयोग कर रहा है, वह बहुत ही चिंताजनक : वैष्णव

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विपक्ष द्वारा प्रयोग किए जा रहे हिंसा और हत्या जैसे शब्दों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह बहुत ही चिंताजनक है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्षी नेताओं को राजनीतिक गरिमा को बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को अपने शब्दों और अपनी कथनी में संजीदापन और संयम रखना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में शब्दों का चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आज विपक्ष जिस तरह के शब्दों का चयन प्रधानमंत्री मोदी के लिए कर रहा है, वह बहुत ही चिंताजनक है।

वैष्णव ने एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी द्वारा लिखे गए लेख का हवाला देते हुए कहा कि हिंसा और हत्या जैसे शब्दों का प्रयोग करने का सीधा प्रभाव समाज पर पड़ता है। इससे समाज

में एक तरह का अनावश्यक तनाव पैदा होता है, जो हिंसा के व्यवहार को उत्साहित करता है। उन्होंने विपक्ष को कड़े शब्दों में नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें इस तरह के शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, राजनीतिक गरिमा को बनाए रखना चाहिए, अपने शब्दों और अपनी कथनी में भी संजीदापन और संयम रखना चाहिए।

इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस के बयानों की आलोचना की थी। त्रिवेदी ने हाल ही में अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जान-लेवा हमले का जिक्र करते हुए यह आरोप लगाया था कि भारत में कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाने वाली भाषा का प्रयोग कर देश में ऐसा ही माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने वर्ष 2007 में सोनिया गांधी द्वारा गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सबसे पहले मौत का सौदागर जैसे शब्द को इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए यहां तक कहा कि भाजपा ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक के लिए भी कभी मौत जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया था।

रील बनाते हुए खाई में गिरी इन्फ्लुएंसर अन्वी कामदार, दर्दनाक मौत

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में झील पर रील बनाते समय महिला ट्रैवल इन्फ्लुएंसर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की दुखद मौत हो गई। अन्वी कामदार (27) अपने दोस्तों के साथ मानगांव तालुका के कुम्भे जलप्रपात में घूमने गई थीं। इसी दौरान वह हादसे का शिकार हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार, सीए अन्वी

17 जून को झरने के नजदीक एक छोटे से शंकु के पास सेल्फी ले रही थीं। इसके बाद वह अपने मोबाइल फोन से रील बनाने लगीं।

इसी बीच, पहाड़ पर उसका पैर फिसल गया और वह सीधे 350 फीट गहरी खाई में जा गिरीं। अन्वी के साथ मौजूद उसके साथियों ने इस घटना की सूचना तुरंत मानगांव थाने को दी। हादसे की सूचना मिलते ही वन्य जीव संरक्षण समिति और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वे कुछ ही मिनटों में अन्वी तक पहुंच गए। बुरी तरह से जख्मी अन्वी की सांसें चल रही थीं। इसके बाद उन्हें तत्काल रस्सी की मदद से ऊपर ले जाया गया और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अन्वी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और रील पोस्ट करती रहती थीं। उनके फेसबुक और अन्य सोशल प्लेटफॉर्म पर लाखों फॉलोअर्स भी हैं।

सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है : भागवत

गुमला (झारखंड) 18 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि मानव जाति का विकास एक अनवरत प्रक्रिया है और इसकी महत्वाकांक्षा का कोई अंत नहीं है। इसलिए मानव कल्याण के लिए लगे लोगों को किसी भी उपलब्धि से संतुष्ट हुए बिना लगातार काम करते रहना चाहिए।

श्री भागवत ने झारखंड के गुमला जिले के विकास भारती बिशुनपुर में ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद पूरी दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रोडमैप है। देश की बेहतरी के लिए बहुत से लोग मिलकर काम कर रहे हैं। श्री भागवत ने कहा कि लोगों को मानव जाति के कल्याण के लिए अथक प्रयास करना चाहिए। विकास और मानव महत्वाकांक्षा की खोज का कोई अंत नहीं है। उन्होंने कहा कि आत्म-विकास के लिए एक व्यक्ति सुपरमैन, फिर देवता और भगवान बनना चाहता है और विश्वरूप की आकांक्षा रखता है, लेकिन कोई भी जानता कि आगे क्या है?

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग इंसान होते हुए भी मानवीय गुणों से रहित हैं। उन्हें पहले इसे अपने अंदर विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा

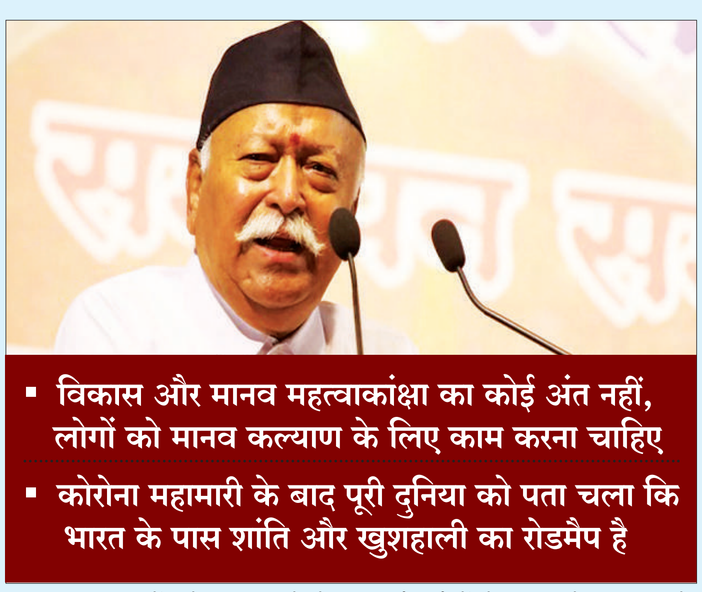

कि मानवीय गुणों को प्राप्त करने के बाद, मनुष्य अलौकिक शक्तियों के साथ सुपरमैन बनने और फिर देवता और भगवान का दर्जा प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है। फिर वह परम शक्ति का सर्वव्यापी रूप चाहता है। इसके आगे क्या है, कोई भी नहीं जानता।

सर संघचालक ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद पूरी दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति एवं खुशहाली का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है। देश की बेहतरी के लिए बहुत से लोग मिलकर काम कर रहे हैं। इसलिए उन्हें देश के भविष्य की फिक्र नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का अनुरोध किया।

श्री भागवत ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे देश के कल्याण के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा, पिछले दो हज़ार वर्षों में कई प्रयोग किए गए, लेकिन वे भारत की पारंपरिक जीवन शैली में निहित खुशी और शांति प्रदान करने में विफल रहे। कोरोना के बाद दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रोडमैप है।

उन्होंने कहा कि उन्हें देश के भविष्य की कभी चिंता नहीं रही, क्योंकि कई लोग मिलकर इसकी बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं, जिसका नतीजा सामने आना तय है। उन्होंने कहा, देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, अच्छी चीजें होनी चाहिए, सभी इसके लिए काम कर रहे हैं, हम भी प्रयास कर रहे हैं।

संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि आदिवासी पिछड़े हुए हैं और उनके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जंगल के इलाकों में जहां आदिवासी पारंपरिक रूप से रहते हैं, वहां के लोग शांत और सरल स्वभाव के होते हैं, जो बड़े शहरों में नहीं मिलते। यहां मैं ग्रामीणों पर आंख मूंदकर भरोसा कर सकता हूं, लेकिन शहरों में हमें सावधान रहना होगा कि हम किससे बात कर रहे हैं।

श्री भागवत ने कहा कि भारत के लोगों का अपना अलग स्वभाव है। कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के देश के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहां पूजा की अलग-अलग शैलियां हैं। हमारे यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं और यहां 3,800 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। यहां तक कि खान-पान की आदतें भी अलग-अलग हैं। इतने सारे अंतर के बावजूद हमारा मन एक है और यह दूसरे देशों में नहीं पाया जा सकता। उन्होंने कहा कि आजकल तथाकथित प्रगतिशील लोग समाज को कुछ देने में विश्वास करते हैं, जो भारतीय संस्कृति में निहित है। उन्होंने कहा, शास्त्रों में ऐसा कहीं नहीं लिखा है, लेकिन पीढ़ी दर पीढ़ी यह हमारे स्वभाव में है। उन्होंने गांव के कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का भी आग्रह किया।

सर संघचालक ने कहा कि जिस तरह से मनुष्य आज जीवन जी रहा है, वह प्रकृति के अनुकूल नहीं है। जल्द ही अगर हम प्रकृति का दोहन करना बंद नहीं करते तो इसका मनुष्य जाति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सृष्टि के संपूर्ण जीव-जाति से अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमें प्रकृति से पोषण पाने के लिए प्रकृति को भी पोषित करना होगा।

इस मौके पर विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से संस्था लगातार लोगों के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। 10 करोड़ पेड़ लगाए गए। सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को मिले, इस दिशा में भी कार्यकर्ता लगातार काम कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, समीर उरांव, अरुण उरांव, प्रवीण सिंह, किरणमाला, शिव शंकर उरांव, विनय लाल. संजय कुमार, रंजन चौधरी, आशा लकड़ा सहित काफी संख्या में संघ के अतिथि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद श्री भागवत और अन्य अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया।

हिंदू समाज को अल्पसंख्यक बनाने की साजिश कर रही हेमंत सरकार : दीपक प्रकाश

रांची,18 जुलाई (एजेंसियां)।

झारखंड में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने गुरुवार को राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री प्रकाश आज मांडू विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम एवं विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा परिवार की नही बल्कि सभी वर्गों की पार्टी है।भाजपा का स्वरूप सर्व स्पर्शी और सर्व व्यापी है। यह पार्टी जन की पार्टी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही आज तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि अभी विश्राम नही लेना है। एक लक्ष्य पूरा हुआ है दूसरा अभी बाकी है। कहा कि केंद्र में मजबूत सरकार बनाने के बाद अब झारखंड के ठगबंधन सरकार को भी उखाड़ फेंकना है।

श्री प्रकाश ने कहा कि हेमंत सरकार ने न केवल विकास को बाधित किया बल्कि राज्य की खनिज संपदा,जल जंगल,जमीन को लूटने और लुटवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।उन्होंने कहा कि अभी बेल पर छूटे है लेकिन भ्रष्टाचार की कोई शिकन तक नही। आदिवासी मुख्यमंत्री को हटाने में देर नहीं की। उन्होंने कहा कि ठगबंधन सरकार ने आदिवासी,दलित , पिछड़े,युवा महिला किसान मजदूर सभी वर्ग को धोखा दिया।युवा आज नौकरी केलिए दर दर भटक रहा। किसान अपने बकाए केलिए तरस रहा।बहन बेटियां घरों में सुरक्षित नही। ऐसे हालात में यह सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों का संरक्षण कर रही। राज्य में पाकिस्तान जिंदाबाद,फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारा लगाने वाले निर्भीक हैं।कहा कि राज्य की डेमोग्राफी बदल रही।आदिवासी हिंदू समाज को अल्पसंख्यक बनाने,वजूद खत्म करने की साजिश कर रही हेमंत सरकार। उन्होंने कहा कि ऐसी भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद ही हम चैन की सांस लेने का संकल्प लें।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ अभियान 2024

हरे-भरे होंगे एक्सप्रेस-वे, लगेंगे 3 लाख पेड़

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बीते वर्षों की तरह इस साल भी पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ अभियान के अंतर्गत 36 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जाएंगे।

वहीं इसी क्रम में प्रदेश के एक्सप्रेस-वे को भी हरा-भरा करने की कवायद शुरू हो गई है। योगी सरकार प्रदेश के चार एक्सप्रेस-वे पर दो लाख से अधिक वृक्षों के पौधे लगाएगी। इसके अलावा यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में भी एक लाख पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए यूपी एक्सप्रेस-वेज़ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने पहल शुरू कर दी है। इसके अलावा निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे भी बड़े स्तर पर पौधरोपण की तैयारी है।

यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार गंगा एक्सप्रेस-वे के कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच दोनों तरफ 500 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण एवं उनके 10 वर्षीय देख-रेख करने के लिए विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश वन विभाग को 36 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ अभियान 2024 के अंतर्गत यूपीडा की ओर से संचालित चार अन्य एक्सप्रेस-वे पर भी 2 लाख 37 हजार से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। इनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर 15 हजार, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 1 लाख 6 हजार, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर 25 हजार, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर 91 हजार 600 पौधे रोपे जाएंगे। इसके साथ ही यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में 1 लाख पौधे रोपे जाएंगे। इनमें पीपल, पाकड़, बरगद, गूलर और नीम के 66 हजार 700 पौधे रोपे जाएंगे इसके अलावा बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों के पौधे भी रोपे जाएंगे।

वहीं यूपीडा की ओर से गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना के अंतर्गत गंगा नदी में डॉल्फिन संरक्षण योजना के लिए वन विभाग को 16 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि प्रदान की जा रही है। वहीं पीलीभीत टाइगर रिजर्व के अंतर्गत माला नदी के पुनरुद्धार एवं जैवविविधता के संरक्षण के लिए यूपीडा द्वारा वन विभाग को पांच करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश में 20 जुलाई को पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। योगी सरकार ने सबका साथ और सबके प्रयास की बदौलत इस वर्ष 36.46 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य तय किया है, जिसके सापेक्ष वन विभाग की ओर से 36.50 करोड़ पौधरोपण व उनके संरक्षण की तैयारी की है। प्रदेश के हरित क्षेत्र को 9 से बढ़ाकर 2026-27 तक 15 फीसदी तक ले जाना है।

सामूहिक विवाह योजना में होगा 1 लाख जोड़ों का विवाह

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। हर वर्ग की जरूरतमंद बेटियों के विवाह के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी सामूहिक विवाह योजना को और अधिक पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित किए जाने के लिए समाज कल्याण विभाग ने नियम और प्रक्रियाओं को और अधिक परिभाषित करते हुए एसओपी तैयार की है। इसके अंतर्गत जनपदों में यथासंभव एक स्थान पर 100 से कम जोड़ों के विवाह कराए जाने एवं 100 से अधिक जोड़ों के विवाह होने की स्थिति में जिलाधिकारी की उपस्थिति में आयोजन कराए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। आयोजन के समय पात्र जोड़ों की पुष्टि के लिए अलग से पंजीकरण काउंटर के साथ मंडल के उपनिदेशक एवं निकट जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी भी मौके पर उपस्थित होकर समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे और विभाग को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। विभाग ने निर्धारित बजट के अनुरूप इस वित्तीय वर्ष में 1,06,911 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य तय किया है।

सामूहिक विवाह के लिए चयनित जोड़ों में से 10 प्रतिशत जोड़ों के रैंडम सत्यापन जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व या अन्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जाने के प्राविधान किए गए हैं। जांच प्रक्रिया को पुख्ता किए जाने के लिए जनपद स्तरीय समिति को दायित्व दिया गया है, जिसमें पोर्टल से जेनरेट सत्यापन प्रारूप पर जांच अधिकारी द्वारा आख्या प्रस्तुत की जाएगी। जांच के दौरान मौके पर उपस्थित आस पड़ोस के व्यक्तियों से पूर्व में विवाह न होने की पुष्टि की जाएगी, जिससे किसी भी दशा में अपात्र योजना का लाभ प्राप्त न कर सकें।

जांच प्रक्रिया को मजबूत करने के साथ ही अब संबंधित खंड विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी स्तर से डिजिटल सिग्नेचर से स्वीकृत आवेदन ही सामूहिक विवाह में शामिल हो सकेंगे। आवेदन के दौरान आधार डेमोग्राफिक प्रमाणीकरण के द्वारा वर की 21 वर्ष एवं कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक होने पर ही ऑनलाइन आवेदन की भी व्यवस्था पोर्टल पर की गई है। सामूहिक विवाह समारोह में दांपत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना के लिए कन्या के खाते में 35,000 रुपए सहायता राशि अंतरित की जाती है। वहीं विवाह संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कपड़े, बिछिया, पायल, बर्तन आदि पर 10 हजार रुपए तथा विधवा, परित्यक्ता/ तलाकशुदा के मामले में 5,000 रुपए तक की वैवाहिक सामग्री विवाह के समय ही प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा विवाह की समस्त व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप किए जाने हेतु 6,000 रुपए प्रति जोड़ा व्यय निर्धारित है।

फिर खुलेंगे बंद सिनेमाघर योगी सरकार देगी प्रोत्साहन

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंद सिनेमाघरों के पुनर्संचालन, मल्टीप्लेक्स विहीन जिलों में मल्टीप्लेक्स निर्माण, एकल छविगृह निर्माण के लिए अनुदान योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को राज्य कर विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनता के मनोरंजन के प्रमुख साधनों में सिनेमा की बड़ी भूमिका है। नए दौर में बदलती तकनीक के साथ प्रदेश में एकल स्क्रीन वाले पुराने सिनेमाघर या तो बंद हो गए हैं अथवा उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे सिनेमाघरों के पुनर्जीवन के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन योजना लाई जानी चाहिए। इससे लोगों को मनोरंजन के साधन की सहज उपलब्धता तो होगी ही, निवेश और रोजगार सृजन की दृष्टि से भी यह उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि योजना ऐसी हो जिससे कि बंद अथवा संचालित सिनेमाघरों के स्थान पर व्यावसायिक काम्पलेक्स व कम क्षमता के सिनेमाघरों का निर्माण, बंद सिनेमाघरों को यथास्थिति में पुनः संचालित करने, व्यावसायिक गतिविधि सहित अथवा गैर व्यावसायिक गतिविधि वाले एकल स्क्रीन सिनेमाघर का निर्माण के लिए निवेशकों को प्रोत्साहन मिले। उनके लिए अनुकूल अवसर तैयार हो सके। सिनेमाघरों के लिए निर्धारित न्यूनतम सीटों की संख्या की शर्त में व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए रियायत दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में मल्टीप्लेक्स सिनेमाहॉल की संस्कृति तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेश के 39 जिलों में मल्टीप्लेक्स नहीं हैं, जबकि 10 जिले ऐसे भी हैं जहां कोई एकल स्क्रीन अथवा मल्टीप्लेक्स सिनेमाघर नहीं है। नई योजना में ऐसे प्राविधान रखें कि मल्टीप्लेक्स निर्माण के लिए भी निवेशक प्रोत्साहित हों। निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रमों की भांति सरकार द्वारा इन्हें भी अनुदान दिया जाना चाहिए। जिन जिलों में पहले से मल्टीप्लेक्स संचालित हैं, यदि वहां नए मल्टीप्लेक्स के इच्छुक निवेशक आते हैं तो उनके लिए भी अनुदान का प्रावधान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य कर विभाग को सम्बंधित सेक्टर के निवेशकों तथा अन्य स्टेक होल्डरों से संवाद करते हुए यथाशीघ्र प्रोत्साहन योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

सीएफसी से परवान चढ़ेगा टेराकोटा शिल्प का कारोबार

गोरखपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर की खास पहचान में टेराकोटा शिल्प के उत्पाद भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सात साल पहले टेराकोटा को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना में शामिल किए जाने के बाद से ही मिट्टी के इस शिल्प का कारोबार दिनोंदिन आगे बढ़ रहा है। अब कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के जरिये टेराकोटा कारोबार और परवान चढ़ेगा। जिला उद्योग केंद्र की तरफ से दो सीएफसी पहले से प्रकिया में हैं और अब सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) के साथ मिलकर एक स्वयंसेवी संस्था सेफ सोसायटी ने भी इसके लिए पहल की है। सिडबी की तरफ से गुलरिहा के भरवलिया में सीएफसी खोले जाने पर काम शुरू हो चुका है। इससे टेराकोटा कारीगरों को काफी सहूलियत मिलेगी। जिला उद्योग केंद्र की तरफ से पादरी बाजार और औरंगाबाद में सीएफसी खोलने की प्रक्रिया जारी है।

भरवलिया में बन रहे टेराकोटा के कॉमन फैसिलिटी सेंटर के इस माह के अंत तक चालू हो जाने की उम्मीद है। यहां शिल्पकारों को हर तरह के काम के लिए सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट होगा। सेफ सोसायटी के चेयरमैन वैभव शर्मा ने बताया कि टेराकोटा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो पहल की है, उसी से प्रेरित होकर सीएफसी बनाई जा रही है। इस सीएफसी पर पर इलेक्ट्रिक भट्ठी, कारीगरों को प्रशिक्षण और तैयार माल को बाजार उपलब्ध कराने की सुविधा मिलेगी।

सिडबी लखनऊ रीजन के जनरल मैनेजर मनीष सिन्हा का कहना है कि टेराकोटा की सीएफसी खुलने से नए तरीके की ट्रेनिंग, नई तकनीक से उत्पाद को तैयार करने में सहूलियत होगी। यही नहीं कम लागत और कम समय में ज्यादा माल तैयार हो सकेगा। मिट्टी के बर्तन या अन्य उत्पाद को पुराने तरीके से पकाया जाता है तो तकरीबन 18 घंटे से ज्यादा समय लगता है और यदि इसे सीएफसी के टनलभट्ठी में पकाया जाता है तो एक ट्राली टेराकोटा तीस मिनट में पककर तैयार हो जाता है। उन्होंने बताया कि सीएफसी से काम कर रहे शिल्पकारों को कारोबारी लाभ होगा तो इस क्षेत्र में नए लोग भी ट्रेनिंग लेकर कारोबार से जुड़ सकेंगे। मनीष सिन्हा ने बताया कि सीएफसी का संचालन दो साल तक सिडबी की तरफ से किया जाएगा। इसके बाद एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) बनाकर इसे लाभार्थी शिल्पकारों को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

सात साल पहले तक रंगत खो रहे टेराकोटा शिल्प को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी ओडीओपी योजना की संगत मिली तो इस मिट्टी का रंग और चटक होता गया। कभी अक्सर खाली बैठने वाले टेराकोटा शिल्पकारों के पास अब सालभर काम की भरमार है। दीपावली जैसे पर्व पर उन्हें छह माह पहले गई ऑर्डर मिल जाते हैं।

टेराकोटा शिल्प को उद्यम में बदलने के लिए सीएम योगी ने इसे बहुआयामी और महत्वाकांक्षी ओडीओपी योजना में शामिल किया। ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधनगत, वित्तीय व तकनीकी मदद तो मिली ही, सीएम की अगुवाई में ऐसी जबरदस्त ब्रांडिंग हुई कि इसके बाजार का अपार विस्तार हो गया। मुख्यमंत्री खुद तमाम मंचों से टेराकोटा की ब्रांडिंग करते हैं। एक तरह से इसके ब्रांड एम्बेसडर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। इलेक्ट्रिक चाक, पगमिल, डिजाइन टेबिल आदि मिलने से शिल्पकारों का काम आसान और उत्पादकता तीन से चार गुना हो गई।

वर्तमान में टेराकोटा के मूल गांव औरंगाबाद के साथ ही गुलरिहा, भरवलिया, जंगल एकला नंबर-2, अशरफपुर, हाफिज नगर, पादरी बाजार, बेलवा, बालापार, शाहपुर, सरैया बाजार, झुंगिया, झंगहा क्षेत्र के अराजी राजधानी आदि गांवों में टेराकोटा शिल्प का काम वृहद स्तर पर चल रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद बाजार बढ़ने से करीब 30-35 फीसद नए लोग भी टेराकोटा के कारोबार से जुड़े हैं।

डिफेंस टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देगा मिधानि समूह

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के डिफेंस सेक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत आधार देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। गुरुवार को प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) और मिधानि समूह के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को एडवांस मैटेरियल (डिफेंस) टेस्टिंग फाउंडेशन नाम दिया गया है।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण और इनोवेशन का वैश्विक हब बनने के साथ ही देश के डिफेंस इंडस्ट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लखनऊ नोड डिफेंस कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इस पर मैटेरियल टेस्टिंग फैसिलिटी स्थापित करने के लिए यूपीडा और मिधानि समूह के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रथम तथा देश में दूसरी बार डिफेन्स टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी। मैकेनिकल और सामग्री परीक्षण सुविधा न केवल भारत के रक्षा विनिर्माण बुनियादी ढांचे के निर्माण और नवाचार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को रक्षा के केंद्र के रूप में भी आगे बढ़ाएगा।

इसका सीधा फायदा डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत स्थापित हो रही इंडस्ट्रीज को अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाने और सर्टिफिकेटकेशन के बाद प्रोडक्ट की मार्केटिंग में मिलेगा। इसके अलावा मेटल (धातु) के क्षेत्र में कार्य कर रहीं अलीगढ़ और मुरादाबाद की इंडस्ट्रीज व एमएसएमई इंडस्ट्रीज को भी इसका फायदा मिलेगा। बता दें कि डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी के लिए एक कॉमन फैसिलिटी के रूप में ग्रीनफील्ड डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (ए एंड डी संबंधित उत्पादन के लिए आवश्यक) का निर्माण करना है। डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को समय पर पूरा कराने और प्रभावी संचालन सुनिश्चित कराने के लिए इस योजना के तहत यूपीडा को इंप्लीमेंटेशन अथॉरिटी के रूप में नामित किया गया है। एमओयू के दौरान मिधानि समूह के सीएमडी एसके झा तथा एडिशनल सीईओ यूपीडा हरिप्रताप शाही सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थिति रहे।

भारत 2025 तक 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की आवश्यकताओं के साथ दुनिया में एक प्रमुख एयरोस्पेस और रक्षा बाजार के रूप में उभर रहा है। एयरोस्पेस और डिफेंस (एएंडडी) मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को मेक इन इंडिया पहल के तहत फोकस के प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है। इसी के तहत रक्षा मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश (यूपी डीआईसी) और तमिलनाडु (टीएन डीआईसी) में रक्षा औद्योगिक गलियारे की स्थापना की है। इसमें उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपी डीआईसी) प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। इस गलियारे का प्रमुख उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया कार्यक्रम को गति देना और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना है, जिसके फलस्वरूप सैन्य उपकरणों के आयात पर देश की निर्भरता कम होगी।

झगड़े में पत्नी ने बुलाई पुलिस, डरे पति ने ट्रेन से कटकर दी जान

कानपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर के बिठूर थानाक्षेत्र में बुधवार रात झगड़े के दौरान पत्नी के पुलिस बुलाने से डरे पति ने घर से भागकर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। गुरुवार सुबह उसका क्षतविक्षत शव रेलवे ट्रैक के पास मिलने पर घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परगही बांगर गांव निवासी सोनू शुक्ला (35) क्षेत्र में स्थित एक प्राइवेट कालेज की बस चलाता था। पुलिस ने बताया शराब के लती सोनू का बुधवार रात शराब पीने को लेकर पत्नी रोली से झगड़ा हुआ था। सोनू के गाली गलौज करने पर रोली ने फोन कर मायके वालों को बुला लिया। साथ ही पुलिस को भी सूचना दे दी। सोनू के पिता राजन शुक्ला ने बताया बहू के मायके वालों व पुलिस को देख सोनू रात में छत से कूदकर भाग गया। रातभर घर न लौटने पर गुरुवार सुबह जब उसकी तलाश शुरू की। इस बीच स्टेशन मास्टर मंधना की सूचना पर मंधना चौकी प्रभारी अमित मलिक ने शव की शिनाख्त कराकर परिजनों को उसके ट्रेन से कटने की जानकारी दी। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह बताया कि तहरीर मिलने पर जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

सरयू में स्नान कर सीधे रामलला के मंदिर पहुंच सकेंगे भक्त

इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा भ्रमण पथ

अयोध्या, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार ने नव्य-भव्य श्रीराम मंदिर तक पहुंचने वाले जन्मभूमि पथ, रामपथ और भक्ति पथ के बाद अब भ्रमण पथ का एक चौथाई कार्य पूरा कर लिया गया है।

ये भ्रमण पथ अब काशी में गंगा और विश्वनाथ धाम को जोड़ने की तर्ज पर सरयू नदी से राम मंदिर को जोड़ेगा। इसके बन जाने के बाद रामभक्त सरयू स्नान के बाद सीधे रामलला के दर्शन के लिए पहुंच सकेंगे। इस योजना पर लगभग 23.38 करोड़ रुपए खर्च हो रहा है। यह पथ सरयू नदी के घाटों से होते हुए राजघाट तक, राजघाट से भगवान श्रीराम के मंदिर तक बनाया जा रहा है। इस पथ में हेरिटेज टाइल्स, पत्थरों की परत के साथ मार्ग की दीवारों पर भगवान राम के जीवन चरित्र के प्रसंगों को पेंटिंग के माध्यम से उकेरा जा रहा है। सुंदरीकरण और जीर्णोद्धार का यह कार्य यूपी प्रॉजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

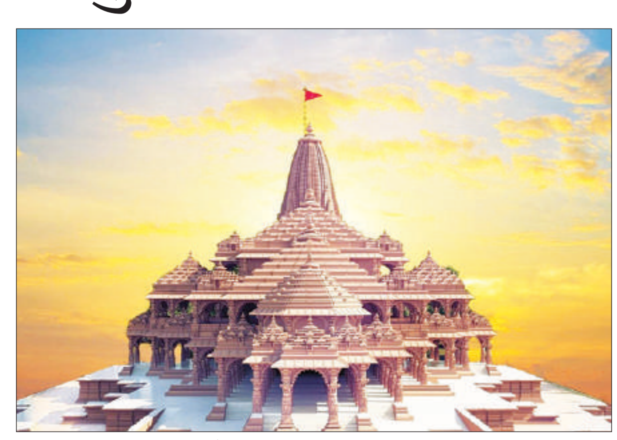

पर्यटन विभाग की योजना है कि श्रद्धालु और पर्यटक सरयू नदी में स्नान करने के बाद कई मार्गो से मंदिर तक पहुंच सकें। इससे भीड़ का दबाव भी एक मार्ग पर कम हो जाएगा। अभी तक की योजना में राम पथ होते हुए भक्ति और जन्मभूमि पथ के जरिए श्रद्धालु और पर्यटक जा रहे हैं, लेकिन भ्रमण पथ बन जाने के बाद सरयू नदी में स्नान करने के बाद सीधे राम जन्मभूमि परिसर तक जाया जा सकेगा। जानकारी के मुताबिक इसके बीच में कुछ मीटर पंचकोसी परिक्रमा मार्ग भी पड़ता है।

हेरिटेज टाइल्स को सुरूचि पूर्ण और टिकाऊ माना गया है। यह भारत के प्रमुख वास्तुकारों की पहली पसंद है। यह टाइल्स मजबूत बोर्ड लाइन और निश्चित आकार के लिए प्रसिद्ध है। अन-ोखा लुक और एक विशिष्ट क्षेत्र को उजागर करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। इसी के साथ पत्थरों का प्रयोग बाहरी और अंदर की दीवारों पर किया जाता है।

इसके लगाने से पत्थर से ढकी मजबूत चहारदीवारी दिखाई पड़ती है। यह दीवार को धूप, बारिश, हवा, बढ़ते और घटते तापमान के साथ प्रदूषण से भी बचाती है। इसी के बीच-बीच में भगवान राम के जीवन चरित्र के प्रसंग को पेंटिंग के माध्यम से चित्रित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को रास्ते में भक्ति पूर्ण माहौल दिखाई दे इसके लिए रामायण काल के पौधे भी लगाए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव का कहना है कि भ्रमण पथ का निर्माण दिसम्बर तक पूरा कर लिया जाएगा। मेलों के दौरान निर्माण कुछ धीमा हो जाएगा किन्तु मेले समाप्त होते ही फिर निर्माण कार्य तेज हो जाएगा।

संपादकीय

लोकतंत्र में बंदूक संस्कृति

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कातिलाना हमला किया गया। वह बाल-बाल बच गए। हमलावर को भी वहीं ढेर कर दिया गया। यह अमरीका ही नहीं, दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह किसी भी लोकतंत्र में हो सकता है। कोई भी अतिवाद या उग्रवाद ऐसे हमले के लिए उकसा सकता है। इस पर गहन चिंतन-मनन, आत्ममंथन किया जाना चाहिए। अमरीका लोकतंत्र की जननी है। उसका लोकतंत्र प्राचीनतम है, लेकिन वहां बंदूक भी गोली-बिस्कुट और मूंगफली की तरह उपलब्ध है। औसतन हर हाथ में बंदूक, रिवॉल्वर है। अमरीका आत्म-रक्षा की दलीलें देता रहा है, लेकिन लोकतंत्र के साथ-साथ बंदूक-संस्कृति भी जारी है, यह विरोधाभास कैसे ढोया जा रहा है? लोकतंत्र में यह हत्यारा विरोधाभास भी मौजूद रहेगा, जो आने वाले किसी भी पल में, किसी और को, निशाना बनाया जा सकता है! इस सांस्कृतिक, सामाजिक और बेचैन गिरावट और पतन का अमरीकी नेताओं, राजनीतिक दलों और नागरिकों को लगातार विरोध करना चाहिए। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति तो हैं। उनकी सुरक्षा-व्यवस्था मौजूदा राष्ट्रपति जितनी ही होती है। रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें एक बार फिर राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। चुनाव इसी नवंबर में होंगे, लिहाजा अमरीका में चुनावी मौसम छाया है। इस घटना की जांच कर रही एफबीआई का मानना है कि यह ट्रंप की हत्या करने का हमला था। हमले को लेकर कई सवाल सुरक्षा पर उठाए जा रहे हैं। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उन्हीं के आधार पर विश्लेषण किया जाना चाहिए, ऐसा हमारा मानना है। बहरहाल जिस 20 साल के नौजवान ने 120 मीटर से निशाना साध कर हमला किया, वह भी रिपब्लिकन पार्टी का सदस्य था और ट्रंप को 'गलत' मानता था। लोकतंत्र में आम नागरिक वोट के जरिए अपना अभिमत प्रकट कर सकता है और यही उसका बुनियादी अधिकार है, लेकिन अमरीका में लोकतंत्र के साथ राजनीतिक हिंसा का भी संबंध रहा है। राजनीति के अलावा, सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक ध्रुवीकरण भी हिंसात्मक रहे हैं, नतीजतन स्कूलों, बाजारों, सभा-कक्षों अथवा किसी समारोह के दौरान भी गोलीबारी चलाई जाती रही है। मौतें होती रही हैं। लोग बुरी तरह जख्मी भी होते रहे हैं। हमलावर की प्रवृत्तियों को मनोवैज्ञानिक अस्थिरता के आवरण में छिपाया जाता रहा है। अमरीका में पूर्व राष्ट्रपति को निशाना बनाया गया है, ऐसे हमले अभूतपूर्व नहीं हैं। अमरीका में चार पदासीन राष्ट्रपतियों-अब्राहम लिंकन, जेम्स गारफील्ड, विलियम मैककिनले, जॉन एफ. कैनेडी-की हत्या तक की जा चुकी है। पांच राष्ट्रपतियों-बिल क्लिंटन, रोनाल्ड रीगन, जेराल्ड फोर्ड, फ्रेंकलिन रुजवेल्ट, थियोडोर रुजवेल्ट-पर भी हमले किए जा चुके हैं। यह कैसा लोकतंत्र और 'दुनिया का दादा' देश है, जो दुनिया को लोकतंत्र और मानवाधिकारों के ज्ञान बांटता रहता है, लेकिन जहां 'बंदूक-संस्कृति' बिल्कुल सामान्य है। बंदूक बनाने वाले उद्योगपति इतने ताकतवर हैं कि न तो राष्ट्रपति बाइडेन कोई निर्णय ले पाए और न ही ट्रंप और उनकी पार्टी की सोच बंदूक-विरोधी है। जनवरी 6, 2021 की चेतावनी अमरीका कैसे भूल सकता है, जब ट्रंप-समर्थक भीड़ ने 'यूएस कैपिटल' (यूएस कांग्रेस) पर हमला किया था और अंदर घुस गई थी। उस पर क्या कानूनी कार्रवाई की गई, आज तक स्पष्ट नहीं है। वह अमरीकी लोकतंत्र और संसद पर सबसे भीषण प्रहार था। लोकतंत्र में भीड़ इतनी हिंसात्मक कैसे हो गई, जबकि उसके मानवाधिकार सुरक्षित हैं? हाल ही में अमरीका में 'राजनीतिक हिंसा' पर एक जनमत किया गया। आश्चर्य है कि 10 फीसदी लोगों ने जवाब ट्रंप के खिलाफ दिया कि ऐसे नेताओं को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए ऐसा ही बल इस्तेमाल करना न्यायसंगत है। यह भी लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन हिंसा न हो। बहरहाल अमरीका में ही नहीं, दुनिया के देशों में लोकतंत्र को जिंदा रखना है, तो चुनाव प्रचार का तरीका भी सभ्य होना चाहिए।

हमलावर को भी वहीं ढेर कर दिया गया। यह अमरीका ही नहीं, दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह किसी भी लोकतंत्र में हो सकता है। कोई भी अतिवाद या उग्रवाद ऐसे हमले के लिए उकसा सकता है। इस पर गहन चिंतन-मनन, आत्ममंथन किया जाना चाहिए। अमरीका लोकतंत्र की जननी है। उसका लोकतंत्र प्राचीनतम है, लेकिन वहां बंदूक भी गोली-बिस्कुट और मूंगफली की तरह उपलब्ध है। औसतन हर हाथ में बंदूक, रिवॉल्वर है। अमरीका आत्म-रक्षा की दलीलें देता रहा है, लेकिन लोकतंत्र के साथ-साथ बंदूक-संस्कृति भी जारी है, यह विरोधाभास कैसे ढोया जा रहा है? लोकतंत्र में यह हत्यारा विरोधाभास भी मौजूद रहेगा, जो आने वाले किसी भी पल में, किसी और को, निशाना बनाया जा सकता है! इस सांस्कृतिक, सामाजिक और बेचैन गिरावट और पतन का अमरीकी नेताओं, राजनीतिक दलों और नागरिकों को लगातार विरोध करना चाहिए। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति तो हैं। उनकी सुरक्षा-व्यवस्था मौजूदा राष्ट्रपति जितनी ही होती है। रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें एक बार फिर राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। चुनाव इसी नवंबर में होंगे, लिहाजा अमरीका में चुनावी मौसम छाया है। इस घटना की जांच कर रही एफबीआई का मानना है कि यह ट्रंप की हत्या करने का हमला था।

कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया

कमी के समय कीमतों में कमी लाए सरकारी बफर स्टॉक

प्रियंका सौरभ

भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान।

बफर स्टॉक आवश्यक वस्तुओं के भंडार हैं जो आपूर्ति और मांग में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए बनाए रखे जाते हैं। भारत में चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74) के दौरान शुरू किए गए, वे खाद्य सुरक्षा , आर्थिक स्थिरता और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान। जलवायु-संचालित मूल्य अस्थिरता में वृद्धि – जो अंततः न तो उपभोक्ताओं और न ही उत्पादकों की मदद करती है – केवल खाद्य बफर नीति के मामले को मजबूत करती है।

आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कमी की अवधि के दौरान बफर स्टॉक जारी किया जाता है, जिससे उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए: 2019 में प्याज की कीमत में उछाल के दौरान , भारत सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने, कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्याज सस्ती बनी रहे। बफर स्टॉक बनाए रखने से सरकार आपूर्ति की कमी के दौरान कीमतों में भारी वृद्धि को रोक सकती है, जिससे बाजार की मांग संतुलित रहती है । उदाहरण के लिए: 2020 में , सरकार ने कीमतों को स्थिर करने के लिए बफर स्टॉक से दालें जारी कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उत्पादन में कमी के बावजूद दालें उपलब्ध और सस्ती बनी रहें।

बफर स्टॉक बाजार में आपूर्ति और मांग की गतिशीलता को विनियमित करके अत्यधिक मूल्य में उतार-चढ़ाव को सुचारू बनाने में मदद करते हैं। बफर स्टॉक कमी के दौरान बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रास्फीति को कम करते हैं, जिससे कीमतों में

अत्यधिक वृद्धि को रोका जा सकता है। उदाहरण के लिए: 2021 में गेहूं और चावल के स्टॉक को जारी करने से भारत में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिली, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि मुख्य अनाज उपभोक्ताओं के लिए किफ़ायती रहे. बफर स्टॉक स्थिर बाजार सुनिश्चित करके, अधिक आपूर्ति के कारण कीमतों में गिरावट को रोककर और मूल्य स्थिरता प्रदान करके किसानों की सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए: सरकार ने अतिरिक्त दूध खरीदा और किसानों के लिए दूध की कीमतों को स्थिर करने के लिए इसे स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) में बदल दिया, जिससे अधिक आपूर्ति के कारण वित्तीय नुकसान को रोका जा सके।

बफर स्टॉक आवश्यक खाद्य पदार्थों तक निरंतर पहुँच सुनिश्चित करते हैं , जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए महामारी के दौरान , गरीबों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, भूख को रोकने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया था। बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करके और बाजार संतुलन बनाए रखकर आर्थिक झटकों को रोकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। उदाहरण के लिए: महाराष्ट्र में 2018 के सूखे के दौरान बफर स्टॉक जारी करने से कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिली, जिससे क्षेत्र में आर्थिक संकट को रोका जा सका।

बफर स्टॉक जलवायु-प्रेरित आपूर्ति झटकों के कारण खाद्य उपलब्धता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं, जिससे जलवायु लचीलापन बढ़ता है। अधिशेष वर्षों के दौरान अतिरिक्त उपज की खरीद करके , बफर स्टॉक किसानों को एक स्थिर बाजार और उचित मूल्य प्रदान करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। बफर स्टॉक कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं, जो कमज़ोर आबादी का समर्थन करके और सामाजिक स्थिरता बनाए रखकर आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) ने कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को भोजन वितरित करने के लिए बफर स्टॉक पर भरोसा किया , जिससे भूख और अभाव को रोककर आर्थिक और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित हुई। चूंकि भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अस्थिरता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए सरकार द्वारा नियंत्रित बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करके, मुद्रास्फीति को कम करके और कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करके, ये बफर स्टॉक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन बढ़ाएंगे, सतत विकास को बढ़ावा देंगे और भविष्य में एक स्थिर आर्थिक वातावरण को बढ़ावा देंगे। चावल और गेहूं जैसी पारंपरिक वस्तुओं से परे बफर स्टॉक में विविधता लाने की आवश्यकता है ताकि तिलहन, सब्जियां और दूध पाउडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की व्यापक रेंज को शामिल किया जा सके। इस विस्तार से विभिन्न क्षेत्रों में मूल्य वृद्धि और आपूर्ति झटकों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। अधिशेष उत्पादन के वर्षों के दौरान खरीद रणनीतियों में सुधार करना महत्वपूर्ण है।

दृष्टि कोण

सतत विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण

भारत में जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास दशकों से चल रहे है। सरकार द्वारा संचालित अभियान के देश ने दो स्वरूप देखे है। आपात काल के दौरान जनसंख्या नियंत्रण नीति जोर जबरदस्ती पर आधारित थी। लेकिन आपात काल की समाप्ति के बाद इसको नकार दिया गया। शेष अवधि में प्रचार व सहायता के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण का अभियान चलाया गया। लेकिन इसका भी पर्याप्त लाभ नहीं हुआ। जाहिर है कि यह विषय दशकों पुराना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस विषय को उठाया था। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस संबन्ध में एक मसौदा लेकर आईं है। जनसंख्या नियंत्रण के दोनों स्वरूपों की विफलता सामने है। इसलिए नए रास्ते की तलाश का प्रयास किया जा रहा है। अर्थात यह विषय पुराना है, लेकिन समाधान का तरीका अवश्य नया है। आपात काल के दौरान ही ब्यालीसवां संविधान संशोधन पारित किया गया था। इसके द्वारा समवता सूची में जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन विषय जोड़ा गया था। ऐसे में वेंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा इससे संबंधित अधिनियम बनाना असंवैधानिक नहीं हो सकता। करीब दो दशक पहले भी सविधान समीक्षा आयोग ने वेंद्र सरकार को इससे संबंधित निर्देश दिया था। कहा गया कि वह जनसंख्या नियंत्रण संबंधी कानून बनाएं। इस समय दर्ज याचिका में सविधान समीक्षा योग की सिफारिशों को लागू करने की बात कही गईं है। जनसंख्या नियंत्रण का संबन्ध विकास व संसाधनों से भी जुड़ा है। संसाधनों की भी एक सीमा होती है। जनसंख्या व संसाधनों के बीच एक संतुलन होना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों का अभाव होने लगता है। सबसे पहले इसका प्रतिवूल प्रभाव गरीबों पर पड़ता है। जिस वस्तु का अभाव होता है, उसकी कीमत बढ़ जाती है। धनी वर्ग उनको खरीद सकता है। जबकि गरीबों को मुसीबत का सामना करना पड़ता है। जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि विकास में बाधक भी साबित हो सकती है। इससे संसाधनों पर दवाब बढ़ता है। लोगों के जीवन स्तर में कमी आती है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिता का विषय है। भारत के पास विश्व मात्र दो प्रतिशत भूभाग है। जबकि यहां पर विश्व की बीस प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। भारत की जनसंख्या वर्तमान में एक सौ पैंतीस करोड़ है। संयुत्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले वुछ वर्षो में चीन भी भारत से पीछे हो जाएगा। जनसंख्या के मामले में भारत सबसे बड़ा देश हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिए विधि आयोग के परामर्श से जो कदम उठाए हैं। जिस गति से जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुरूप संसाधनों की व्यवस्था संभव ही नहीं है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, वह संसाधनों का सृजन नहीं कर सकते। जो लोग जनसंख्या नियंत्रण का विरोध करते है, उन्हें संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता के संबन्ध में भी विचार व्यत्त करना चाहिए। जनसंख्या का स्थिरीकरण होना अपरिहार्य है। उन्नीस सौ इक्यानबे से इक्यावन के बीच उत्तर प्रदेश की आबादी एक सौ बीस प्रतिशत बढ़ी थी। इसके बाद भी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुईं है। तब प्रदेश की आबादी तेरह करोड़ थी। अब यह बढ़कर पच्चीस करोड़ से अधिक हो गईं है। यह माना गया कि बढ़ती जनसंख्या से विकास व संसाधनों से संबंधित अनेक प्रकार की समस्याएं उतपन्न हो रही हैं। इस आधार पर समाज में दो वर्ग है। एक वर्ग ने स्वेच्छा से जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार किया है। यह उनका समाज व देश के प्रति सहयोग भी है। दूसरे वर्ग ने जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार नहीं किया है। इस कारण संसाधनों पर दबाब बढ़ रहा है। सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देना चाहिए। जबकि ऐसा ना करने वालों को उन्हीं सीमित संसाधनों से सुविधा प्रदान करते रहने का औचित्य नहीं है। जनसंख्या नियंत्रण परिवार नियोजन से अलग है। सरकारी संसाधन और सुविधाएं उन लोगों को उपलब्ध हो जो जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जनसंख्या की नईं नीति का विमोचन किया। इस नईं नीति में जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या समाज में व्याप्त असमानता समेत प्रमुख समस्याओं का मूल है। समुन्नत समाज की स्थापना के लिए जनसंख्या नियंत्रण प्राथमिक शर्त है। इस विश्व जनसंख्या दिवस पर बढ़ती जनसंख्या से बढ़ती समस्याओं के प्रति स्वयं व समाज को जागरूक करने का प्रण लेना चाहिए। नईं नीति में जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए जागरूकता प्रयासों के ाम में स्वूलों में हेल्थ क्लब बनाये जाने का अभिनव प्रस्ताव है। डिजिटल हेल्थ मिशन की भावनाओं के अनुरूप नवजातों, किशोरों और वृद्धजनों की डिजिटल ट्रैकिग की व्यवस्था की भी बात है। सभी समुदायों में जन सांख्यकीय संतुलन बनाये रखने, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता, समुचित पोषण पर भी जोर दिया गया। इसे राज्य विधि आयोग ने तैयार किया है। दो ही बच्चे अच्छे का वर्षो पुराने नारे का भाव भी है। जिनके दो ही बच्चे है, उन्हें प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है।

कुछ अलग

साहिब फुर्सत में हैं...

पता नहीं बड़े साहिब ने मौसम फिल्म के लिए गुलज़ार का लिखा गाना 'दिल ढूंढता है फिर वही फुर्सत के रात दिन' सुना है या नहीं, पर बड़े साहिब जब भी किसी मीटिंग की अध्यक्षता करते हैं, फुर्सत के रात दिन जीने लगते हैं। आधे घंटे की मीटिंग जब चार घंटे बाद खत्म होती है तो बाहर निकलने पर बाकी अफसरों पर हमदर्द का चुस्ती-फुर्ती लाने वाला टॉनिक सिंकारा भी काम नहीं करता। बेचारे निढाल से निकलते हैं मीटिंगों से। कुछ मरे-मरे से, कुछ बुझे-बुझे से। पर बड़े साहिब हैं कि उतने ही तरोताज़ा होते हैं जितना मीटिंग में जाने से पहले होते हैं। बिल्कुल ताज़ा गुलाब की तरह। ख़ुशबू भले न हो, पर बड़े साहिब खिले-खिले तो वैसे ही लगते हैं। यूं भी आदमी चाहे बड़ा उम्र के हिसाब से हो या पद के हिसाब से, जैसे-जैसे बड़ा होने लगता है उसकी ख़ुशबू गायब होती जाती है। मीटिंगें कई तरह की होती हैं। भारत सरकार के मंत्रालयों को मुख्यतः तीन भागों में बांटा जा सकता है-बड़ा मंत्रालय, मझोला मंत्रालय और छोटा मंत्रालय। प्रायः जितना बड़ा मंत्रालय होता है, उसके बड़े बाबू के पास मीटिंग में बैठने की फुर्सत उतनी कम होती है। छोटा मंत्रालय मतलब फुर्सत ही फुर्सत। छोटे मंत्रालय के बड़े बाबू और बड़े मंत्रालय के बड़े बाबू की तनख्वाह भले एक जैसी होती है, पर फर्क होता है तो केवल फुर्सत का। छोटे मंत्रालय के बड़े बाबू के पास फुर्सत ही फुर्सत होती है। भारत सरकार ने इन मीटिंग के लिए बाक़ायदा कान्फ्रेंस हॉल बनवाए हैं। ग़ौर से देखने पर पता चलता है कि यह कान्फ्रेंस हॉल पुराने ज़माने की चौपाल का आधुनिकतम रूप हैं। बस फर्क है तो इतना कि अब चौपाल चारदीवारों के अंदर जमती है, सामने बड़ी सी टीवी स्क्रीन होती है जिसमें ज़रूरत पडने पर या जब बड़े बाबू किसी को गरियाना चाहें, फील्ड के अधिकारियों या दफ्तरों को भी घसीटा जा सकता है। मीटिंग हो तो चाय-पानी भी होगा ही। इससे कैंटीन वाली रोज़ी-रोटी भी चलती है और स्टाफ का गला भी तर रहता है। ऐसे ही छोटे मंत्रालय के एक बाबू हैं, झुन्नू लाल जी। हैं तो संयुक्त सचिव के पद पर, पर आजकल उनके पास एक ऐसी क्षेत्रीय परिषद का अतिरिक्त कार्यभार भी है, जिसमें सचिव का पद है। यह पद भारत सरकार के मंत्रालय के संयुक्त सचिव और सचिव के बीच का है अर्थात अतिरिक्त सचिव स्तर का है। पर जब यह अतिरिक्त सचिव नाम का जीव क्षेत्रीय परिषद में विराजमान होता है तो उसे सचिव के नाम से पुकारा जाता है। ऐसे में झुन्नू लाल का सचिव होना, उनमें कुछ और बड़ा होने का एहसास भर देता है। दिल्ली में गर्मी बढने पर झुन्नू लाल जी अपनी पीठ की घमौरियां ठीक करने के लिए शिलांग जैसी जगह में ठंडी हवा खाने चले आते हैं। पर उनका आना क्षेत्रीय परिषद के बाबुओं को बहुत खलता है। अब खले भी क्यों न? भला यह भी कोई बात हुई कि भारत सरकार अपने कर्मियों से पांच दिन सुबह नौ बजे से साढ़े पांच तक काम लेती है और बदले में फाईव डे वीक देती है। पर झुन्नू लाल जी हमेशा दिल्ली से वीरवार को सुबह साढ़े चार बजे उड़ते हैं और शिलांग में ग्यारह बजे से पहले दफ्तर पहुंच जाते हैं। आते ही आदेश निकलवा देते हैं कि चूंकि बड़े बाबू आए हैं, इस बार शनिवार और इतवार को भी ठीक नौ बजे दफ्तर लगेगा। क्षेत्रीय परिषद के बेचारे बाबू मन मसोस कर रह जाते हैं। दफ्तर में बड़े बाबू झन्नाते हैं और घर में बीवी कहती है, 'अजी! आप तो अपना बिस्तर भी दफ्तर में ही लगा लो। आप तो इस हफ्ते पीवीआर ले जाने वाले थे न। मुन्ने की स्कूल की यूनिफॉर्म भी लेनी थी। आप लोग क्या अपने बॉस से इतना भी नहीं कह सकते कि छुट्टी वाले दिन दफ्तर कैसा?' अब बेचारा बाबू अपनी बीवी से कैसे कहे कि बल एकता में होता है। एक अकेला बोलेगा तो बड़ा बाबू बोलेगा, 'क्या बोलता है।

देश दुनिया से

नए बजट में रोजगार सृजन पर हो जोर

19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8 .2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9 .9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4 .82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपए में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1 .4 फीसदी की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन (बीओपी) में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0 .7 फीसदी रहने को लेकर उत्साहित हैं।

हालांकि अंतरिम बजट फरवरी 2024 में वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया था, अब जुलाई 2024 में पूर्ण केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करने का समय आ गया है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों के साथ तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिसमें अर्थशास्त्री, किसान, एनबीएफसी, बाजार विशेषज्ञ और कई अन्य शामिल हैं। 19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपए में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.4 फीसदी की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन (बीओपी) में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7 फीसदी रहने को लेकर उत्साहित हैं। 2023-24 में, जून के पहले सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, और जश्न मनाने के लिए बहुत से कारण हैं। अब मोदी 3.0 के सामने चुनौती इस वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की है। बैठक में मौजूद सभी अर्थशास्त्री सरकार की राजकोषीय समझदारी, विनिर्माण संवृद्धि और भुगतान घाटे जैसे मुद्दों से निपटने की सराहना कर रहे थे। राजकोषीय समझदारी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए यह एक पूर्व शर्त है। कम राजकोषीय घाटे को जारी रखने के बारे में आम सहमति थी। चूंकि सरकार ने पहले ही अंतरिम बजट 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के राजकोषीय घाटे का प्रस्ताव रखा है, इसलिए सरकार के लिए इससे विचलित होने का कोई कारण नहीं है। लेकिन कुछ ऐसी जरूरतें हैं जिनके कारण सरकार को पूंजीगत व्यय, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च, पीएलआई योजना, विशेष रूप से नए क्षेत्रों में उसके विस्तार के साथ। इसके अलावा, बेरोजगारी की समस्या, विशेष रूप से शिक्षित युवा बेरोजगारी को संबोधित करने की भी तत्काल आवश्यकता है। रोबोट टैक्स का सुझाव : बैठक में मौजूद कुछ अर्थशास्त्रियों ने नई तकनीक, खास तौर पर एआई के कारण नौकरियों के नुकसान के बारे में चिंता जताई और अन्य लोगों ने भी उनसे सहमति जताई। एक राय यह थी कि हालांकि, हम नई तकनीक के उपयोग से बच नहीं सकते और न ही बचना चाहिए, लेकिन चूंकि इससे नौकरियां जा रही हैं, इसलिए जो लोग लाभ उठा रहे हैं, उन्हें नुकसान उठाने वालों, यानी वे कर्मचारी जिनकी नौकरियां जा रही हैं या नौकरी के बाजार में नए प्रवेशकर्ता, जिन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, की भरपाई करनी चाहिए। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए, यह सुझाव दिया गया कि रोबोट टैक्स की संभावना तलाशी जा सकती है, जिसका उपयोग विस्थापित श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने और पुनर्वासित करने के लिए किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि हाल ही में आईएमएफ द्वारा एक पेपर में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि एआई समग्र रोजगार और मजदूरी को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन आईएमएफ ने यह भी कहा है कि 'श्रम बल के बड़े हिस्से को लंबे समय तक काम से बाहर रख सकता है, जो एक दर्दनाक संक्रमण की ओर इंगित करता है।' उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के पहले चरण की सफलता से उत्साहित, जिसने एपीआई, रक्षा उपकरण, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य में चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद की, अर्थशास्त्रियों ने पीएलआई के अगले चरण को सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के इर्द-गिर्द डिजाइन करने का समर्थन किया। रोजगार सृजन पर नजर रखते हुए, अधिक संतुलित औद्योगिक विकास के लिए पीएलआई योजना को एमएसएमई के लिए डिजाइन करना महत्वपूर्ण है।

आप का नजरिया

किसानों, युवा व आमजन हितैषी हो बजट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दिए किसानमजदूरों को लेकर यह सुझाव आरएसएस से संबंधित संस्थाओं जैसे भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, लघु उद्योग भारती और स्वदेशी जागरण मंच के प्रातिनिधियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने पिछले दो सप्ताह के दौरान वित्त मंत्री को अपने सुझाव सौंपे हैं। वित्त मंत्रालय बजट से पूर्व विभिन्न क्षेत्रों एवं संगठनों के साथ चर्चा कर रहा है। केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब पूरी तरह से स्त्रिय है। नईं सरकार के गठन के बाद लोकसभा और राज्यसभा के पहले सत्र की भी शुरुआत हो चुकी है। अब सभी की निगाहें आगामी वेंद्रीय बजट पर है। जो 23 जुलाईं को पेश किया जाना है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विभिन्न संगठनों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक कर रही हैं, इसी सिलसिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठनों ने वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में पीएम किसान सम्मान निधि के मद में आंबटन बढ़ाने सहित कईं अन्य सुझाव दिए हैं। इन संगठनों ने मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए व्यक्तिगत आय कर घटाने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्राणाली में भी सुधार का अनुरोध किया है। इन संगठनों का यह भी कहना है कि आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस (एआईं) के कारण नौकरी गंवाने वाले लोगों को अधिक हुनरमंद बनाने के लिए बजट में रोबोट का भी प्रावधान किया जाए। आरएसएस से संबंद्ध संस्थाओं जैसे भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, लघु उद्गोग भारती और स्वदेशी जागरण मंच के प्रातिनिधियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने पिछले दो सप्ताह में वित्त मंत्री को अपने सुझाव सौंपे हैं। स्वदेशी जागरण मंच के अश्विनी महाजन ने अन्य अर्थशास्त्रियों के साथ वित्त मंत्री से 19 जून को मुलाकात में प्राोत्साहन संबंध योजना (पीएलआईं) की सराहना की लेकिन यह भी कहा कि इनमें अब सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उदृामों (एमएसएमईं) को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश में रोजगार के अधिक अवसर तैयार करने में मदद मिलेगी। महाजन ने कहा कि आगामी रक्षा गलियारों में एमएसएमईं क्षेत्रों के लिए भी जगह होनी चाहिए। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के सदस्यों ने कईं अन्य व्यापार संघों के साथ वित्त मंत्री को अलग से ज्ञापन सौंपा। बीएमएस ने मनरेगा में कार्यं दिवसों की संख्या साल में बढ़ाकर 200 दिन करने का सुझाव दिया बीएमएस ने कहा कि इस रोजगार योजना में वृषि एवं संबंद्ध गतिविधियों में होने वाले कार्यं भी शामिल किए जाने चाहिए। बीएमएस ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का भी सुझाव दिया और वेंद्र सरकार में सभी रिक्त स्थानों को भरने के लिए तेजी से कदम उठाने की मांग की। भारतीय किसान संघ ने पीएम किसान निधि की राशि 6000 रु. से बढ़ाने की मांग भी की। यह योजना वर्ष 2018-19 में शुरू की गईं थी, जिसका मकसद किसानों को बढ़ती लागत से निपटने व मदद करना है। संघ ने कहा कि वेंद्र का सिचाईं के मद से आबंटन बढ़ाने के साथ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्राभावों को देखते हुए नदियों को जोड़ने के लिए भी रकम का प्रावधान करना चाहिए।

मॉस्को के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर दबाव बनाना अनुचित, रूस के विदेश मंत्री का पश्चिम पर निशाना

संयुक्त राष्ट्र, 18 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को के साथ उर्जा सहयोग के कारण नई दिल्ली पर पड़ रहे दबाव को पूरी तरह से अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक महान शक्ति है, जो अपने राष्ट्रीय हित खुद ही तय करता है और खुद ही अपने साझेदार चुनता है। इसके अलावा, लावरोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई हालिया बैठक पर यूक्रेन की टिप्पणी को अपमानजनक करार दिया। जुलाई माह के लिए यूएनएससी की अध्यक्षता संभाल रहा रूस यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, मुझे लगता है कि भारत एक महान शक्ति है जो खुद ही अपने राष्ट्रीय हित तय करता है और अपने भागीदार चुनता है। हम जानते हैं कि भारत पर भारी दबाव पड़ रहा है, जो पूरी तरह से अनुचित है। लावरोव प्रधानमंत्री मोदी की हालिया मॉस्को यात्रा और रूस के साथ उर्जा सहयोग को लेकर भारत की हो रही आलोचना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। लावरोव मॉस्को की अध्यक्षता में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठकों की अध्यक्षता करने के लिए न्यूयॉर्क में हैं। यूएनएससी की जुलाई महीने की अध्यक्षता रूस के पास है। पीएम मोदी ने किया था रूस का दो दिवसीय दौरा प्रधानमंत्री मोदी ने 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई के रूस का आधिकारिक दौरा किया।

यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद मोदी की यह पहली रूस यात्रा थी। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निदा नहीं की है और लगातार बातचीत व कूटनीति के जरिए संघर्ष के समाधान की पैरवी की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना की थी। उन्होंने एक्स पर कहा था, एक रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला किया, जिसमें युवा कैंसर रोगियों को निशाना बनाया गया। कई लोग मलबे में दब गए। मोदी और पुतिन की बैठक को लेकर उन्होंने कहा था, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को ऐसे दिन मॉस्को में दुनिया के सबसे बड़े खूनी अपराधी को गले लगाते देखकर बड़ी निराशा हुई। यह शांति प्रयासों के लिए एक झटका है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के बाहर पहली बार इस देश में खुला जन औषधि केंद्र, एमईए जयशंकर बोले- पीएम मोदी ने किया था वादा

पोर्ट लुइस। अब दूसरे देश में भी जन औषधि केंद्र से लोग सस्ती दवाएं ले सकते हैं। दरअसल, मॉरीशस में पहला जन औषधि केंद्र खुला है। यह देश के बाहर खुला पहला जन औषधि केंद्र है। विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान यहां के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भी मौजूद रहे। इस साल की शुरुआत में किया था वादा जयशंकर 16 से 17 जून तक दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में थे। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा कि इस औषधि केन्द्र की स्थापना का वादा पीएम मोदी ने इस साल की शुरुआत में किया था, जिसे अब पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत-मॉरीशस स्वास्थ्य साझेदारी परियोजना के अंतर्गत भारत में निर्मित और सस्ती दवाओं की आपूर्ति की जाएगी ताकि जन स्वास्थ्य और लोगों की खुशहाली को बढ़ावा दिया जा सके। विदेश मंत्रालय ने एक बयान साझा किया। कहा- जयशंकर ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ संयुक्त रूप से भारत के पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया, जो दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग का सबूत है, खासकर स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र में। मेडिक्लिनिक परियोजना का भी उद्घाटन किया इससे पहले विदेश मंत्री डॉक्टर जयशंकर ने मॉरीशस के ग्रैंड बोआ क्षेत्र में भारत की आर्थिक सहायता से बनी मेडिक्लिनिक परियोजना का भी उद्घाटन किया और इसे आपसी मित्रता की नवीनतम अभिव्यक्ति करार दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि मेडिक्लिनिक खुलने से ग्रैंड बोआ क्षेत्र में 16 हजार लोगों को विशेषज्ञ उपचार सेवा मिलेगी। इस पर गर्व महसूस करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य हम सभी के लिए प्राथमिकता का क्षेत्र है और इसके प्रति हम सब जागरूक हैं। किफायती आधार पर उपलब्ध होंगी दवाएं उन्होंने कहा, स्वास्थ्य मंत्री से यह सुनने को मिला कि जन औषधि केंद्र चालू हो गया है और वास्तव में मॉरीशस सरकार हमसे प्रमुख दवाओं की सूची या आपूर्ति मांगेगी, प्रमुख दवाएं जिनका उपयोग आम नागरिक नियमित रूप से करते हैं, जो किफायती आधार पर उपलब्ध होंगी। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं स्वास्थ्य के पक्ष में एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि मानता हूं। जयशंकर ने कहा कि भारत में नए अस्पताल, नए क्लीनिक, जन औषधि केंद्र, नए मेट्रो और नई सामाजिक आवास परियोजनाएं आ रही हैं तथा भारतीय बच्चों को डिजिटल शिक्षा मिल रही है। उन्होंने कहा, यह स्वाभाविक है कि हमारे विस्तृत परिवार में, हम विदेश को भी साझा करना चाहेंगे और मुझे बहुत खुशी है कि मुझे यह देखने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट में दावा! नैंसी पेलोसी ने बाइडन से निजी तौर पर कहा- आप नहीं जीत सकते, जवाब मिला- अब भी मौका है

वॉशिंगटन। नैंसी पेलोनी ने पिछले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पेलोसी के प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने (पेलोसी) शुक्रवार से बाइडन के साथ बात नहीं की। अमेरिका में इस नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इससे पहले ही राष्ट्रपति जो बाइडन तीसरी बार कोविड पॉजिटिव पाए गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व व्हाइट हाउस स्पीकर नैंसी पेलोनी ने बाइडन से निजी तौर पर कहा था कि वह नहीं जीत सकते। पेलोसी ने कहा कि बाइडन अपनी उम्र के कारण नवंबर में डेमोक्रेट के चुनाव जीतने की संभावनाओं को खत्म कर सकते हैं। पेलोसी के इस बयान पर बाइडन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने का उनके पास अभी भी मौका है। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि पेलोसी ने बाइडन का समर्थन करना अब पूरी तरह से बंद कर दिया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या पेलोसी को ऐसा लगता है कि बाइडन को इस दौड़ से बाहर हो जाना चाहिए। पिछले हफ्ते एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, यह राष्ट्रपति पर निर्भर करता है कि उन्हें चुनाव लड़ना है या नहीं। हम सभी उन्हें निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ट्रंप पर हुए हमले पर जताई नाराजगी दूसरी तरफ नैंसी पेलोनी ने पिछले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, एक ऐसे व्यक्ति जिनका परिवार राजनीतिक हिंसा का शिकार रहा है। मैं प्रत्यक्ष रूप से जानती हूं कि किसी भी प्रकार की राजनीतिक हिंसा का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। मैं भगवान का शुक्रिया करूंगी की पूर्व राष्ट्रपति सुरक्षित हैं।

जेलों में बेतहाशा भीड़ को कम करने के लिए हो रही कोशिश कैदियों ने कहा- करवट बदलने तक की जगह नहीं

मनीला, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फिलिपीन्स में कानूनी आरोपों का सामना कर रहे लोगों के प्रति एक मानवीय नजरिया अपनाने से, यहां की जेलों में मछलियों जैसी बेतहाशा भीड़भाड़ को कम करने के प्रयास कुछ बेहतर हो रहे हैं। यहां की जेलों को दुनिया में सबसे अधिक भीड़भाड़ वाली जेलों में गिना जाता है। मगर अब जेलों की भीड़ को कम करने की कोशिश सफल होती नजर आ रही है।

फिलिपीन्स की राजधानी में स्थित मनीला सिटी जेल में, कैदी साफ-सुथरी पंक्तियों में लेटे हुए दिख रहे हैं। इससे पता चलता है कि वे हर रात किस तरह सोते हैं।

कैदियों के पास बिस्तर तक नहीं - पुरुषों को सामूहिक शयन स्थल नंबर चार में अधिकांश कैदियों के पास बिस्तर या गद्दा नहीं है। यहां तक कि वे अपने लिए पीठ के बल लेटने की जगह भी नहीं बना सकते। पीले रंग की जेल टीशर्ट पहने हुए यहां के कैदी अपने बगल के कैदी को तकिया बना कर उमस और तंग परिस्थितियों में करवटें बदल कर रात में सोने के लिए संघर्ष करते हैं। कैदियों में से एक कार्लो, पिछले छह साल से अपने मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने इस जेल का दौरा करने वाले यूएन न्यूज सहयोगियों को बताया कि डॉर्मिटरी के अंत तक पंक्तियों में लगभग 200 लोग सोते हैं और हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता है। कैदी का कहना है कि समय बीतने के साथ उन्होंने एक ही करवट के साथ सोने की आदत डाल ली है। मनीला में हाल ही में आई एक भीषण लू ने इस डॉर्मिटरी का तापमान रात में 40 डिग्री से अधिक कर दिया था, जिससे कैदियों के लिए स्थिति और भी अधिक खराब हो गई। कार्लो लगातार अनिद्रा का सामना कर रहे हैं।

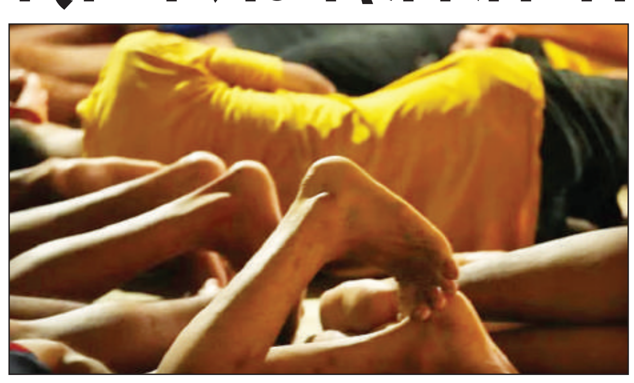

कब बनी थी जेल - मनीला सिटी जेल मूल रूप में स्पेनी औपनिवेशिक काल में सन् 1847 में बनाई गई थी। यह घनी आबादी वाली सैंट क्रूज बस्ती में है और ये फिलिपीन्स की सबसे पुरानी जेलों में से एक है। वर्तमान में, इस जेल की आधिकारिक क्षमता लगभग 1,200 कैदियों की है, जबकि इस समय वहां करीब 3200 पुरुष कैदी हैं, जो क्षमता से 168 प्रतिशत अधिक भीड़ को दर्शाता है। जेल अधीक्षक वार्डन लीनो मोंटानो सोरियानो को उनकी जिम्मेदारियों के तहत जेल की जनसंख्या को कम करने का कार्य सौंपा गया है। उन्होंने जेल का नेतृत्व संभालने के बाद अपने डिप्टी को निर्देश दिया कि सभी कैदियों के रिकॉर्ड की जांच करें, क्योंकि उन्होंने यह अनुमान लगाया था कि कई कैदियों की रिहाई की तारीख पास आ चुकी है। वार्डन लीनो मोंटानो सोरियानो के नेतृत्व में मार्च 2024 में 288 कैदियों ने जेल में प्रवेश किया, जबकि 354 को रिहा किया गया।

नीतियों में बदलाव की जरूरत - फिलीपीन्स में हिरासत केन्द्रों व जेलों में अत्यधिक भीड़भाड़ का मुख्य कारण लाल फीताशाही नहीं है। फिलिपीन्स की न्याय प्रणाली में कुछ विवादास्पद नीतियों के कारण जेलों में अत्यधिक भीड़ बढ़ी। विशेष रूप से ड्रग व्यापारियों और नशीली दवाओं के उपभोक्ताओं को लक्षित करने वाली विवादास्पद न्याय नीतियों के कारण, पूरे देश की जेलों में कैदियों की आबादी बढ़ी। साल 2015 कैदियों की संख्या लगभग 95 हजार थी जो वर्ष 2021 में बढ़कर एक लाख 65 हजार हो गई। फिलिपीन्स अब दुनिया में सबसे अधिक भीड़भाड़ वाली जेल प्रणालियों में से एक देश बन चुका है। जेलों में भीड़भाड़ के मामले में यह देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, हेती और युगांडा के करीब है। फिलिपीन्स में अधिकारियों ने भी बदलाव की जरूरत को पहचाना है। फिलिपीन्स की सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश मारिया फिलोमेना सिंह जेलों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन सुधारों में जेलों में अत्यधिक भीड़ को कम किया जाना भी शामिल है। उन्होंने महिला जेलों का भी दौरा किया है। न्यायाधीश सिंह ने बताया, ये माताएं हैं, ये बेटियां हैं, ये पत्नियां हैं और मैं इनसे जुड़ाव महसूस करती हूं। यदि लोगों को हमारे बीच इस तरह से रहना पड़ रहा है तो हम एक न्यायपूर्ण और मानवतावादी समाज नहीं कहला सकते। फिलिपीन्स में जेल की आबादी को कम करने के लिए अनेक क़दम उठाए जा रहे हैं। 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के कैदियों की रिहाई को प्राथमिकता दी जा रही है, और अन्य क़ैदी अच्छे व्यवहार से अपनी सज़ा कम कर सकते हैं। रीड योर वे आउट' जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे गौरतलब है कि मुक़दमा चलने की प्रतीक्षा कर रहे लोगों की संख्या को कम करके और केवल सबसे गंभीर अपराधों के लिए ही लोगों को कैद में रखने के अलावा अन्य लोगों को जेल से बाहर रखने का प्रयास किया जा रहा है। साथ-साथ पढाई-लिखाई की गतिविधियों को रिहाई से जोड़ने के लिए रीड योर वे आउट' जैसे कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। फिलिपीन्स में सभी कैदियों में से लगभग 70 प्रतिशत जन, नशीली दवाओं के मामूली अपराधों के कारण हिरासत में हैं। मादक पदार्थों एवं अपराध पर यूएन कार्यालय ने ज़मानत में कटौती, वृद्ध कैदियों की प्राथमिकता वाली रिहाई और रीड योर वे आउट कार्यक्रम को समर्थन दिया है। ड्रग्स केवल कानून प्रवर्तन का मुद्दा नहीं फिलिपीन्स में यूएनओडीसी के देश प्रमुख डेनियल मार्चेसी का कहना है, ड्रग्स केवल कानून प्रवर्तन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक स्वास्थ्य मुद्दा भी है जिसे रोकथाम और पुनर्वास के चश्मे से देखा जाना चाहिए। यह एक जटिल समस्या है, जो न्यायपालिका, पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को स्वास्थ्य, नशीली दवाओं की नीति और मानवाधिकार जैसे मुद्दों से जोड़ती है। इस जटिलता के लिए सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश फिलोमेना सिंह के अनुसार एक समग्र क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पिछले वर्ष में लगभग आठ हजार कैदियों की रिहाई के साथ नया दृष्टिकोण लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

आरएनसी में उषा ने पति जेडी वैंस का कुछ खास अंदाज में कराया परिचय, कहा- मेरी मां के लिए बनाते हैं भारतीय भोजन

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। तबसे ही वैंस और उनकी पत्नी उषा चिलुकुरी काफी सुर्खियां बंटोर रहे हैं। अब एक बार फिर सियासी गलियारों में इनका नाम सुनाई दे रहा है। दरअसल, मिल्वौकी में हो रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस ने अपनी पति का परिचय देते हुए कुछ खुलासे किए। उन्होंने बताया कि वैंस को भारतीय भोजन बनाना आता है। परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बने जेडी आरएनसी में बोलते हुए उषा ने येल लॉ स्कूल में जेडी वैंस से मिलने का किस्सा सुनाया। आगे बोलते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि वैंस ने जिज्ञासा के साथ हमारे बीच के अंतर को समझा और सांस्कृतिक मतभेदों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हम दोनों काफी अलग बैकग्राउंड से आए थे। मगर उन्होंने हमारे बीच के अंतर को समझा और अब वह मेरे और मेरी मां के लिए भारतीय खाना बनाते हैं और परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गए हैं।

मैं दिल से समझाना चाहती हूं। उन्होंने कहा, जब मुझसे कहा गया कि मुझे मेरे पति जेडी वैंस का परिचय आप सबसे कराना है तो मैं खो गई थी। मेरे पास एक ही रास्ता था कि मैं आपको दिल से समझा पाऊं कि मैं जेडी से प्यार क्यों करती हूं और उनकी इतनी तारीफ क्यों करती हूं। साथ ही वे संयुक्त राज्य अमेरिका के एक महान उपराष्ट्रपति क्यों बनेंगे। जेडी से मिलने का किस्सा सुनाया उषा चिलुकुरी ने कहा, मैं जेडी से लॉ स्कूल में मिली थी, जब वह ओहियो से यहां आए थे। उन्होंने जीआई बिल के समर्थन से पढ़ाई की थी। वह तब भी और आज भी सबसे दिलचस्प व्यक्ति हैं, जिसे मैं जानती हूं। एक कामकाजी वर्ग का लड़का जिसने बचपन के उन दुखों पर काबू पाया था, जिन्हें मैं मुश्किल से समझ पाती थी कि वह येल लॉ स्कूल में कैसे पहुंच गया। एक सख्त मरीन जिसने इराक में सेवा की थी। मगर अपने खाली समय को पिल्लों के साथ खेलने और फिल्म बेब देखने में बिताते थे। उन्होंने यह भी बताया, जिस जेडी से मैं तब मिली थी, वही जेडी है जिसे आप आज जानते हैं और इस नई भूमिका में उनके लक्ष्य वही हैं, जिनके बारे में उसने अपने परिवार को बताया था।

इच्छामृत्यु चाहने वालों के लिए बनी खास मशीन, बटन दबाते ही निकल जाएगी जान

ज्यूरिक, 18 जुलाई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड में पहली बार इच्छामृत्यु करने वालों के लिए अहम कदम उठाया गया है। लोगों को इच्छामृत्यु के लिए यहां एक पोर्टेबल मशीन बनाई गई है, जहां बिना किसी चिकित्सा पर्यवेक्षण के ही मौत हो सकती है। अंतरिक्ष के तरह दिखने वाले इस कैप्सूल को 2019 में बनाया गया था। इस मशीन में ऑक्सीजन नाइट्रोजन में बदल जाता है, जिसके कार हाइपोक्रेसी से व्यक्ति की मौत हो जाती है। इसे इस्तेमाल करने में केवल 20 डॉलर का खर्च आता है। लास्ट रिजॉर्ट संगठन ने कहा कि स्विट्जरलैंड में इसके इस्तेमाल पर कोई प्रतिबंध नहीं है, क्योंकि यहां पर कानून इच्छामृत्यु की अनुमति देता है। लास्ट रिजॉर्ट के मुख्य कार्यकारी फ्लोरियन विलेट ने कहा, हमारे पास कई ऐसे लोग हैं जो सरको का उपयोग करने के लिए कह रहे हैं। ऐसा बहुत जल्द होगा। उन्होंने आगे कहा, मैं अनंत निद्रा अवस्था में बिना ऑक्सीजन के हवा में सांस लेने की इससे अधिक सुंदर प्रक्रिया की कल्पना नहीं कर सकता हूं। क्या है पूरी प्रक्रिया जो व्यक्ति इच्छामृत्यु चाहता है, उसे पहले अपनी मानसिक

क्षमता का मनोरोग मूल्यांकन कराना होगा। इसके बाद व्यक्ति को बैंगनी कैप्सूल पर चढ़ाकर उसका ढक्कन बंद कर दिया जाएगा। इस दौरान उससे कुछ सवाल भी पूछे जाएंगे, जैसे आप कौन हैं, आप कहां हैं इत्यादि। उनसे यह भी पूछा जाएगा कि क्या आपको मालूम है कि बटन दबाने से क्या होगा सरको के आविष्कारक फिलिप निट्स्के ने कहा, अगर आप मरना चाहते हैं तो प्रोसेसर से एक आवाज आएगी, यह बटन दबाएं। उन्होंने पूरी प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि एक बार जब बटन दब जाएगा, तब प्रोसेसर में ऑक्सीजन का स्तर 20 फीसदी से गिरकर 0.05 फीसदी तक पहुंच जाएगा। ऐसा होने में केवल 30 सेकेंड का समय लगेगा।

पुलिस कार से टक्कर लगने के बाद हुई थी भारतीय छात्रा की मौत, मजाक बनाने वाला अधिकारी बर्खास्त

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल जनवरी में सिएटल में तेज गति से आ रही पुलिस की गश्ती कार की चपेट में आने से भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत हो गई थी। यह मामला उस समय सामने आया था, जब वहां के पुलिस विभाग ने एक फुटेज जारी की, जिसमें अधिकारी डेनियल ऑडरर को इस हादसे को हंसकर टालते हुए देखा गया था। अब इस मामले में नई कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है।

पुलिस की गाड़ी की टक्कर से हुई थी मौत

जाह्नवी कंडुला को इसी साल 23 जनवरी को सिएटल की एक सड़क पर पुलिस वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना के दौरान पुलिस की कार 119 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी, जिसने सड़क पार कर रही जाह्नवी को जोरदार टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जाह्नवी करीब 100 फीट तक उछलकर दूर जाकर गिरी थी और उसकी मौत हो

गई। दरअसल, पुलिस अधिकारी केविन डेव एक ड्रग ओवरडोज की आपात सूचना पर मौके पर जा रहे थे और घटनास्थल पर जल्दी पहुंचने के लिए वे तेज गति से वाहन चला रहे थे। इसी दौरान सड़क पार कर रही जाह्नवी कार के सामने आ गई और टक्कर हो गई।

पुलिस अधिकारी के हंसने पर हुआ था हंगामा

घटना के बाद पुलिस विभाग ने बॉडीकैम फुटेज जारी किए थे, जिनमें सिएटल पुलिस के अधिकारी डेनियल ऑडरर दुर्घटना पर हंसते हुए सुनाई दिए थे, जिसे लेकर खूब हंगामा हुआ था और लोगों ने भारतीय छात्रा की मौत पर हंसने वाले अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की थी। ऑडरर दुर्घटना में शामिल नहीं थे, लेकिन वे हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान ऑडरर ने हंसते हुए कहा था कि वह मर चुकी है, उसकी लिमिटेड वैल्यू थी। ऑडरर के बॉडीकैम का वीडियो सार्वजनिक होने पर सिएटल पुलिस को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। पुलिस विभाग ने भी ऑडरर के रवैये की आलोचना की थी। कहा था कि इस तरह के व्यवहार से लोगों का सिएटल पुलिस पर विश्वास कम हुआ है। हंगामे के बाद ऑडरर को ऑपरेशनल पॉजिशन से हटा दिया गया था। सिएटल पुलिस विभाग में अंतरिम प्रमुख सू राहर ने कहा कि ऑडरर के शब्दों ने कंडुला के परिवार को जो चोट पहुंचाई है, उसे मिटाया नहीं जा सकता है। इस व्यक्तिगत पुलिस अधिकारी की हरकतों ने सिएटल पुलिस विभाग को शर्मसार कर दिया है, जिससे हर पुलिस अधिकारी का काम और मुश्किल हो गया है। राहर ने कहा कि सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी मानकों को बरकरार मेरा उनका कर्तव्य है।

यात्रा करने से बचें, बांग्लादेश में भड़की हिंसा को देखते हुए भारतीय उच्चायोग ने जारी की एडवाइजरी

ढाका, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में फिलहाल माहौल अशांत बना हुआ है। यहां सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, पुलिस भी जवाबी कार्रवाई कर रही है। हालात किस कदर बेकाबू हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प में तीन विद्यार्थियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा अन्य लोग घायल हो गए।

बिगड़े हालातों को देखते हुए ढाका में भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश में रहे रहे अपने नागरिकों और छात्रों के लिए एक तत्काल

एडवाइजरी जारी की। इसमें देश में बढ़ती अशांति के वजह से गैर जरूरी यात्रा से बचने और अपने घरों से बाहर कम से कम निकलने की सलाह दी है। यह सलाह बांग्लादेशी सरकार द्वारा सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को बंद करने के फैसले और ढाका में छात्रों तथा पुलिस के बीच हाल ही में हुई हिंसक झड़पों को देखते हुए दी गई है। सरकारी नौकरियों में लागू कोटा प्रणाली में सुधार की मांग बता दें, बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में छात्र सरकारी नौकरियों में लागू कोटा प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन को काफी हद तक रोक रही है। ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने फर्स्ट और सेकंड क्लास की सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए चल रहे विरोध प्रदर्शन में अग्रणी भूमिका निभाई है। छात्रों की मांग है कि मौजूदा आरक्षण प्रणाली में सुधार करते हुए प्रतिभा के आधार पर सीटें भरी जाएं। हालांकि, देखा जाए तो छात्र जिस आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे हैं वह मौजूदा समय में है ही नहीं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बच्चों और पौत्र-पौत्रियों के लिए 30 फीसदी आरक्षण लागू करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई हुई है।

झड़प के बाद विरोध-प्रदर्शन तेज

ढाका के विभिन्न स्थानों पर गुरुवार को छात्रों और पुलिस के बीच झड़प के बाद विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए। बीआरएसी विश्वविद्यालय के पास मेरुल बड्डा में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया और पुलिस से भीड़ गए। इस भड़की हिंसा में कई घायल हो गए। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार सुबह तक पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे इलाके में यातायात बाधित हो गया।

इसके अलावा, छात्रों ने प्रगति सरनी पर बसुंधरा आवासीय क्षेत्र के प्रवेश द्वार को जाम कर दिया और जतराबाड़ी में ढाका-चटगांव राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। इससे सार्वजनिक परिवहन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मीरपुर 10 गोल चक्कर और आसपास के इलाकों में भी भारी पुलिस बल तैनात है, कई स्थानीय बाजार और दुकानें बंद हैं।

कई विपक्षी दलों की भी एंट्री हुई

शुरुआत में छात्रों का प्रदर्शन काफी शांतिपूर्ण था, लेकिन बाद में इसमें विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी समेत कई विपक्षी दलों की भी एंट्री हो गई। बाद में विपक्ष के छात्र संगठनों और सत्ता पक्ष के छात्र संगठनों में हुई झड़पों के बाद प्रदर्शन हिंसक होते चले गए। हालांकि सत्ता पक्ष ने भी विपक्ष पर छात्रों को भड़काने और प्रदर्शन की आड़ में अपने सियासी हित साधने के आरोप लगाए हैं।

ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, सिलहट तथा खुलना में भारतीय सहायक उच्चायोगों ने अपने नागरिकों और छात्रों के लिए आपातकालीन नंबर जारी किए हैं।

पिछले कुछ समय से रहे बीमार, अब तैयारियों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते एचएस प्रणय

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत का ओलंपिक में बैडमिंटन में प्रदर्शन सराहनीय रहा है और इससे हमेशा देश को पदक की उम्मीद रहती है। महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रियो और टोक्यो में पदक जीते थे और इस बार में बैडमिंटन में पदक की आस रहेगी। पुरुष सिंगल्स वर्ग में चुनौती पेश करने वाले एचएस प्रणय पिछले कुछ समय से बीमार रहे जिसके कारण उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। प्रणय अपने कोच तथा पूर्व खिलाड़ी आरएमवी गुरुसाईदत्त की देखरेख में खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।

चोट और बीमारियों से जूझते रहे प्रणय - प्रणय पिछले कुछ समय के लगातार बीमारियों की चपेट में रहे हैं। थॉमस कप विजेता की के इस अहम सदस्य को पेट की गंभीर बीमारी के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद पीठ की चोट ने उन्हें परेशान किया और फिर चिकनगुनिया के कारण उन्हें एक सप्ताह तक विश्राम करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रणय को दूसरी बार पेट की उस तरह की गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ा जो उन्होंने अतीत में झेला था। यह बीमारी इतनी गंभीर थी कि वह कुछ भी खा नहीं पा रहे थे। इस बीमारी के कारण वह लगभग छह महीने तक खेल से दूर रहे। वह इसके बावजूद दो प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

गुरुसाईदत्त ने कहा, ऑस्ट्रेलिया ओपन के बाद हमने जो तैयारियां शुरू की थी, वे सही रास्ते पर हैं, हम सही रास्ते पर है। इस यात्रा में प्रणय के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि भले ही वह संघर्ष कर रहा था लेकिन अभ्यास में कोई कोताही नहीं बरत रहा था और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा था। उसे मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा इसलिए को बनाये रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, वह उस तरह का खिलाड़ी है जो बड़े मौकों पर दमदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। उसने पिछले तीन-चार वर्षों में कई बार ऐसा किया है। एक कोच के रूप में मुझे और राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद को उन पर भरोसा है। हम कुछ नया तरीका आजमाना चाहते थे। पिछले तीन-चार टूर्नामेंटों के आधार पर गोपी सर का मानना है कि उसे लंबी अवधि के मैच खेलने होंगे। हमने इस पहलू पर काम किया।

न्यूज़ब्रीफ

ओलंपिक के लिए एथलेटिक्स की तैयारियों पर सबसे अधिक , धुड़सवारी पर हुआ सबसे कम खर्च

नई दिल्ली । 27 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी पदक की उम्मीदों के साथ पहुंच रहे हैं। इस बार कुल 118 खिलाड़ी इन खेलों में भारत का प्रतिनिधित्वि करेंगे। इस बार खेल मंत्रालय ने भी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों पर पहले से कई गुना अधिक रकम खर्च की है। एथलेटिक्स पर ही रिकॉर्ड 470 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि धुड़सवारी पर सबसे कम 95 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। एथलेटिक्स के बाद दूसरे नंबर पर बैडमिंटन को सबसे ज्यादा रकम करीब 72.02 करोड़ रुपये मिले है। इसके बाद तीसरे स्थान पर मुक्केबाजी को 60.93 करोड़ रुपये और चौथे स्थान पर निशानेबाजी को 60.42 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं पिछली बार कांस्य जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम को इस बार केंद्र सरकार ने 41.29 करोड़ रुपये दिए हैं जबकि तीरंदाजी को 39.18 करोड़ रुपये वह कुश्ती को 37.80 करोड़ रुपये और भारोत्तोलन को 26.98 करोड़ रुपये मिले है। इससे पहले हुए टोक्यो ओलंपिक में खेल मंत्रालय का बजट काफी कम था। तब भारत ने कुल सात पदक जीते थे। वहीं भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण दिलाया था। इस जीत के बाद से ही खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स की तैयारियों पर जमकर खर्च किया है। इस बार एथलेटिक्स पर करीब 96.08 करोड़ रुपये खर्च किए। यह किसी भी खेल को दी गयी सबसे अधिक राशि है। वहीं पिछली बार एथलेटिक्स को केवल 5.38 करोड़ रुपये मिले थे पर नीरज की जीत से उत्साहित खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स को 18 गुना ज्यादा रकम दे दी।

जय शाह बनाये जा सकते हैं आईसीसी के अगले चेयरमैन

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यहां शुक्रवार से चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शुरु होगा। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन बनने की संभावनाएं हैं। ये कहा जा रहा है कि शाह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह संस्था के अगले प्रमुख बन सकते हैं। इस बैठक में अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर भी बात होगी। आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति पर भी इस बैठक में बात होगी। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जाना का भी मामला इसमें उठेगा। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से रुचि इस बात में है कि शाह संस्था की कमान कब संभालेंगे। बीसीसीआई सचिव के रूप में अभी उनका कार्यकाल एक साल शेष है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर वह 2025 में आईसीसी चेयरमैन संभालते हैं तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। वहीं माना जा रहा है कि अगर बार्कले का मौजूदा कार्यकाल तीन साल का होता है तो शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में छह साल पूरे कर सकते हैं और फिर 2025 में तीन साल के लिए आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं।

मेसी अब अगले माह ही मैदान पर वापसी कर सकेंगे

मियामी । अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी को उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान में वापसी करने में सफल होंगे। मेसी को रविवार को कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के फाइनल में कोलंबिया के खिलाफ मैच में चोट लग गयी थी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस कारण उनके पैर में काफी सूजन भी आ गया था। मेसी को उम्मीद है कि वह टखने की चोट से शीघ्र ही उबर जाएंगे। अर्जेंटीना की जीत के जश्न के दौरान भी मेसी दर्द से परेशान दिखे। अब उनकी चोट की गंभीरता का पता मेडिकल जांच की रिपोर्ट से होगा। आमतौर पर टखने की चोट के कम से कम तीन सप्ताह की अवधि का समय लगता है। इससे माना जा रहा है वह अब अगले माह ही मैदान में उतरेंगे। मेसी ने कहा, 'मैं ठीक हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही फिर से मैदान पर वह खेलते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि कोप अमेरिका में जीत का लक्ष्य हासिल करने से वह उत्साहित है। अर्जेंटीना की जीत के जश्न के दौरान भी मेसी दर्द से परेशान दिखे। अब उनकी चोट की गंभीरता का पता मेडिकल जांच की रिपोर्ट से होगा। आमतौर पर टखने की चोट के कम से कम तीन सप्ताह की अवधि का समय लगता है।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टी-20 सीरीज में कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव वनडे में रोहित कैप्टन, कोहली भी खेलेंगे

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे के लिए बीसीसीआई ने गुरुवार को टी-20 और वनडे टीम का ऐलान किया। टी-20 की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है। वनडे टीम की कमान रोहित शर्मा ही संभालेंगे। विराट कोहली भी टीम में शामिल हैं।श्रीलंका में टीम इंडिया 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला पल्लेकेले में 27 जुलाई को शाम 7:00 बजे से खेला जाएगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से कोलंबो में होगी।

भारतीय टीम ने आखिरी बार 2021 में श्रीलंका का दौरा किया था। टीम ने 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेली थी। तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी। टी-20 सीरीज में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी थी।

सूर्या क्यों? लॉन्ग टर्म ऑप्शन चाहते हैं गंभीर

हार्दिक को टी-20 की कप्तानी नहीं देने की वजह उनकी फिटनेस भी है। पिछले एक साल में हार्दिक चोटों के कारण कई मैच मिस कर चुके हैं। टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर टी-20 कप्तानी में लॉन्ग टर्म ऑप्शन चाहते हैं।

घघठ टीम के उप कप्तान रह चुके हैं सूर्या

2018 में मुंबई इंडियंस से जुड़ने से पहले सूर्यकुमार यादव चार साल तक कोलकाता नाइट राइडर्स के उप कप्तान रहे। इस दौरान गंभीर टीम के कप्तान थे।

भारत का श्रीलंका दौरा

पहला टी-20	दूसरा टी-20	तीसरा टी-20
27 जुलाई	28 जुलाई	30 जुलाई
7:00 PM	7:00 PM	7:00 PM
पल्लेकेले	पल्लेकेले	पल्लेकेले

पहला वनडे	दूसरा वनडे	तीसरा वनडे
2 अगस्त	4 अगस्त	7 अगस्त
2:30 PM	2:30 PM	2:30 PM
कोलंबो	कोलंबो	कोलंबो

2018 में मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने 3.2 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया।

रोहित और विराट वनडे टीम में

रोहित शर्मा के साथ ही विराट कोहली वनडे टीम का हिस्सा हैं। रोहित और कोहली ने 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद भारत के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला है। इसके साथ ही वनडे टीम में पहली बार हर्षित राणा और रियान पराग को जगह मिली है। रियान ने भारत के लिए टी-20 खेला है। वहीं हर्षित ने अभी तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है।श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 स्क्वॉड : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका दौरे के लिए वनडे स्क्वॉड : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

भारतीय कोच गंभीर का पहला असाइनमेंटगौतम गंभीर 2 दिन पहले टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं। बतौर भारतीय कोच गंभीर का यह पहला असाइनमेंट होगा। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

मां की सकारात्मक सोच से बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हैं याराजी, संघर्षों को खत्म करने की कोशिश

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और वह मानती हैं कि ओलंपिक पदार्पण में उन पर काफी दबाव होगा लेकिन वह ध्यान लगाकर शांत बने रहने की कोशिश कर रही हैं। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी पेरिस ओलंपिक में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा लेंगी और ऐसा करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। ज्योति ने कहा कि वह इन खेलों में अपनी मां की सकारात्मक सोच से प्रेरित होकर शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगी। ज्योति की मां विशाखापत्तनम में एक स्थानीय अस्पताल में सफाईकर्मी और घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं।

अच्छे प्रदर्शन के लिए मां ने किया प्रेरित

विश्व रैंकिंग कोटे से ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली याराजी की कोशिश अपनी मां कुमारी के अभी तक के सारे संघर्षों को खत्म करने की होगी। याराजी ने कहा, पहले मैं अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, अपने परिवार और पृष्ठभूमि को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित रहती थी, लेकिन मैंने काफी कुछ सीखा है। कभी कभार मेरी हालत बहुत खराब होती। मेरी मां हमेशा मुझे कहती कि आगे बढ़ते रहो क्योंकि हम वर्तमान, अतीत और भविष्य को नहीं रोक सकते। मेरी मां ने मुझे कहा कि तुम अपने लिए काम करो, कोई भी नतीजा रहे, हम इसे स्वीकार करेंगे। मेरी मां प्रतियोगिता से पहले मुझे कभी नहीं कहतीं कि पदक जीतो या फिर स्वर्ण पदक जीतो। वह मुझसे कहतीं कि जाओ स्वस्थ रहो और जो भी मैं करूं उसमें संतुष्ट रहूं। इसलिए मैं हमेशा सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती हूं। याराजी ने अपने कोच जेम्स हिलियर का जिक्र करते हुए कहा, पहले मेरे पास अच्छी टीम नहीं थी। अब मेरे साथ बहुत सारे सकारात्मक लोग हैं। इससे मुझे काफी मदद मिल रही है। मैं हमेशा सकारात्मक रहती हूं। मैं सकारात्मक सोच से नकारात्मकता को दूर करती हूं। याराजी पर रहेगी ओलंपिक पदार्पण का दबाव याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और वह मानती हैं कि ओलंपिक पदार्पण में उन पर काफी दबाव होगा लेकिन वह ध्यान लगाकर शांत बने रहने की कोशिश कर रही हैं।

कपिल देव ने दी ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई, कहा- खुद को अभिव्यक्त करें..

नई दिल्ली, 18 जुलाई।

पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने पेरिस में ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय एथलीटों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे इस महाकुंभ में निडर होकर अपना प्रदर्शन करने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पदक तालिका में दोहरे अंक तक पहुंचेगा। 26 जुलाई से शुरू हो रहे आगामी टूर्नामेंट के लिए भारत ने 117 एथलीटों का दल भेजा है। देश को इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों को कपिल देव ने दी खास सलाह

कपिल देव ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियंस लीग (टीजीसीएल) के दूसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में कहा, मैं वास्तव में किसी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है।

सभी (भारतीय एथलीटों) को मेरी सलाह यही होगी कि वे आगे आएं और अपने आपको साबित करें। मैं उम्मीद करता हूं कि अगर हमें विश्वास है कि यह (दोहरे अंक में पदक जीतना) होगा तो ऐसा क्यों नहीं होगा।

गंभीर पर क्या बोले कपिल देव

इस दौरान पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं, तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

एंडरसन को संन्यास के तुरंत बाद मिली नई जिम्मेदारी इंग्लिश गेंदबाजों के भविष्य संवारने का मिला मौका

नई दिल्ली, 18 जुलाई।

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। संन्यास के तुरंत बाद जेम्स एंडरसन को नई जिम्मेदारी मिल गई है। कैरेबियाई टीम के खिलाफ शेष दो टेस्ट मैचों में जेम्स एंडरसन बतौर गेंदबाजी मेंटर इंग्लिश टीम से जुड़े हैं। पता हो कि इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट नॉटिंघम में शुरू होगा। 41 साल के जेम्स एंडरसन अपने टेस्ट करियर का अंत जीत के साथ किया। एंडरसन ने 188 टेस्ट मैचों में 704 विकेट चटकाए। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। एंडरसन से ज्यादा दिवंगत शेन वॉर्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) ने विकेट लिए हैं। कड़ी टक्कर की उम्मीद इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 114 रन से मात दी। इस तरह मेजबान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। इंग्लैंड की कोशिश शुरू हो रहे नॉटिंघम टेस्ट को जीतकर सीरीज अपने नाम करने की होगी। वहीं, वेस्टइंडीज की कोशिश सीरीज में बराबरी करने की होगी। हालांकि, कैरेबियाई टीम के लिए इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना आसान नहीं होगा क्योंकि मेजबान टीम के गेंदबाजों को जेम्स एंडरसन की सेवाएं मिलेंगी। इंग्लैंड की प्लेइंग 11 बता दें कि इंग्लैंड ने ही दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी। इंग्लैंड ने सीरीज जीतने के लिए केवल जेम्स एंडरसन के विकल्प को चुना है और शेष खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। मेजबान टीम ने जेम्स एंडरसन की जगह तेज गेंदबाज मार्क वुड को शामिल किया है। वुड को मैथ्यू पॉट्स और ढिल्लन पेनिंगटन पर तरजीह दी गई। बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, मार्क वुड और शोएब बशीर।

सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं..., आलोचना होने पर छलका आईओए अध्यक्ष पीटी उषा का दर्द

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और 26 जुलाई से भारतीय एथलीट पदक के लिए चुनौती पेश करने उतरेंगे। इस बीच, ओलंपिक में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए पूरी कोशिश की गई और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि इसके लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने अच्छा काम किया है। हालांकि, पीटी उषा ने शानदार तालमेल पर गौर करने के लिए आलोचना करने वालों को लताड़ भी लगाई। खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।

आलोचकों पर भड़कीं पीटी उषा - उषा ने कहा, आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3:1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1:1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

सहायक स्टाफ के वीजा का इंतजार कर रही हैं अंतिम - ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी। उषा ने इसके लिए अब भंग कर दी गई तदर्थ समिति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कुश्ती का संचालन करने वाली (आईओए द्वारा नियुक्त) तदर्थ समिति ने ओलंपिक खेल आयोजन समिति को भेजे गए नामों की लंबी सूची में अंतिम के कोच या फिजियोथेरेपिस्ट का नाम शामिल नहीं करने का फैसला किया।

एशियाई पैरालंपिक समिति का बड़ा फैसला दीपा मलिक को दक्षिण एशिया के लिए नियुक्त किया प्रतिनिधि

नई दिल्ली । भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) ने दक्षिण एशिया के लिए उप क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। दीपा तुरंत पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारत की पूर्व पैरालंपिक समिति प्रमुख की नियुक्ति से कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पांच हो गई है जो एपीसी के इतिहास में बोर्ड में महिलाओं का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है। अध्यक्ष का बयान एपीसी के अध्यक्ष माजिद रशीद ने कहा, हमारे कार्यकारी बोर्ड की बैठकों में महिलाओं की संख्या में इजाफा होना सकारात्मक कदम है, विशेषकर जब डॉक्टर दीपा मलिक के अनुभव, कौशल और जानकारी रखने वाली कोई महिला इसमें शामिल हो। दीपा मलिक ने जताई खुशी दीपा की भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और इस क्षेत्र में पैरा खेलों के विकास और इन्हें प्रोमोट करने के लिए प्रयास करने होंगे। दीपा ने कहा, दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और मेरे लिए शानदार मौका है।

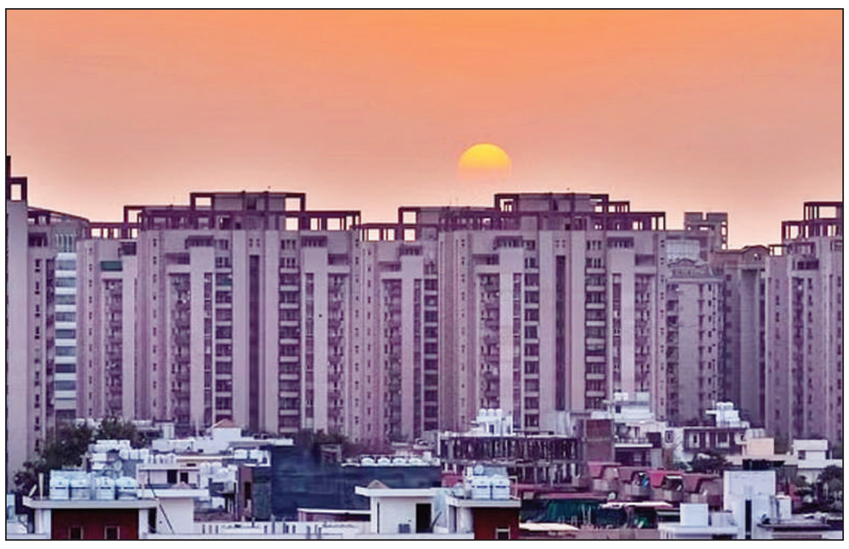

बड़ी राहत, बैंक–बिल्डरों की ओर से घर खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के उन मकान खरीदारों को बड़ी राहत दी है जिन्हें अब तब बिल्डर से उनके फ्लैट का कब्जा नहीं मिला है। अदालत ने निर्देश दिया है कि ईएमआई भुगतान को लेकर बैंक, वित्तीय संस्थान या बिल्डर घर खरीदारों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे और उनसे संबंधित चेक बाउंस के किसी भी मामले पर विचार नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने कई मकान खरीदारों की वे याचिकाएं खारिज कर दी थीं जिनमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि जब तक रीयल एस्टेट डेवलपर्स अपने फ्लैटों का कब्जा नहीं दे देते तब तक समान मासिक किस्त (ईएमआई) नहीं वसूला जाए।

उच्च न्यायालय के आदेश से असंतुष्ट मकान खरीदारों ने शीर्ष अदालत का रुख किया था, जहां अदालत इस मुद्दे पर गौर करने के लिए सहमत हो गई और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने 14 मार्च, 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर केंद्र, बैंकों और अन्य को नोटिस जारी किए हैं।

इस बीच, सभी मामलों में अंतरिम रोक रहेगी। इस दौरान घर खरीदारों के खिलाफ बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों/डेवलपर्स की ओर से परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत शिकायत सहित कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। ज्यादातर वित्तीय संस्थानों/बैंकों ने जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है। जिन लोगों ने अभी तक अपना जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है, उन्हें दो सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्य करने का अंतिम अवसर दिया गया है। यह मामला शीर्ष अदालत के समक्ष 27 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मकान खरीदारों ने शीर्ष न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा है कि वे आरबीआई के दिशानिर्देशों का उल्लंघन कर बैंकों की ओर से सीधे बिल्डर के खाते में अवैध तरीके से कर्ज देने के के पीड़ित हैं। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में इस आधार पर रिट याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता, मिलेगी ये सुविधा

नई दिल्ली। वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे। इसके उद्घाटन के मौके शाजी के वी ने कहा कि, इस पहल की शुरुआत ग्रामीण भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सुलभ कुशल डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की नाबार्ड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ताकि वित्तीय स्थिरता बनाई जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके। परियोजना का लक्ष्य एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से जनसुरक्षा पोर्टल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (सीबीएस) के साथ जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना है। जनसुरक्षा पोर्टल, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से शुरू की गई एक पहल है। यह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के लिए डिजिटल नामांकन और दावा निपटान की सुविधा प्रदान करती है।

प्लैटिनम व अन्य धातुएं मिलाकर हो रहा सोने का आयात, सरकार को सालाना 63,375 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। प्लैटिनम और दूसरी धातुएं मिलाकर, इनने बनाई गई वस्तुओं को कम आयात शुल्क

चुकाकर सोना आयात किया जा रहा है। इन अलॉय उत्पादों को गलाकर सोना निकाला जा रहा है और उसे डिस्काउंट पर बेचा जा रहा है। इस शिकायत के साथ ऑल इंडिया जूलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने वाणिज्य मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन चीजों में 5 फीसदी से अधिक सोना मिला हो, उनके लिए अलग आयात शुल्क तय किए जाएं। कीमती धातुओं के ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने भी चिंता जताई है। एआईजेजीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में प्लैटिनम अलॉय का आयात काफी बढ़ा है, जिसमें असल में 88 प्रतिशत तक गोल्ड मिला होता है। गोल्ड पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, लेकिन ऐसे अलॉय पर 5 फीसदी है। इसमें टेक्निकल तौर पर हो सकता है कि कुछ भी गलत न हो, लेकिन यह टैरिफ रेगुलेशंस को किनारे करने वाली बात है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए इंपोर्टेड गोल्ड की कॉस्ट आर्टिफिशियल तरीके से घटाई जाती है और इसका बुरा असर डोमेस्टिक गोल्ड इंडस्ट्री पर पड़ रहा है क्योंकि ऐसी हरकत करने वाले बुलियन डीलर रिफाइंड गोल्ड बेचते समय डिस्काउंट दे रहे हैं।

2030 तक हैदराबाद जीसीसी में 3,600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी सनोफी हेल्थकेयर

नई दिल्ली। फ्रांसीसी दवा कंपनी सनोफी हेल्थकेयर इंडिया अगले छह साल में हैदराबाद में अपने ग्लोबल

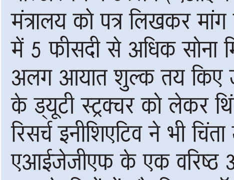

कैपेसिटी सेंटर (जीसीसी) में लगभग 3,600 करोड़ रुपये (40 करोड़ यूरो) का निवेश करेगी।कंपनी ने बताया कि इसमें 2025 तक लगभग 900 करोड़ रुपये (10 करोड़ यूरो) का निवेश किया जाएगा। उसकी योजना 2026 तक 1,600 अतिरिक्त नौकरियां सृजित करने की भी है। सनोफी में बिजनेस ऑपरेशंस की कार्यकारी उपाध्यक्ष मैडेलीन रोच ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हैदराबाद जीसीसी का विस्तार कर अगले दो साल में कर्मचारियों की संख्या लगभग 2,600 की जाएगी, जिससे यह सनोफी के चार वैश्विक केंद्रों में सबसे बड़ा हो जाएगा। हैदराबाद में 2019 में स्थापित जीसीसी में फिलहाल 1,000 कर्मचारी हैं। सनोफी के अन्य जीसीसी बुडापेस्ट, मलेशिया और कोलंबिया में हैं।

देश में जीवन बीमा की पहुंच महज 3.2 प्रतिशत लोगों तक ग्रामीण इलाकों में दायरा बढ़ाने से जुड़े कदम उठाने जरूरी

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)। जीवन बीमा व्यक्तियों और उनके परिवारों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में वर्तमान में जीवन बीमा से आच्छादित लोगों का प्रतिशत वर्तमान में 3.2 प्रतिशत है। नियामक ने अतीत में भी जीवन बीमा सुरक्षा के मामले में 70-80 प्रतिशत की कमी की बात कही है। यह वास्तविक कवरेज और व्यक्तियों और उनके आश्रितों को पर्याप्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक राशि के बीच बड़े अंतर को इंगित करता है। इस बार के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से देश के जीवन बीमा क्षेत्र को काफी उम्मीदें है।

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंश कंपनी के एमडी और सीईओ कैस्परस क्रॉमहॉट के अनुसार भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जीवन बीमा से वंचित है। विश्व बैंक संग्रह संकेतकों के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ये ग्रामीण क्षेत्र आय के स्तर, कमाई के पैटर्न, सेवाओं के वितरण और अपनी जरूरतों के मामले में अपने शहरी समकक्षों से अलग हैं। यह भी देखा गया है कि अधिकांश वाणिज्यिक वित्तीय संस्थानों का बड़ा ध्यान शहरी क्षेत्र की ओर है, क्योंकि यहां रहने वाले जागरूकता के मामले में आगे हैं, उच्च और अधिक स्थिर आय के साथ ही उन तक पहुंच भी आसानी से सुगम है।

ग्रामीण आबादी को जीवन बीमा के दायरे में लाना काफी महत्वपूर्ण दूसरी ओर ग्रामीण आबादी के परिवारों में यह देखा गया है कि कम आय के स्तर के कारण परिवार के लिए रोटी कमाने वाले को खो देने की स्थिति में उन्हें वित्तीय तबाही का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उनकी स्थिति बहुत कमजोर हो जाती है।

इस आबादी को जीवन बीमा सुरक्षा के तहत लाना काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस सेगमेंट में आवश्यक समाधान और दृष्टिकोण शहरी क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक तरीकों से भिन्न हैं। क्रॉमहॉट के अनुसार कंपनियों को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बीमा से जुड़े प्रमुख कारकों को समझकर दोनों क्षेत्रों में प्रमुख जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक समाधान संचालित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार किए गए हैं।

आय का स्तर जीवन बीमा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। ग्रामीण बाजार के विकास के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक डिस्पोजेबल आय में लगातार वृद्धि है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की एक रिपोर्ट में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय 2011-12 से 2017-18 तक 17 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि महामारी के वर्षों के दौरान इसमें कमी आई, लेकिन पिछले वर्ष कुछ वर्षों में इसमें रिकवरी हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में सुझाव दिया है कि शहरी क्षेत्र में भी मध्यम वर्ग का काफी वविस्तार हुआ है और हाल ही में आईएमए की रिपोर्ट के अनुसार उच्च आय वाले उपभोग वर्ग में 120 मिलियन से अधिक परिवार शामिल हैं।

क्रॉमहॉट का कहना है कि में यह स्वीकार करना चाहिए कि ग्रामीण ग्राहक की औसत आय शहरी ग्राहक के औसत से आधी होगी। यह दोनों खंडों में बीमा प्रीमियम भुगतान क्षमता को प्रभावित करता है। विचार करने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण कारक आय की स्थिरता है। ग्रामीण परिवार, जो अक्सर कृषि या अनौपचारिक श्रम पर निर्भर होते हैं, अधिक वित्तीय बाधाओं का सामना कर सकते हैं और दीर्घकालिक बीमा कवरेज पर तत्काल जरूरतों को प्राथमिकता दे सकते हैं। ये अनिश्चितताएं इस क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन बीमा में व्यवस्थित रूप से बचत करना चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं, लेकिन साथ ही इन क्षेत्रों में जीवन बीमा की आवश्यकता को भी बढ़ाती हैं। ग्रामीण परिवारों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आय पैटर्न के अनुसार बने अभिनव बीमा समाधान, जैसे कि माइक्रोइंश्योरेंस और लचीले प्रीमियम विकल्प, पहुंच और सामर्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। शिक्षा और जागरूकता का स्तर बढ़ना भी बीमा क्षेत्र के विस्तार के लिए जरूरी शिक्षा और जागरूकता का स्तर भी जीवन बीमा को अपनाने पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। परंपरागत रूप से, शहरी क्षेत्रों को बेहतर शैक्षिक बुनियादी ढांचे से लाभ होता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में वित्तीय साक्षरता और बीमा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ती है। हालांकि, इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच के साथ विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता के स्तर में उल्लेखनीय बदलाव आया है। देश के 50 प्रतिशत से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 60 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ यह तय है कि देशभर में सूचना प्राद्योगिकी की पहुंच में काफी सुधार हुआ है। वितरण में आसानी एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीमा सेवाओं की उपलब्धता और सुविधा को प्रभावित कर रहा है। बीमा प्रदाताओं, एजेंटों और शाखाओं के उच्च घनत्व के कारण शहरी परिवारों को पारंपरिक रूप से लाभ हुआ है, जिससे बीमा उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच की सुविधा मिलती है। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों को भौगोलिक दूरस्थता, सीमित बुनियादी ढांचे और बीमा एजेंटों की कमी से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, दोनों सेगमेंट में डिजिटल रूप से सक्षम बिक्री को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि हमने देखा है कि अधिकांश ग्राहक अब भी बीमा पॉलिसी खरीदते समय एक विक्रेता (एजेंट) के साथ बातचीत करना पसंद करते हैं, लेकिन मोबाइल प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान आदि जैसे डिजिटल माध्यमों से खरीद प्रक्रिया आसान और सहज हुई है। विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में ग्राहक ग्राहकों को सेवा प्रदान करना अधिक कुशल और तेज हो गया है।

एलएंडटी फाइनेंस ने जारी किए पहली तिमाही के नतीजे, कमाया 686 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड मुनाफा

नई दिल्ली,18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की लीडिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में शामिल, एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने 30 जून 2024 को वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 686 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा हासिल किया। कंपनी द्वारा कमाया गया यह मुनाफा सालाना आधार पर 29 फीसदी अधिक है। 14,839 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट हुआ दर्ज कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 14,839 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट दर्ज किया है, जो सालाना आधार पर 33 फीसदी अधिक है। कंपनी के रिटेल बुक का आकार जून तिमाही के दौरान 84,444 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 31 फीसदी की ग्रोथ दिखाता है।

कंपनी का कस्टमर फेसिंग प्लैनेट ऐप अब तक 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से 12 लाख से अधिक डाउनलोड शामिल हैं। एलएंडटी फाइनेंस के शेयरों ने कितना दिया मुनाफा 18 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 185.26 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले छह महीने में निवेशकों को 10.40 प्रतिशत का मुनाफा दिया है। वहीं, बात करें पिछले एक साल की तो यह कंपनी अब तक 10.40 प्रतिशत का रिटर्न दे चुकी है।

भारत में जल्द लॉन्च होगी लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई

नई दिल्ली। भारत में लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई जल्द लॉन्च होने वाली है। यह गाड़ी 9 अगस्त को नई दिल्ली में लॉन्च की जाएगी। लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया गया है, जिसे प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जो 800 एचपी अधिकतम पावर और 950 एनएम मैक्स टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 25.9केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी पैक भी है। लेम्बोर्गिनी दावा करती है कि इसे केवल इलेक्ट्रिक पावर का उपयोग करके 60 किमी तक चलाया जा सकता है। इसमें ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम है। इसके हाइब्रिड पावर को देखते हुए एसई की इनसे ज्यादा होने वाली है। भारत में लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई का मुकाबला बीएमडब्ल्यू एक्सएम, ऑडी आरएसक्यू 8, लोटस एलेट्रे, पोर्श कैयेन जीटीएस और एस्टन डीबीएक्स 707 से हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कुपवाड़ा में घुसपैठ...

सैन्य सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के 7000 जवान, 8 ड्रोन, हेलिकॉप्टर्स, करीब 40 खोजी कुत्तों को लगाया है। जवानों में ज्यादातर राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के स्पेशल कमांडोज हैं। इन्हें डोडा और कठुआ जिलों की पीर पंजाल श्रेणी के जंगलों में उतारा गया है। यहां 5 लोकेशन की पहचान की गई है। सुरक्षा बलों को यहां करीब 24 आतंकियों की मौजूदगी के सुराग मिले हैं। इनमें वो आतंकी भी हैं, जिनकी डोडा के डेसा जंगल में सेना के साथ मुठभेड़ हुई थी। इसमें 5 जवान शहीद हुए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक डोडा और कठुआ पांच महीने से आतंकवाद के एपिसेंटर बने हुए हैं। कठुआ के बदनोटा से डोडा के धारी गोटे और बग्गी तक करीब 250 किमी में आतंकियों के छिपे होने के सबूत मिले हैं। यहां 20 वर्ग किमी का एक बड़ा इलाका है, जहां से आतंकी आसानी से पहाड़ चढ़कर घात लगाकर हमला कर रहे हैं, इसलिए इन्हीं पहाड़ों पर जवानों को खाने-पीने के सामान व गोला बारूद के साथ तैनात किया है। सेना ने जंगलों वाले ऊंचे इलाकों में विलेज गार्ड भी तैनात किए हैं। जम्मू-कश्मीर में साल 1995 में 25000 विलेज गार्ड सैन्य ट्रेनिंग के बाद रखे गए थे। बाद में इन्हें हटाया दिया गया। 14 अगस्त 2022 को इन्हें फिर तैनात किया गया। इन्हें 4 हजार रुपए महीना वेतन और हथियार देते हैं। सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि जम्मू रीजन में बीते दिनों मारे गए आतंकियों की कद-काठी कश्मीर के आतंकियों से अलग है। प्राथमिक तौर पर स्पष्ट है कि ये सभी विदेशी हैं और पाकिस्तान आर्मी से ट्रेनिंग लेकर उतरे हैं। जबकि कश्मीर में बिना प्रशिक्षण के स्थानीय युवकों को आतंकवाद में झोंका गया। सेना विदेशी आतंकियों की ताकत, कमजोरी और रणनीति तीनों समझ गई है। इन्हें जल्द ठिकाने लगाने के लिए ही इतना बड़ा ऑपरेशन शुरू हुआ है। अब हम इंतजार नहीं कर सकते। हमारे पास उनसे कई गुना ज्यादा ट्रेंड जवान हैं, उन्नत हथियार हैं। आतंकियों का पूरे रीजन से जल्द सफाया होगा।

विपक्षी गठबंधन टूटा...

आज हरियाणा को आम आदमी पार्टी की जरूरत है। हमने दिल्ली और पंजाब में काम करके दिखाया। बिना भ्रष्टाचार के नौकरियां दीं। कहीं कोई पेपर लीक नहीं हुआ। शिक्षा व्यवस्था बेहतर की। पार्टी ने हरियाणा में बदलेंगे हाल अब लाएंगे केजरीवाल का नारा दिया। संदीप पाठक ने कहा कि अगर किसी को संदेह है कि आपा हरियाणा में कैसे चुनाव लड़ेगी मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आपा हरियाणा जबरदस्त चुनाव लड़ेगी। बूथ स्तर पर लड़ेगी। हमें हर जगह से बदलाव की आवाज सुनाई देगी। कुरुक्षेत्र में हमने लोकसभा चुनाव लड़ा। हम सिर्फ 20 हजार वोट से हारे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हम सभी 90 सीटों पर लड़ेंगे। एसवाईएल को लेकर कहा कि मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में है, इस बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकता।

पंजाब में बब्बर...

मिलकर काम कर रहा है। गिरफ्तार किये गये आर-ोपी की पहचान बटाला के घनी के बांगर निवासी विक्रमजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उसके पास से एक .32 बोर की पिस्तौल, दो मैगजीन, नौ कारतूस और एक खाली गोली का खोल बरामद किया है।

श्री यादव ने बताया कि स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर को खुफिया सूचना मिली थी कि हैप्पी पासियन अपने सहयोगी रेशम सिंह के साथ मिलकर पंजाब में कोई बड़ी आपराधिक गतिविधि करने की योजना बना रहा है। इस उद्देश्य के लिये उन्होंने अपने साथी विक्रमजीत सिंह को काम सौंपा था, जो अपनी रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल पर अमृतसर के चमरंग रोड की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि एसएसओसी अमृतसर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुये निर्दिष्ट क्षेत्र की घेराबंदी की और आरोपी विक्रमजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया है।

डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी अपने विदेश स्थित आकाओं के निर्देश पर अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। उन्होंने बताया कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिये आगे की जांच जारी है।

एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने अधिक जानकारी साझा करते हुये बताया कि पता चला है कि आरोपी विक्रमजीत पिछले 5-6 वर्षों से रेशम सिंह के संपर्क में था और कुछ महीने पहले रेशम सिंह ने उसे अपने साथी के तौर पर काम करने के लिये हैप्पी पासियन से मिलवाया था। उन्होंने बताया कि हैप्पी पासियन अपने गिरोह के सदस्यों को हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने की व्यवस्था भी करता रहा है और इसी कड़ी में आरोपी विक्रमजीत सिंह ने हाल ही में हैप्पी पासियन की नापाक योजनाओं को अंजाम देने के लिये एक खेप हासिल की थी।

चार दिन बाद...

प्रवेश कर गए। श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के आभूषणों को मंदिर में अस्थायी रत्न भंडार में स्थानांतरित किया जाएगा। हालांकि इस दौरान भक्तों के मंदिर में प्रवेश पर रोक भी रहेगी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के लिए स्थानांतरण जरूरी था। एएसआई यहां आंतरिक कक्ष के अंदर संरक्षण कार्य करेगी। इसके पहले कीमती वस्तुओं की सूची तैयार करने और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए 46 साल बाद 14 जुलाई को फिर से खोला गया था। बता दें कि रत्न भंडार सुबह 9.51 बजे से दोपहर 12.15 बजे के बीच खुला है, इस दौरान ही सभी कीमती सामान और आभूषणों को स्थानांतरित किया जाएगा।

श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के खुलने पर, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा, गुरुवार को भीतर रत्न भंडार से सभी कीमती सामान और आभूषण सरकार द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार अस्थायी रत्न भंडार में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। बता दें कि मंदिर के रत्न भंडार को खोलने और उसका सामान स्थानांतरित कर संरक्षण का कार्य करवाने का यह फैसला एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, रत्न भंडार को खोलने के दौरान देखरेख के लिए राज्य सरकार की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ, पुरी के जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक में मंगलवार को लिया गया था।

पिछली बार 46 साल बाद 14 जुलाई को खजाना खोला गया था। 14 जुलाई को रत्न भंडार के बाहरी कक्ष के आभूषण और कीमती सामान को स्ट्रांग रूम में शिफ्ट किया गया था।

न्यायमूर्ति रथ ने पुरी के राजा और गजपति महाराजा दिव्य सिंह देब से भी अनुरोध किया कि वे रत्न भंडार में मौजूद रहें साथ ही वहां से कीमती सामानों को बाहर निकालने की प्रक्रिया की निगरानी करें। पुरी कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि केवल अधिकृत व्यक्तियों को पारंपरिक पोशाक के साथ खजाने में प्रवेश करने की अनुमति है। यदि आज कीमती सामानों को बाहर निकालने का काम पूरा नहीं हो पाता है, तो मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार काम जारी रहेगा। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जा रही है। मंदिर प्रशासन ने गुरुवार सुबह 8 बजे से मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। वहीं एक अधिकारी ने बताया, केवल अधिकृत व्यक्तियों और कुछ सेवकों को ही कीमती सामान को मंदिर में स्थानांतरित करने के दौरान प्रवेश की अनुमति दी गई है।

सभी परीक्षा केंद्रों...

ताकि आप अलग-अलग शहरों में ऐसे सभी प्रमुख संपर्कों से जुड़ सकें।

पीठ ने कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को जारी रखेगी। उस दिन केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और पटना पुलिस द्वारा इस मामले में दर्ज आपराधिक मुकदमों से संबंधित जांच की प्रगति पर गौर करेगी और इस मामले को भोजनावकाश से पहले निपटने की कोशिश करेगी। पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा की परीक्षा की काउंसलिंग पर रोक लगाने की गुहार ठुकरा दी। पीठ ने कहा, नहीं, अभी नहीं। हम सोमवार 22 जुलाई को मामले की सुनवाई करेंगे, क्योंकि काउंसलिंग 24 जुलाई या तीसरे सप्ताह में है और यह एक महीने या उससे अधिक समय तक चल सकती है।

पेरिस ओलंपिक...

10 सदस्यीय के-9 यूनिट से मिलकर गर्व हुआ, जो पेरिस ओलंपिक 2024 की सुरक्षा के लिए एक महीने के लिए पेरिस में हैं। हमारे के-9 स्टार और उनके हैंडलर लंबी यात्रा के बाद ठीक हैं और जल्द ही काम पर लग जाएंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि उन्होंने सीएपीएफ के के-9 सोल्जर्स से हाथ भी मिलाया।

बेल्जियन शेफर्ड मैलिनोइस अपनी चपलता, ताकत और सहनशक्ति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पाकिस्तान के एबटाबाद में अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन के ठिकाने का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने इदलिब में एक सुरंग में आईएस प्रमुख अबू बकर बगदादी का पीछा भी किया था, बाद में सुरक्षा बलों के हमले में बगदादी की मौत हो गई थी।

शुक्रवार को पूजा के समय करें सिंदूर से जुड़े ये उपाय, घर चलकर आएंगी मां लक्ष्मी

शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रिय है। इस दिन मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सुख, सौभाग्य और धन-ऐश्वर्य में वृद्धि के लिए लक्ष्मी वैभव व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से साधक की हर एक मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। अगर आप भी आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि पूर्वक धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय सिंदूर से जुड़े ये उपाय जरूर करें। इन उपायों को करने से ममता की देवी मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। उनकी कृपा से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं।

*जगत की देवी मां लक्ष्मी को लाल रंग अति प्रिय है। अतः पूजा के समय लाल रंग के फूल मां लक्ष्मी को अवश्य ही अर्पित करें। इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं।

अगर आप आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन पूजा के समय एक चुटकी सिंदूर मां को अर्पित करें। इस समय मॐ ह्री श्रीं क्रीं श्रीं क्रीं क्लीं श्रीं महालक्ष्मी मम गृहे धनं पूरय पूरय चिंतायै दूरय दूरय स्वाहा ।फ मंत्र का जप करें।

धन के स्वामी भगवान विष्णु को तुलसी माता अति प्रिय है। अतः शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद तुलसी माता को जल का अर्घ्य दें। विधि विधान से पूजा करें। पूजा के समय तुलसी माता को सिंदूर अर्पित करें। इस समय सुख, समृद्धि एवं धन में वृद्धि की कामना करें। इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर हो जाती है।

शुक्रवार का दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित होता है। अतः शुक्रवार के दिन पूजा के समय मां दुर्गा को लाल रंग की चुनरी और सिंदूर अर्पित करें। इस समय अपनी कामना मां दुर्गा से करें। आप अर्पित सिंदूर को लाल रंग के वस्त्र में बांधकर तिजोरी में भी रख सकते हैं। इस उपाय को करने से समय के साथ आय में वृद्धि होती है।

अगर आप धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न कर उनकी कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन पूजा के समय मां लक्ष्मी को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस उपाय को करने से व्यक्ति के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं।

मुड़िया पूनो मेले में अब तक कर चुके हैं 15 लाख तीर्थयात्री परिक्रमा

उत्तर प्रदेश में मथुरा के मिनी कुंभ के नाम से मशहूर गोवर्धन में चल रहे मुड़िया पूनो मेले में अब तक लगभग 15 लाख तीर्थयात्री गोवर्धन महराज की परिक्रमा कर चुके हैं तथा परिक्रमार्थियों का गोवर्धन आना अनवरत जारी है।

वैसे तो अधिकृत रूप से मेले की शुरूवात 15 जुलाई से हुई है किंतु जो लोग मेले की भीड़भाड़ से दूर रहना चाहते हैं वे मेला शुरू होने के पहले ही गोवर्धन महराज की परिक्रमा कर लेते है। चूंकि इस बार मेला शुरू होने के पहले शनिवार और रविवार पड़ गया जिनमें सामान्यत: बहुत बड़ी संख्या में लोग गोवर्धन महराज की परिक्रमा करते हैं इसी कारण परिक्रमार्थियों की सख्या अब तक इतनी अधिक हो गई।

मेला अधिकारी विजय शंकर दुबे के अनुसार भी अब तक लगभग 15 लाख तीर्थयात्री गोवर्धन महराज की परिक्रमा कर चुके हैं। चूंकि इस मेले में लगभग सवा करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने की संभावना है इसलिए प्रशासन ने इस मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था को देखने के लिए लगभग चार हजार सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं इनके अतिरिक्त तीन कम्पनी पीएसी और एक कम्पनी एसडीआरएफ/ फ्लड टीम तथा एक दर्जन दमकलें लगाई गई हैं।उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण मेला क्षेत्र को 9 सुपर जोन, 21 जोन, 62 सेक्टर, में विभाजित किया गया है। 37 अस्थाई पुलिस चैकियां बनाई गई हैं। इसके अलावा 31 वाच टावर, 71 पार्किंग, 126 बैरियर, 54 गिर्राज मोबाइल, 5 खोया पाया केन्द्र, 6 स्वास्थ्य मोबाइल, 5 फायर बाइक, और चार हाई प्रेशर वाटर मिस्ट्स भी लगाए गए है।उन्होंने बताया मेले की सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए 51 इंसपेक्टर, 368 सब इन्सपेक्टर, 43 महिला सब इन्सपेक्टर, 1867 हेड कास्टेबिल/ कांस्टेबिल, 270 महिला कान्सटेबिल, 619 होमगार्ड, 2 एलआईयू इन्सपेक्टर, 10 एलआईयू सबइन्सपेक्टर,एवं 35 हेडकांस्टेबिल/कांस्टेबिल ड्यूटी में लगाए गए हैं। मन्दिरों एवं संवेदनशील स्थानों पर सादा वर्दी में पुलिसकर्मी लगाए गए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार दण्डौती परिक्रमा एवं मानसी गंगा में सीधे स्नान पर रोक लगा दी गई है इसलिए परिक्रमार्थियों के स्नान के लिए दर्जनों फव्वारे लगाए गए हैं।उन्होंने बताया परिक्रमा मार्ग और उसके अगल बगल के कुण्डों में स्नान करने पर भी रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था को हर कीमत पर बनाए रखा जाएगा।

रसोई में मां अन्नपूर्णा की फोटो लगाने के नियम

किचन या रसोई में मां अन्नपूर्णा की फोटो सप्ताह के बृहस्पतिवार या शुक्रवार के दिन लगाना शुभ माना गया है। सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। इसके बाद रसोईघर की साफ-सफाई करें। अब पूरे रसोईघर तथा उस दीवार को भी गंगाजल छिड़क कर साफ-स्वच्छ करें, जिस जगह पर तस्वीर लगानी है।

भगवान शिव को दान करती नजर आएँ माँ अन्नपूर्णा

रसोई में मां अन्नपूर्णा की ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें वह भगवान शिव को दान करती हुईं नजर आती हों। इससे आपकी रसोई का अन्न भंडार सदैव भरा रहेगा।

आग्नेय कोण में लगाएँ

फोटो को किचन के आग्नेय कोण में लगाएं और विधिपूर्वक पूजा करें। इससे घर पर सौभाग्य का आगमन होता है।

तस्वीर के सामने करें मंत्र, कथा वाचन

मां अन्नपूर्णा की तस्वीर के सामने ही उनके मंत्र, स्तोत्र और कथा का वाचन करें और घर के सभी सदस्य ग्यारह बार प्रार्थना करके कहें कि- महे अन्नपूर्णा माता, हमारे घर में हमेशा अनाज, जल और धन का भंडार भरा रहे।

सुबह-शाम करें धूप-दीप

यदि आपकी रसोई में पहले ही अन्नपूर्णा की फोटो लगी है तो सुबह-शाम धूप-दीप जरूर करें। ऐसा न करने पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

घर मंदिर में रखकर कर सकते हैं पूजन

यदि आपका रसोईघर छोटा है तो आप मां अन्नपूर्णा की तस्वीर या फोटो अपने घर मंदिर में रखकर भी उसका पूजन तथा प्रार्थना कर सकते हैं।

रसोई में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने के फायदे

1. वास्तु शास्त्र के अनुसार मां अन्नपूर्णा की तस्वीर रसोईघर में लगाने से सकारात्मका आती है।

2. रसोई में दान देती हुई मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने से अन्न भंडार भरा रहता है और धन की कमी नहीं होती।

3. मान्यता है कि, जिस घर की रसोई में मां अन्नापूर्णा की तस्वीर लगी होती है, वहां बनने वाले भोजन में सात्विकता और पवित्रता बनी रहती है।

4. मां अन्नपूर्णा की तस्वीर रसोई में होने से घर पर खुशहाली आती है और घर के लोग क्रोध भावना से दूर रहते हैं।

रसोई घर में रखें माँ अन्नपूर्णा की तस्वीर अन्न-धन से भरी रहेगी रसोई

हिन्दू धर्म में मां अन्नपूर्णा को अन्न भंडार की देवी कहा गया है, जिनकी कृपा से ही संसार में हर प्राणी को भोजन प्राप्त होता है। ऐसे में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर रसोईघर में लगाना शुभ माना गया है।

रसोईघर में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने से कभी भी अन्न और धन की कमी नहीं होती है। कई घरों की रसोई में माँ अन्नपूर्णा की तस्वीर तो लगी होती है कि वह वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार नहीं होती है।

ऐसे में इस तस्वीर को लगाने के जो लाभ हमें मिलने चाहिए वह मिल नहीं पाते हैं। आइए जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार आखिर रसोई घर में मां अन्नपूर्णा की कैसी फोटो लगानी चाहिए और क्या है तस्वीर रखने के नियम।

चमत्कारी है कपूर, जीवन को संवारने का काम करता है यह

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का बहुत महत्व है। पूजा के दौरान कई चीजों को शामिल किया जाता हैं जिसमें से एक हैं कपूर। कपूर को बहुत ही ज्यादा शुभ और पवित्र माना गया है। कहा जाता है कि कपूर जलाने से घर की दूषित हवा उड़ जाती है और वातावरण शुद्ध हो जाता है। कपूर शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। ज्योतिष में कपूर से जुड़े कई चमत्कारी उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से जीवन में सुख-शांति का वास होता है और अचानक धन की भी प्राप्ति होती है। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को कपूर के उन्हीं उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो जीवन को संवारने का काम करेंगे। नौकरी समस्याओं को दूर करने के लिए नौकरी या कार्यस्थल में आप किसी भी प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं , तो कपूर को एक रूमाल में बांध कर अपनी वर्क डेस्क के पास रख लें। ऐसा करने से कपूर अपनी सकारात्मक ऊर्जा से आस-पास का माहौल भी सकारात्मक बना देगा।

दांपत्य जीवन में खुशी के लिए

यदि पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा हमेशा बना रहता है तो कपूर का यह उपाय कारगर साबित होगा। इसके लिए पत्नी रात को पति के तकिए के नीचे कपूर को रख दें। इसके बाद सुबह जल्दी उठकर बिना किसी टोक के उसे जला दें। ऐसा करने से दांपत्य जीवन में हमेशा प्रेम बना रहेगा और शांति रहेगी। धन प्राप्ति के लिए

तंत्र शास्त्र के अनुसार, अचानक धन प्राप्ति और रुका हुआ धन को प्राप्त करने के लिए गुलाब के फूल में कपूर का टुकड़ा रख दें। फिर शाम के समय फूल में एक कपूर जला दें और फूल को देवी दुर्गा को चढ़ा दें। यह कार्य आप कभी भी शुरू करके कम से कम 43 दिनों तक जरूर करें। अगर आप यह कार्य नवरात्रि के दौरान करेंगे तो इसके और सकारात्मक प्रभाव आपको देखने को मिलेंगे।

नजर उतारने के लिए

परिवार के जिस व्यक्ति को नजर लगने का शक हो, आप उसे सीधा खड़ा करें। इसके बाद कपूर का टुकड़ा लेकर सिर से लेकर पैर तक घड़ी के सुईं घूमने की दिशा में तीन बार नजर उतारें। इसके बाद कपूर को वहीं फर्श पर जला दें। ऐसा करते हुए इस बात का खास ध्यान रखें कि कपूर को किसी अंगारे या कागज पर रखकर न जलाएं बल्कि उसे फर्श पर रखकर सीधे ही आग लगा दें। ऐसा करने से उस व्यक्ति के ऊपर से बुरी नजर उतर जाती है और वह पहले की तरह भला-चंगा हो जाता है। घर में सुख-शांति के लिए

घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए हर रोज सुबह-शाम कपूर को घी में भिगोकर जलाएं और पूरे घर में उसकी खुशबू को फैलाएं। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर जाएगी और घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहेगा। इससे घर में हमेशा सुख-शांति का वास होगा और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सेहत को दुरुस्त करने के लिए

अगर आपकी सेहत लंबे वक्त से खराब चल रही है, तो आप नियमित सुबह से लेकर शाम तक कपूर को एक कपड़े में बांधकर अपने पास रखें और जब भी मौका मिले उसे सूंघ लें। ऐसा करने से आपकी सेहत पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आप रात में सोते वक्त अपनी तकिया के नीचे भी कपूर रख सकती हैं। ऐसा करने से भी आपको लाभ मिलेगा।

शुभ माना जाता है घर में हाथी के जोड़े की मूर्ति को रखना, बढ़ता है दाम्पत्य जीवन में प्यार

आजकल घर की आन्तरिक सुन्दरता पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जाता है। घर के अन्दर पेंटिंग्स, फेनसुई की वस्तुएँ, छोटे-छोटे सुन्दर पौधों को लगाने का बहुत चलन है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में हाथी का जोड़ा रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। हाथी के जोड़े के बारे में यह कहा जाता है कि इससे दांपत्य जीवन में खुशी और प्यार बढ़ता है। इससे आपसी रिश्ते और मजबूत होते हैं।

परिवार को साथ लेकर चलता है हाथी जानवरों में हाथी बहुत ही कर्मठ और बुद्धिमान प्राणी है। साथ ही इनके पारिवारिक समूह में हथनियों को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है, उनका सम्मान किया जाता है। इनके परिवार का मुखिया सबको साथ लेकर चलता है। समूह में एकता बनाकर रखता है। आपने देखा होगा कि जब भी ये कहीं जाते हैं तो अपने परिवार के साथ ही जाते हैं और सबका ध्यान रखते हुए समूह में सबसे आगे चलते हैं। इस सबसे पता चलता है कि ये कितने समझदार होते हैं। अपने परिवार के लिए मेहनत करते हैं।

सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है कई पूर्वी संस्कृतियों में तो हाथी को पूजा भी जाता है। इंद्र देव की सवारी हाथी है। देवी लक्ष्मी के वाहन में से एक सफेद हाथी भी है, यानी कि हाथी की मूर्ति को घर में रखना बहुत अच्छा होता है। यह सुख-समृद्धि का प्रतीक है।

साथ ही शक्ति, बुद्धि और ज्ञान का भी प्रतीक है। वास्तु के मुताबिक, घर या ऑफिस के मुख्य द्वार पर सूंड ऊपर उठाए हुए हाथी के जोड़े की प्रतिमा लगानी चाहिए। इससे परिवार में सुख-सौभाग्य बना रहता है और रिश्तों में मजबूती आती है। परिवार के सब सदस्यों के बीच सामंजस्य की स्थिति बनी रहती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

धनुष की 50वीं फिल्म रायन का दमदार ट्रेलर आउट भरपूर एक्शन मोड में नजर आए अभिनेता

धनुष के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म रायन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मूवी में धनुष के अलावा प्रकाश राज, संदीप किशन, कालिदास जयराम, दुशारा विजयन, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली मुख्य भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर रिलीज के साथ ही दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। आगामी गैंगस्टर ड्रामा की झलकियों ने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।

रायन के ट्रेलर की शुरुआत धनुष के शरीर पर लगे खून को धोते हुए एक शॉट से होती है। जल्द ही, कालिदास और संदीप के पात्रों को किसी बात पर स्पष्ट रूप से नाराज दिखाया जाता है। सूर्या को एक अलग रोशनी में दिखाया गया है, जबकि प्रकाश उनका पीछा करता हुआ प्रतीत होता है। धनुष के किरदार को विभिन्न लोगों पर हमला करते हुए दिखाया गया है। ऐसा लगता है कि उनकी प्रतिशोध की प्यास में कालिदास और संदीप भी शामिल हो गए हैं। हालांकि, अंतिम दृश्य उन्हें बिल्कुल विपरीत दिखाता है, जब वह एक पुलिसकर्मी से बात करते हैं तो वह बहुत शांत नजर आते हैं। सन पिक्चर्स बैनर द्वारा निर्मित रायन 26 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है।

फिल्म का लेखन और निर्देशन धनुष ने किया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। रायन धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है, जो पा पांडी के बाद बनी है। एआर रहमान फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं। कालिदास और संदीप, रायन के भाई की भूमिका में हैं, जबकि दुशारा उनकी बहन के किरदार में हैं। तकनीकी दल में सिनेमैटोग्राफर ओम प्रकाश और संपादक प्रसन्ना जीके शामिल हैं।रायन धनुष की बतौर मुख्य अभिनेता 50वीं फिल्म है। एक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती एक एक्शन ड्रामा फिल्म रायन ने सेंसर की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और उसे ए सर्टिफिकेट मिल गया है। यह धनुष की वडा चेन्नई के बाद दूसरी ऐसी फिल्म है, जिसे यह रेटिंग मिली है। आने वाले दिनों में धनुष की एक और बड़ी रिलीज थंगालान है, जिसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

बॉक्स ऑफिस पर सरफिरा की दैनिक कमाई में मामूली बढ़त

सुधा कोंगारा के निर्देशन में बनी फिल्म सरफिरा में अक्षय कुमार की उम्दा अदाकारी की चारों और खूब तारीफ हो रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की कमाई के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं।12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म टिकट खिड़की पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।

शुरुआत से सरफिरा की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, रिलीज के पांचवें दिन फिल्म के कारोबार में मामूली उछाल आया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जहां सरफिरा ने चौथे दिन 1.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं रिलीज के पांचवें दिन यह फिल्म 1.95 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इसी के साथ अब इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.4 करोड़ रुपये हो गया है।सरफिरा ने 2.50 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया।सरफिरा में अक्षय की जोड़ी राधिका मदान के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा गया और खूब प्यार भी मिल रहा है।परेश रावल और सीमा बिस्वास भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

इस फिल्म को लगभग 100 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।अरुणा भाटिया, विक्रम मल्होत्रा, ज्योतिका और सूर्या इसके निर्माता हैं।

फिल्म स्त्री 2 का नया पोस्टर आया सामने, राजकुमार राव समेत सभी कलाकारों की दिखी झलक

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।यह फिल्म साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब 6 साल बाद स्त्री की दूसरी किस्त दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है।स्त्री 2 का ट्रेलर कल यानी 18 जुलाई को रिलीज होगा।इससे पहले अब निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें राजकुमार से लेकर श्रद्धा समेत सभी कलाकारों की झलक दिखने को मिल रही है।श्रद्धा और राजकुमार के अलावा पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है।स्त्री 2 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अक्षय कुमार-तापसी पन्नू की फिल्म खेल खेल में और अल्लू अर्जुन-रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा: द रूल से होगा।इसके अलावा जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।स्त्री 2 2024 की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। फिल्म का टीजर पहले ही दर्शको को काफी पसंद आया है। ऐसे में अब लोगों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का टीजर 25 जून को रिलीज किया था। राजकुमार राव ने टीजर साझा कर लिखा था, इस बार चंदेरी में आजादी के दिन होगा आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को वापस आ रहे हैं।टीजर की शुरुआत राजकुमार राव और अन्य लोगों द्वारा स्त्री की मूर्ति पर दूध चढ़ाने से होती है। टीजर में स्त्री के रूप में श्रद्धा कपूर की झलक दिखाई देती है। साथ ही तमन्ना भाटिया भी नजर आती हैं।

जान्हवी कपूर अस्पताल में भर्ती, छुट्टी मिलने के बाद फिर से शुरू करेंगी उलझ का प्रमोशन

2 अगस्त को रिलीज़ होने वाली अपनी आगामी फ़िल्म उलझ के प्रचार में व्यस्त जान्हवी कपूर को हाल ही में फूड पॉइज़निंग के गंभीर मामले के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, जान्हवी बुधवार को ठीक महसूस नहीं कर रही थीं और उन्होंने सप्ताह के बाकी दिनों के लिए अपने सभी प्रमोशनल अपॉइंटमेंट स्थगित कर दिए। गुरुवार को उनकी हालत और बिगड़ गई, जिसके कारण उनके परिवार ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।इस झटके के बावजूद, रिपोर्ट्स बताती हैं कि जान्हवी की हालत में सुधार हो रहा है और शुक्रवार तक उन्हें छुट्टी भी मिल सकती है। बॉलीवुड हंगामा ने भी पुष्टि की है कि कपूर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक सूत्र ने कहा, यह फूड पॉइज़निंग का गंभीर मामला है। बुधवार को जान्हवी घर पर बिस्तर पर थीं, बहुत कमज़ोर

और बेचैन महसूस कर रही थीं। उन्होंने बुधवार और पूरे हफ़्ते के लिए अपने सभी अपॉइंटमेंट टाल दिए। गुरुवार को उनकी हालत और भी खराब हो गई।इसमें आगे कहा गया है, इसलिए, परिवार ने उसे उचित चिकित्सा सुविधा दिलाने का फैसला किया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। वह अब ठीक हो रही है, हालांकि अभी भी बहुत कमज़ोर है। शुक्रवार तक उसे छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

उलझ ट्रेलर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने फिल्म के प्रति उत्साह बनाए रखा है। यह फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। अभिनेत्री के पास कई फ़िल्में हैं जिनमें जूनियर एनटीआर के साथ देवरा: भाग 1, राम चरण के साथ एक फ़िल्म, सूर्या के साथ एक और फ़िल्म, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की एक हिंदी फ़िल्म और नीरज घायवान और ईशान खट्टर के साथ एक फ़िल्म शामिल है।

फिल्म औरों में कहां दम था के नए गाना जहां से चले थे जारी, अजय-तब्बू की दिखी शानदार केमिस्ट्री

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म औरों में कहां दम था पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। अजय की यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। इस फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी देखने को मिलेगी। दोनों ने कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। अब औरों में कहां दम था का नया गाना जहां से चले थे रिलीज हो गया है, जिसमें अजय-तब्बू की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म औरों में कहां दम था एक अधूरी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अजय देवगन ने कृष्णा और तब्बू ने वसुधा का किरदार निभाया है। फिल्म में अजय और तब्बू के अलावा जिम्मी

शेरगिल ने भी मुख्य भूमिका निभाई है। गोल्डन ग्लोब और ऑस्कर पुरस्कार विजेता एम एम कीरावणी उर्फ एम एम क्रीम ने फिल्म औरों में कहां दम था का गाना जहां से चले गाना कंपोज किया है।

निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था के इस गाने में कृष्णा और वासु की प्रेम कहानी को बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है। इस गाने में 23 सालों के लंबे इंतजार के बाद फिर से दो बिछड़े प्रेमी किस तरह से दोबारा मिलते हैं, उसको दर्शाया गया है। इस गाने में कृष्णा और वसुधा के उस पल को दर्शाया गया, जब ये दोनों एक-दूजे से जुदा हो जाते हैं। जहां से चले गाने को सुनिधि चौहान और जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में अजय-तब्बू और जिम्मी शेरगिल के अलावा सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी ने भी अहम भूमिका निभाई है। औरों में कहां दम था 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

समृद्धि शुक्ला ने अपनी वैनिटी वैन के खोले राज, बताया आखिर क्यों है उनके लिए खास

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभीरा के किरदार से एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला दर्शकों का दिल जीत रही हैं। उनके डेली रूटीन में वैनिटी वैन का क्या रोल है, इसको लेकर उन्होंने खुलकर बात की और कई राज खोले।अपने वैनिटी वैन के बारे में बात करते हुए समृद्धि ने कहा, मेरी वैनिटी के लिए मेरे कुछ प्वाइंट्स हैं, मैं अपना मेकअप किट खुद लेकर चलती हूं। मेरे साथ एक फूड बास्केट भी होता है जिसमें बहुत सारा खाना और बेवरेज होते हैं, जो मैं पूरे दिन पीती हूं।जरूरी मेकअप किट के अलावा, मेरी वैनिटी में एक स्पीकर भी है। अच्छा म्यूजिक सुनना सभी को पसंद होता है। म्यूजिक सुनते हुए चीजें करना और कॉफी पीने का मजा अलग होता है।समृद्धि ने आगे बताया, मैं वैनिटी वैन में काफी सोती हूं। मैं आमतौर पर अपना खाली समय कुछ और करने के बजाय सोने में बिताती हूं।जब म्यूजिक की बात आती है, तो समृद्धि का कोई फेवरेट म्यूजिक नहीं है।उन्होंने कहा, मेरा कोई फेवरेट म्यूजिक नहीं है, लेकिन अगर मुझे कोई एक चुनना हो, तो मैं कहूंगी कि मुझे क्लासिकल जैज बेहद पसंद है। यह बहुत अच्छा है, लेकिन मैं हमेशा यही नहीं सुनती। इसमें हमेशा बहुत सी चीज़ों का मिक्सअप होता है। मैं रैप सुनती हूं, मैं जैज सुनती हूं, मैं पॉप सुनती हूं, यह मेरे मूड पर निर्भर करता है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जैज ज्यादा पसंद करती हूं।समृद्धि के लिए, उनका वैनिटी वैन मेकअप रूम तैयार होने वाली जगह से कहीं ज्यादा है। यह एक पर्सनल स्पेस है, एक क्रिएटिव हब है, और एक ऐसी जगह है जहां हंसी और खुशी भरपूर है।चाहे वह सो रही हों या अपने पसंदीदा म्यूजिक पर डांस कर रही हों, उनकी वैनिटी डेली रूटीन का एक अहम हिस्सा है, जो सेट पर लंबे घंटों को आनंददायक बनाता है।ये रिश्ता क्या कहलाता है का निर्माण राजन शाही ने अपने बैनर डायरेक्टर कट प्रोडक्शन के तहत किया है।ये

कल्कि 2898 एडी की कमाई में फिर आई तेजी, 600 करोड़ से बस रह गई इतनी दूर

नाग अश्विन निर्देशित और प्रभास और दीपिका पादुकोण-स्टारर कल्कि 2898 एडीळ दर्शकों के दिलों दिमाग पर छाई हुई है. ये फिल्म बाक्स आफिस पर रिलीज होने के साथ धुआंधार कमाई कर रही है. हालांकि फिल्म की कमाई में रिलीज के तीसरे हफ्ते में काफी गिरावट दर्ज की जा रही है. बावजूद इसके कल्कि 2898 एडीळ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 20वें दिन कितना कलेक्शन किया है?कल्कि 2898 एडीळ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. यहां तक कि प्रभास स्टारर ये फिल्म तीसरे हफ्ते में भी लेटेस्ट रिलीज अक्षय कुमार की सरफिरा और कमल हासन की इंडियन 2 से ज्यादा कमाई कर रही है. दरअसल इस साइंस फिक्शन फिल्म का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है जिसके चलते कल्कि 2898 एडीळ तीसरे हफ्ते में भी दर्शकों को सिनेमाघरों में खींच रही है. हालांकि अब फिल्म का बिजनेस भी कम हो रहा है.कल्कि 2898 एडीळ की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे हफ्ते में कल्कि 2898 एडीळ का कलेक्शन 128.5 करोड़ रहा. वहीं तीसरे हफ्ते के थर्ड फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार फिल्म ने 14.35 करोड़, तीसरे रविवार 16.45 करोड़ और तीसरे सोमवार 3.85 करोड़ का कलेक्शन किया.

कमल हासन की इंडियन 2 को नहीं मिल रहे दर्शक, पांचवें दिन कमाए 3 करोड़ रुपए

कमल हासन स्टारर इंडियन 2 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. दिग्गज अभिनेता की ये फिल्म साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म थी और ये रिकॉर्ड संख्या में स्क्रीन पर रिलीज हुई थी. हलांकि मच अवेटेड सीक्वल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद पॉजिटिव रिव्यू नहीं मिला लेकिन फिल्म की पहले दिन के लिए धुआंधार एडवांस बुकिंग हुई थी जिसके चलते इंडियन 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग की लेकिन फिर इसके बाद फिल्म की कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. चलिए यहां जानते हैं इंडियन 2 ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को कितना कलेक्शन किया हैकमल हासन की इंडियन 2 को लेकर रिलीज से पहले काफी बज था. दरअसल ये फिल्म एक्टर की ब्लॉकबस्टर 1996 में आई इंडियन का सीक्वल है. ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट थी.

वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद मेगा-बजट फिल्म की शुरुआत तो अच्छी रही लेकिन दूसरे दिन से ये थिएटर्स में दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आ रही है और इसी के साथ इंडियन 2 उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पा रही है.इंडियन 2 की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 25.6 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद दूसरे दिन फिल्म ने 18.2 करोड़ कमाए. तीसरे दिन इंडियन 2 का कलेक्शन 15.35 करोड़ रहा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरूरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा– इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए । अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना–फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने–चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 19 जुलाई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 07:43 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 02:33 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 02:40 तक
करण : कौलव प्रातः 08:20 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें दिन विशेष : प्रदोष व्रत , पुष्य में रवि रात्रि 11:11 से , गण्डमूल रात्रि 02:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आरएएस मुख्य परीक्षा–2023 के विरुद्ध सभी स्थगनादेश खारिज

अजमेर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान लोकसेवा आयोग की आरएएस मुख्य परीक्षा–2023 के विरुद्ध लगाये गये सभी स्थगन आदेश गुरुवार को राजस्थान उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिये। अजमेर में आयोग मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायालय खंडपीठ जयपुर द्वारा आरएएस मुख्य परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिये लगाए गए सभी प्रार्थना पत्रों को खारिज कर दिया है। खंडपीठ की ओर से निरंतर सुनवाई 12, 16 एवं 18 जुलाई को नियत की गई थी। आयोग की ओर से मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता एवं कुंजी वैधता अनुभाग के अधिकारियों ने न्यायालय में उपस्थित रहते हुए तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए पक्ष रखा।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में यह भी उल्लेखित किया है कि अपील करने वाले 569 अभ्यर्थियों में से 476 अभ्यर्थियों ने आयोग द्वारा उत्तर कुंजी पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए दिए गए अवसर पर किसी भी प्रकार की आपत्ति आयोग के समक्ष दर्ज नहीं कराई गई थी। ऐसे याचिकाकर्ताओं को मुख्य परीक्षा में सम्मिलित करने से पूरी परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि उक्त प्रारंभिक परीक्षा के 150 प्रश्नों में से 90 प्रश्नों को आधार बनाकर दायर की गई सभी याचिकाओं में दायर स्थगनादेश प्रार्थना पत्र को न्यायालय की खंडपीठ द्वारा खारिज किया गया है। इससे पूर्व इसी वर्ष मार्च में एकलपीठ द्वारा भी 569 अभ्यर्थियों द्वारा लगाई गई 34 याचिकाओं को खारिज किया गया था। उन्होंने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के 907 पदों पर भर्ती के लिए 28 जून 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती में कुल पदों की संख्या 972 है। आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन एक अक्टूबर 2023 को किया गया। इसमें चार लाख 58 हजार अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

परीक्षा के उपरांत आयोग द्वारा मॉडल उत्तरकुंजी जारी करके प्रश्नों पर आपत्तियां मांगी गयीं। निर्धारित अवधि के दौरान आयोग को कुल 2200 अभ्यर्थियों की आपत्तियां प्राप्त हुईं। आपत्तियों का परीक्षण विषय विशेषज्ञों से करवाने के बाद पांच प्रश्न विलोपित एवं तीन प्रश्नों के उत्तर परिवर्तित किए गए।

श्री मेहता ने बताया कि 20 अक्टूबर 2023 को आयोग द्वारा आरएएस प्री परीक्षा–2023 का परिणाम जारी किया गया। इसमें कुल 19 हजार 400 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिये सफल घोषित किए गए। उन्होंने बताया कि अब 20 एवं 21 जुलाई को आयोग द्वारा पांच जिला मुख्यालयों पर 71 परीक्षा आयोग केन्द्रों पर आरएएस मुख्य परीक्षा –2023 का आयोजन किया जाएगा।

जयपुर में चुनाव की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर गुरुवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया। राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में ये छात्र छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की मांग कर रहे थे कि उन्हें खदेड़ने के लिए छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। इस दौरान कई छात्र घायल हो गए और कुछ छात्र नेताओं को हिरासत में भी लिया गया।उधर पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि चुनाव की मांग कर रहे विद्यार्थियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग करना घोर निंदनीय है। राज्य सरकार को बताना चाहिए कि किस वजह से वह छात्रसंघ चुनाव करवाने से पीछे हट रही है। यह समझ से परे भी है। विद्यार्थियों की जायज मांग को पुलिस–प्रशासन का भय दिखाकर दबाना दुर्भाग्यपूर्ण है।श्री गहलोत ने कहा इस बल प्रयोग में एनएसयूआई के कई छात्रनेताओं को गंभीर चोटें आई हैं। मैं उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि छात्र संघ चुनाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी किस तरह राजनीति में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि लाखों विद्यार्थियों की समस्याओं, उनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार और उनकी मांग को समुचित तरीके से रखने के लिए छात्र संघ चुनाव होना जरूरी है जो कि कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ही शुरू किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार लोकसभा और उपचुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद घबरा गई है। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनावी ही नहीं बल्कि पंचायती राज चुनाव पर भी तलवार लटकाने का काम किया जा रहा है।

ताजियों के जुलूस में भगवा पताका तोड़ने पर उग्र हुआ हिंदू संगठन

बाजार बंद कर किया थाने का घेराव

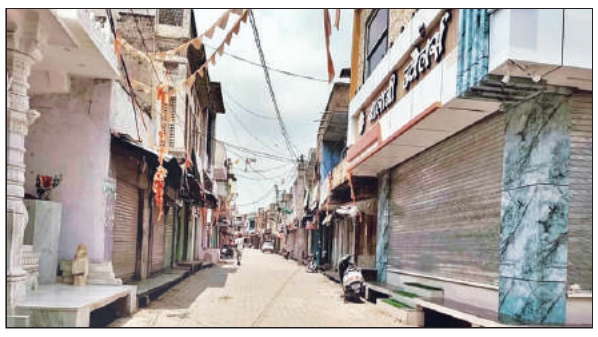

शाहपुरा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के कोटड़ी उपखंड मुख्यालय पर ताजियों के जुलूस निकालने के दौरान भगवा पताकाओं और फर्रियां तोड़ने का मामला सामने आया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद एक पक्ष के लोगों ने चारभुजा मंदिर एकत्रित होकर सभा की ओर जुलूस निकालकर थाने का घेराव किया। इस दौरान कोटड़ी कस्बे के प्रमुख बाजार सुबह से शाम तक बंद रहे। इस दौरान सूचना पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। कस्बे में गश्त करते नजर आए। शाहपुरा की एएसपी चंचल मिश्रा ने बताया कि शिकायत के आधार पर इस मामले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। समझाइश के बाद धरना समाप्त हुआ। मामले में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार मुहर्रम पर ताजिए का जुलूस निकालने के दौरान समुदाय विशेष की ओर से कस्बे में लगी भगवा झंडिया और फर्रियां हटा दी गईं। इससे नाराज हिंदू संगठनों ने गुरुवार को आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोटड़ी कस्बा बंद करवा दिया। उन्होंने थाने का घेराव करते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की। कोटड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन ने बताया कि ताजिए निकालने के दौरान शर्तों का उल्लंघन किया है। जानबूझकर झंडियों को तोड़कर पैरों में डाला गया। इसके कारण हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। चारभुजा मंदिर पर सभा के बाद प्रदर्शनकारियों ने कोटड़ी थाने का घेराव किया। इस दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग इकट्ठा हुए और विरोध प्रदर्शन किया। मौजूद लोगों ने कहा कि शर्तों के अनुसार झंडियों और पताकाएं नहीं तोड़ी जानी चाहिए, लेकिन शर्तों का उल्लंघन किया गया। इससे लोगों में रोष है। जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक बाजार नहीं खोला जाएगा। शाहपुरा की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा, डीएसपी प्रमोद शर्मा, जहाजपुर थाना प्रभारी नोरतन बेनीवाल, कोटड़ी तहसीलदार रविशकर चैधरी, कोटड़ी थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अधिकारी भी मामले को लेकर समजाइश में जुटे रहे।

जनप्रतिनिधियों की विकास की मांगों पर तत्परता से कार्य कर रही है सरकार : शर्मा

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार जनप्रतिनिधियों की क्षेत्र से संबंधित विकास की मांगों पर तत्परता से कार्य कर रही है।

श्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केकड़ी जिले के निवासियों के आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, विधायक सहित समस्त जनप्रतिनिधि क्षेत्र की नब्ज जानते हैं, इसलिए हमने बजट में उनकी जानकारी और सुझावों के आधार पर राज्य की आठ करोड़ जनता के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। हमने बजट में सभी क्षेत्रों की मांग को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2024–25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस ऐतिहासिक बजट में गांव, ढाणी, शहर एवं छोटे–बड़े जिलों में विकास का ऐसा खाका तैयार किया गया है, जिससे 'आपणो अग्रणी राजस्थान' का संकल्प साकार होगा।श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए सबसे पहले सोचकर योजनाओं–कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। जनता भी अपने आस–पास वंचितों की पहचान करके उन्हें लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट के प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए कृत संकल्प है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक सरोकारों को सदैव वरीयता दी है। उन्होंने ही 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत करके स्वच्छता का संदेश देने और 'बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ' अभियान चलाकर लड़के–लड़कियों का लिंगानुपात सुधारने का महत्ती काम किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दूरगामी कदम उठाते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत की है। श्री शर्मा ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर इस अभियान को सफल बनाएं।

हरियाणा में कांग्रेस विधायक और अन्य के ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,392 करोड़ रुपए के कथित बैंक कर्ज धोखाधड़ी मामले से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में हरियाणा से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह, एक धातु निर्माण कंपनी और उसके प्रवर्तकों के ठिकानों पर गुरूवार को छापेमारी की। केंद्रीय एजेंसी के गुरुग्राम स्थित कार्यालय के अधिकारियों ने हरियाणा के महेंद्रगढ़, बहादुरगढ़ और गुरुग्राम तथा दिल्ली और जमशेदपुर समेत करीब 15 स्थानों पर तलाशी ली।

बता दें कि गुरुवार सुबह ईडी अधिकारी तीन से चार गाड़ियों में सवार होकर विधायक के घर पहुंचे थे। प्रवर्तन निदेशालय की टीम 1,392 करोड़ रुपये के बैंक लोन धोखाधड़ी मामले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि जिन लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली गई, उनमें महेंद्रगढ़ क्षेत्र से 65 वर्षीय विधायक सिंह, उनका बेटा अक्षत सिंह, एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) कंपनी तथा उसके प्रवर्तक मोहिंदर अग्रवाल, गौरव अग्रवाल व अन्य लोग शामिल हैं। एएसएल स्टील रोल उत्पादों का निर्माण करती है। इस कंपनी पर 1,392 करोड़ रुपये के बैंक कर्ज धोखाधड़ी मामले में शामिल होने का आरोप है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2022 में कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सूत्रों के मुताबिक, ऐसा आरोप है कि राव दान सिंह के परिवार और उनकी कंपनियों ने एएसएल से कर्ज लिया, लेकिन कभी लौटाया नहीं और बाद में इस कर्ज को बट्टे खाते में डाल दिया गया। रावदान सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी माने जाते हैं। कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान भिवानी से टिकट भी दिया था, लेकिन उन्हें बीजेपी उम्मीदवार धर्मवीर सिंह के हाथों शिकस्त मिली थी। उनको टिकट दिए जाने को लेकर कांग्रेस में काफी ज्यादा विवाद भी हुआ था। वहीं, हरियाणा में ईडी रेड की बात करें तो टीम ने कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और इनेलो के नेताओं के विभिन्न ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी ने इनेलो के वरिष्ठ नेता राम भगत गुप्ता और उनके बेटे संजय गुप्ता के खिलाफ रेड डाली थी। कांग्रेस नेता मास्टर सतबीर रतेरा के घर पर भी ईडी ने कार्रवाई की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा के घर पर दूसरी बार छापा मारा। ये कार्रवाई खनन को लेकर की गई।

शहीद एक्सप्रेस में लूटपाट, विरोध करने परे दो यात्रियों को मारे चाकू

अंबाला कैंट से निकलने के बाद हुआ हमला

अंबाला, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर से जयनगर जा रही ट्रेन नंबर 14674 शहीद एक्सप्रेस में लूटपाट हो गई। तीन आरोपियों ने इस घटना को उस समय अंजाम दिया जब ट्रेन अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूर पहुंची थी। लूट के इरादे से चढ़े तीन आरोपियों ने चाकू मारकर दो यात्रियों को घायल कर दिया और उनका पर्स छीन लिया। घटना अंबाला और दुखेड़ी रेलवे स्टेशन के बीच हुई। हादसे की सूचना मिलते ही ट्रेन को तुरंत रोक दिया। चाकू मारने के बाद हमलावर ट्रेन से उतरकर भाग गए। दस मिनट तक ट्रेन बीच रास्ते में ही खड़ी रही। सूचना मिलते ही बराड़ा आरपीएफ पोस्ट से उप निरीक्षक दान सिंह व अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायलों को ट्रेन से नीचे उतारा। घटना गुरुवार शाम लगभग 6.22 बजे हुई थी और ट्रेन को 6.40 बजे गंतव्य की तरफ रवाना किया गया। घायलों की पहचान लुधियाना निवासी संजय जोकि चिकन का काम करता है और दूसरे घायल संदीप के तौर पर हुई जोकि कपड़े का काम करता है। दोनों ढंडारी कलां से गोरखपुर जा रहे थे।।

प्राप्त जानकारी अनुसार अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन से ट्रेन में चढ़े तीन व्यक्तियों ने इस हमले को अंजाम दिया है और तीनों ने चाकू की नौक पर दो यात्रियों से लूटपाट करने की कोशिश की थी और जब दोनों यात्रियों ने इसका विरोध किया तो उन्होंने एक के पेट में तो दूसरे के हाथ पर चाकू मार दिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल में लाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रुप से घायल एक यात्री को चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। वहीं आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन कर दिया गया है।

मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी का मामला

एनआईए ने बहादुरगढ़ के दो युवकों को पकड़ा

बहादुरगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। लाओस, थाईलैंड और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी मामले के तार बहादुरगढ़ से भी जुड़ गए हैं। इस मामले में एनआईए ने बहादुरगढ़ के दो युवकों को काबू किया है। इसके अलावा दो अन्य को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। बहादुरगढ़ के लाइनपार के शंकर गार्डन की गली नंबर तीन निवासी साहिल पुत्र बिजेंद्र कुमार और सेक्टर 7 निवासी आशीष उर्फ अखिल पुत्र रामकरण को पकड़ा है।

आशीष की मां राजेश देवी ने बताया कि उसके बेटे के पास साहिल निवासी लाइनपार के फोन आते थे और वही उससे लोगों को नौकरी लगवाने के नाम पर फोन करवाता था। इसका बेटा 12वी पास हैं और आईटीआई से डिप्लोमा किया हुआ है। कई दिन पहले उसे एनआईए टीम अपने साथ ले गई थी। बताया गया है कि ये लोग गुरुग्राम के रहने वाले बॉबी कटारिया से भी जुड़े हुए है। एनआईए ने दिल्ली के मंजूर आलम उर्फ गुड्डू, सिवान (बिहार) के पवन यादव उर्फ अफरोज उर्फ अफजल को भी पकड़ा है।

ये सभी संगठित तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थे जो आकर्षक नौकरियों की पेशकश के बहाने भारतीय युवाओं को विदेश में ले जाने और तस्करी करने में शामिल थे। एनआईए की जांच आरसी–09/2024/एनआईए/डीएलआई में यह राजफाश हुआ है। तस्करी किए गए युवाओं को लाओस, गोल्डन ट्राइंगल एसईजेड और दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के अन्य स्थानों पर फर्जी काल सेंटरों में काम करने के लिए मजबूर किया गया था, जो भारत, लाअ–ोस और अन्य देशों के विभिन्न हिस्सों में स्थित आपरेटरों के माध्यम से विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित विशाल नेटवर्क का हिस्सा थे। इन काल सेंटरों के माध्यम से युवाओं को निवेश घोटाले, रिलेशनशिप घोटाले, क्रिप्टो करेंसी घोटाले आदि जैसी अवैध आनलाइन गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मजबूर किया गया।

बता दे कि एनआईए ने 19 जून 2024 को दिल्ली पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था, ऐसे सभी मानव तस्करी सिंडिकेट को खत्म करने के उद्देश्य से अपनी जांच जारी रखे हुए है। इस साल मई की शुरुआत में एजेंसी ने संबंधित राज्य/यूटी पुलिस के सहयोग से छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 15 स्थानों पर व्यापक तलाशी ली थी। तलाशी के बाद मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी के मामलों में आठ नई एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद जून में एनआईए ने मुंबई में इसी तरह के एक मामले में विदेशी नागरिकों सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

नीट यूजी पेपर लीक केस में पटना एम्स के तीन मेडिकल छात्र हिरासत में

चौथा खुद पहुंचा सीबीआई के पास

पटना (एजेंसियां)। नीट यूजी पेपर लीक केस में सीबीआई ने बुधवार को पटना एम्स के चार मेडिकल स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। इनमें से तीन को पहले हिरासत में लिया गया था। एक मेडिकल स्टूडेंट आज खुद सीबीआई के सवालों का जवाब देने पहुंचा है। इन चारों के लैपटॉप और मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। इन पेपर लीक केस में संलिप्त होने का आरोप है। तीनों डॉक्टर 2021 बैच के स्टूडेंट हैं। इनके हॉस्टल के कमरे को भी सील कर दिया गया है। इस मामले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल का कहना है कि पटना एम्स के किसी डॉक्टर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सीबीआई टीम तीन

छात्रों को अपने साथ ले गई है। इस दौरान एक छात्र हॉस्टल में नहीं था। बाद में उसने सीबीआई कार्यालय गया। हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार कुल चार छात्र सीबीआई के पास हैं।

डॉ. गोपाल कृष्ण पाल ने बताया कि सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले नीट यूजी केस में शामिल सभी आरोपी छात्रों के नाम उनकी तस्वीरें और मोबाइल नंबर के साथ साझा किया था। सीबीआई की टीम लगातार हमारे संपर्क में थी। हम अपनी ओर से सहयोग करना जारी रखेंगे। हम छात्रों की संलिप्तता के बारे में नहीं जानते हैं। उनकी संलिप्तता इस केस में है या नहीं? क्या वह दोषी हैं? यह हमें पता नहीं। यह सब सीबीआई बताएगी। जांच में सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। आरोपी छात्रों की पहचान चंदन सिंह, राहुल आनंद, करण जैन और कुमार शानू के रूप में हुई है। चंदन सीवान, कुमार शानू पटना, राहुल धनबाद और करण जैन अररिया के रहने वाले हैं। सीबीआई ने तीन छात्रों के कमरे को सील कर दिया था। इसके बाद एक अन्य छात्र की जानकारी मिलने पर हमने इनका भी कमरा सील कर दिया।

बता दें कि सीबीआई ने इस केस में दो दिन पहले ही नीट के पेपर को चुराने के आरोप में पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया था। वहीं इसके साथी राजू को हजारीबाग से पकड़ा था। सूत्रों का कहना है कि पंकज और राजू से पूछताछ के आधार पर सीबीआई को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। बताया जा रहा है कि पंकज कुमार ने ही एनटीए द्वारा भेजे एनटीए के प्रश्न पत्र को चुराया था। इसके बाद इसी पेपर को आगे भेजा गया था। यही पेपर वायरल हुआ था। पंकज मूल रूप से बोकारो का रहने वाला है। वहीं राजू सिंह पंकज का ही साथी है। नेट पेपर लीक केस में इसने भी अहम भूमिका निभाई थी। दोनों की तलाश सीबीआई को काफी दिनों से थी। नीट यूजी पेपरलीक केस में सीबीआई ने अब तक लगभग 57 गिरफ्तारियों के साथ छह एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें से 12 केंद्रीय एजेंसी द्वारा की गईं, जबकि शेष विभिन्न राज्य पुलिस बलों द्वारा की गयी हैं। अब तक 22 लोगों को जमानत मिल चुकी है। सीबीआई ने कुछ दिन पहले ही राकेश उर्फ रॉकी को गिरफ्तार किया था। अब सीबीआई पेपरलीक केस के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की तलाश कर रही है।

बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में सम्राट चौधरी का आरजेडी पर निशाना

जीतन सहनी का हत्यारा लालू के ही परिवार का

पटना (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव या उनके परिवार को अपराध पर बोलने का हक ही नहीं है। लालू प्रसाद यादव तो मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठकर संगठित अपराध का संचालन करते थे। इस समय बिहार में अपराध पर वह बोल रहे हैं या उनके परिवार के लोग बोल रहे हैं, लेकिन देखिए कि पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता का हत्यारा कौन निकला? हत्या करने वाला उनके ही परिवार का निकला। सम्राट चौधरी गुरुवार को बिहार भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति के दौरान भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक एसके मेमोरियल हॉल के सुशील मोदी सभागार में शुरू हुई। इधर, इस बैठक में कोई भी राष्ट्रीय नेता भी शामिल नहीं हुए हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद रविशंकर प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को मंच पर जगह नहीं मिली है। मंच पर भाजपा बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के अलावा बीजेपी के केंद्रीय मंत्री और सांसद के अलावा बड़े नेता मौजूद हैं।

बिहार प्रभारी विनोद तावड़े एक मिनट तक लगातार ताली बजाने की बात से अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सीट पर बढ़त की है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह ऐसे आए जैसे उनकी सरकार बन रही है। भाजपा को कभी सौ सीट से नीचे नहीं आई और कांग्रेस कभी सौ से ऊपर नहीं गई। विपक्ष की 22 पार्टियां एक साथ आई लेकिन भाजपा को रोक नहीं पाई।

अस्पताल में इलाज कराने आए मरीज के परिजन से मारपीट

स्वास्थ्य कर्मियों की हरकत से हुआ हंगामा

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद शकूराबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसे समय अजब गजब दृश्य देखने को मिला। जब अपने बेटे की इलाज कराने आए व्यक्ति को स्वास्थ्य कर्मियों ने मारपीट कर घायल कर दिया।

बताया जाता है कि श्री बीघा गांव निवासी मनु कुमार 9 वर्षीय पुत्र कोयल कुमार को इलाज कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शकूराबाद आया था। डॉक्टर द्वारा उसे पूर्जा लेने के लिए कहा गया, पूर्जा कटवाने के लिए एनएम कंचन कुमारी के पास गया।

इस स्वास्थ्य कर्मी से पुर्जे बनाने के लिए कहा, तभी कंचन कुमारी

भड़क गई और इसके साथ मारपीट शुरू हो गई। अस्पताल सुरक्षा में लगे हुए गार्ड के बीच बचाव किया। किसी द्वारा इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो में देखा जा रहा है की कंचन कुमारी द्वारा अपने बेटे की इलाज कराने आए व्यक्ति के साथ मारपीट कर रही है। वही उसके सहयोगी मौके पर पहुंचकर मारपीट की घटना को अंजाम देते हैं।

इस घटना के बारे में जब चिकित्सा पदाधिकारी से बात करने की कोशिश की गई तो अधिकारी मीडिया से बात करने में कतराने लगे। आसपास के लोगों का कहना है कि इस अस्पताल में आसमाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जिसके कारण ऐसी घटना होती है।

एक अगस्त से शुरू होगी सक्षमता पास शिक्षकों की काउंसलिंग

शिक्षकों को सभी मूल दस्तावेज के साथ रहना जरूरी

गोपालगंज (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग ने बसडीला डीआरसीसी में वेरिफिकेशन कार्य करने का आदेश दिया है, लेकिन शिक्षकों की सुविधा को लेकर स्थानीय स्तर पर शिक्षा विभाग के द्वारा शहर के अंबेडकर भवन में वेरिफिकेशन कार्य करने की योजना बनायी जा रही है। इसको लेकर दोनों जगहों के निरीक्षण के बाद विभाग मुख्यालय को रिपोर्ट भी भेजी गयी है।

बताया जा रहा है कि गोपालगंज में उन्हीं शिक्षकों को वेरीफिकेशन होगा, जिन्हें रिजल्ट में यह जिला आवंटित हुआ है। बोर्ड की वेबसाइट से शिक्षकों के रिजल्ट में आवंटित जिलों की जानकारी दी गयी है। वेरिफिकेशन से पहले शिक्षकों का बायोमेट्रिक जांच भी होगी। शिक्षा विभाग ने वेरिफिकेशन को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी रंजीत पासवान ने बताया कि वेरिफिकेशन के लिए तीन अधिकारियों की टीम तैनात रहेगी। इसके अलावा अन्य अधिकारी व कर्मी वेरिफिकेशन का काम करेंगे। इसको लेकर तैयारी की जा रही है। प्रतिदिन के वेरिफिकेशन के लिए पांच टाइम स्लॉट शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व से बनाये गये हैं। सुबह 9:00 से 10:00 बजे तक पहला, 10:30 से 12:00 बजे तक दूसरा, 12:00 से 1:00 बजे तीसरा तथा 1:00 बजे से 3:00 बजे तक चौथा तथा 3:00 बजे से 4:30 बजे तक पांचवां स्लॉट होगा।

किस दिन के किस टाइम स्लॉट में शिक्षकों का वेरिफिकेशन होगा, इसकी जानकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी तथा अभ्यर्थियों को इसकी सूचना भी दी जायेगी। अभ्यर्थियों को अपने साथ आधार कार्ड तथा रजिस्टर्ड मोबाइल लाना होगा, जिस पर एसएमएस या इ- शिक्षा कोष मोबाइल ऐप के माध्यम से टाइम स्लॉट की सूचना दी जायेगी। वेरिफिकेशन स्थल में प्रवेश भी इसी आधार पर मिलेगा।

शिक्षकों को काउंसलिंग के समय अपने सभी मूल प्रमाण पत्र जैसे मैट्रिक का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र, इंटर का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र, बीए का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण का अंक प्रमाण पत्र एवं प्रमाण पत्र, दक्षता या टीईटी का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र के साथ ही आधार कार्ड, पैन कार्ड, अकाउंट नंबर, कैंसिल चेक, जाति, आय, निवास, ईडब्ल्यूएस, क्रीमी लेयर आदि सभी दस्तावेज जो आवेदक फार्म भरने के दौरान स्कैन कर अपलोड किए थे, उन सभी मूल दस्तावेजों के साथ शिक्षक सशरीर काउंसलिंग में सम्मिलित होंगे।

77 साल से जहां नक्सली लगाते थे जन-अदालत, वहां लगाया जनता दरबार

राजद के नए सांसद अचानक आए चर्चा में

पटना (एजेंसियां)। गया जिले के शेरघाटी अनुमंडल को लाल इलाके के नाम से जाना जाता है। यहां आए दिन नक्सलियों का तांडव देखने को मिलता है। बड़ी घटनाओं को देखें तो बीते साल 6 दिसंबर को मगरा थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने जेसीबी मशीन को आग के हवाले कर दिया था। वहीं इससे पूर्व डुमरिया प्रखंड के मौनवार गांव में नक्सलियों ने दो महिलाओं समेत चार लोगों की हत्या कर दी थी। चारों को घर के बाहर बने खटाल में फांसी लगाकर लटका दिया

था। घर को बम से उड़ा दिया था। इस इलाके में अबतक नक्सलियों की जन-अदालत लगा करती थी, लेकिन 77 साल में पहली बार किसी जन-प्रतिनिधि ने यहां पहुंचकर जनता दरबार का कार्यक्रम कर लिया है। राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर पहली बार सांसद चुने गए अभय कुशवाहा का जनता दरबार इस कारण चर्चा में है।

बिहार-झारखंड की सीमा पर डुमरिया प्रखंड अंतर्गत छकरबंधा क्षेत्र पूरी तरह से नक्सल प्रभावित माना जाता है। दिन के उजाले में भी कई बार माओवादियों ने खूनी वारदात को अंजाम देकर सरकारी मशीनरी को काफी नुकसान पहुंचाया है। यह वह क्षेत्र है जहां पुलिस व सुरक्षा बल को भी किसी कार्रवाई को अंजाम देने से पहले काफी प्लानिंग करनी पड़ती है। नक्सलियों के भय के कारण चुनाव के दौरान मतदानकर्मी भी यहां जाने से घबराते हैं। इस बार संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के दौरान जिला प्रशासन द्वारा छकरबंधा स्थित मतदान केंद्र पर मतदान संपन्न कराने के लिए सुरक्षा बलों और मतदान कर्मियों को हेलिकॉप्टर के जरिए पहुंचाया गया था। मतदान होने के बाद वहां से उन्हें हैलिकॉप्टर के जरिए ही वापस भी लाया गया था।

क्षेत्र के ग्रामीणों की मानें तो आजादी के बाद यह पहला मौका था, जब कोई सांसद उनके बीच पहुंचा हो। चुनाव के दौरान तो वोट मांगने के लिए लोग उनके बीच में कई बार पहुंचे थे। लेकिन, चुनाव जीतने के बाद पहली बार ऐसा मौका था जब कोई सांसद सीधे उनके बीच पहुंचा था। अपने मताधिकार का उपयोग कर चुने गए सांसद को खुद के बीच देख ग्रामीण भी काफी प्रसन्न थे। सांसद के पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। सांसद ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुनने के बाद उसे दूर करने का भी आश्वासन दिया।

अब रोहतास में डबल मर्डर

सड़क किनारे गोली मारकर हत्या, दो युवकों के पास दिखी बाइक पर बक्सर का नंबर

पटना (एजेंसियां)। रोहतास में डबल मर्डर हुआ है। ग्रामीणों का दावा है कि दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना बिक्रमगंज के धारूपुर गांव में नहर किनारे वाली सड़क के पास की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दो युवकों के शव कब्जे ले लिया। घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद हुई है। दोनों युवकों की पहचान नहीं हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है और एफएसएल की टीम को भी बुलाया जा रहा

है। हीरो स्प्लेंडर बाइक का नंबर बक्सर जिला का है। जो किसी महिला के नाम से रजिस्टर्ड है। पुलिस बाइक के नंबर के आधार पर मृतकों के पहचान की कोशिश कर रही है।

घटना की सूचना पर बिक्रमगंज के एसडीपीओ कुमार संजय पहुंचे तथा छानबीन शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टि ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों युवकों को यहां पर लाकर मारा गया है। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। और पुलिस हर बिंदु की जांच कर रही है फिलहाल मृतक की डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

सावन माह की तैयारी में अंतिम रूप देने में जुटा मंदिर प्रशासन

2200 से अधिक स्वयंसेवक करेंगे सेवा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। 22 जुलाई से शुरू हो रहे देवों के देव महादेव के माह सावन महीने की शुरुआत हो जाएगी। यह भगवान महादेव के लिए सबसे खास महीना माना जाता है।

आपको बता दें कि इस पावन महीने में बिहार के देवघर के रूप में विख्यात बाबा गरीबनाथ धाम में लाखों की संख्या में कावड़ियों के द्वारा जलाभिषेक किया जाता है।

बाबा पर जलाभिषेक के लिए हाजीपुर के पहलेजा घाट से गंगा नदी से जल लेकर के लाखों की संख्या में कांवरिया जल बोझी करते हैं और वहां से कांवड़ यात्रा को करते हुए मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ धाम में बाबा पर जल चढ़ाते हैं।

बता दें कि कांवड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा होती है और इस वजह से प्रशासन की ओर से चाक-चौबंद

व्यवस्था की जाती है।

बाबा गरीबनाथ धाम मंदिर के प्रधान पुजारी विनय पाठक ने बताया की गरीबनाथ धाम में आने वाले सभी भक्तों के लिए तैयारी कर ली गई है। हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भक्तों को अधिक सुविधा मिलेगी। वहीं मंदिर के बाहर एलईडी वॉल टीवी स्क्रीन से जल चढ़ाने वाले श्रद्धालु बाबा दर्शन करेंगे, साथ ही आने जाने की भी व्यवस्था अच्छी कर ली गई है। किसी भी साल गरीब नाथ धाम आज वाले भक्तों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होती है।

इसके साथ ही मंदिर प्रधान पुजारी ने आगे बताया कि इस बार कांवरियों की सेवा में सेवा दल के कुल 2200 से ज्यादा स्वयंसेवक रहेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि कांवरियों को कावड़ यात्रा के मार्ग में कोई कठिनाई ना हो। इसके साथ इनको निर्देश दिए गए ही यह निश्चित किया गया है कि सभी कांवड़िए एवं अन्य श्रद्धालु अरघा के माध्यम से ही बाबा पर जलाभिषेक करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com